epaper.dehatsandesh.com

3 रियासी में चलाया फ्लेवर एंड फेलोशिप कार्यक्रम

5 खेल रत्न पुरस्कार मुझे और अधिक जीत लिए प्ररित करेगा: मनु भाकर

8 गेहूं में लगने वाले कीट और रोग के उपाय

मौसम जम्मू — न्यूनतम 9 — अधिकतम 18

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

देहात संदेश

वर्ष-22, जम्मू तवी, अंक-18 | जम्मू तवी, रविवार 19 जनवरी, 2025 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

स्वामित्व योजना से गांव और गरीब होंगे सशक्त, विकसित भारत का सफर होगा सुहाना : प्रधानमंत्री

भोपाल, 18 जनवरी । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि स्वामित्व योजना से गांव और गरीब सशक्त होंगे और विकसित भारत का सफर सुहाना होगा। भारत में पिछले लगभग पांच वर्ष में डेढ़ करोड़ ग्रामीणों को उनकी संपत्ति का स्वामित्व पत्र प्रॉपर्टी कार्ड दिया गया है। आज 65 लाख से अधिक हितग्राहियों को प्रॉपर्टी कार्ड दिया जा रहा है। इस प्रकार देश के लगभग सवा दो करोड़ ग्रामीणों को उनके घर का पक्का कानूनी दस्तावेज मिला है। भारत की ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए आज का दिन बहुत ऐतिहासिक है।

प्रधानमंत्री मोदी शनिवार को दिल्ली से स्वामित्व योजना अंतर्गत हितग्राहियों को संपत्ति अधिकार पत्रों के ई-वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने देशभर के 50 हजार से अधिक गाँवों में 65 लाख प्रॉपर्टी कार्डों का वितरण किया, जिनमें मध्य प्रदेश के 15 लाख 63 हजार हितग्राही शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के साथ संवाद भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सिवनी जिले से कार्यक्रम में शामिल हुए।

प्रॉपर्टी राइट्स 21वीं सदी की सबसे बड़ी चुनौती का हल

प्रधानमंत्री ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ के एक सर्वे के अनुसार क्लाइमेट चेंज, पानी की समस्या, स्वास्थ्य की समस्या और महामारी की चुनौतियों के साथ ही प्रॉपर्टी राइट्स 21वीं सदी की एक बहुत बड़ी चुनौती है। विश्व के अनेक देशों में गरीबों के पास प्रॉपर्टी राइट्स नहीं है। अर्थशास्त्री कहते हैं कि प्रॉपर्टी राइट्स नहीं होने से उनके पास डेड कैपिटल है। उस पर वे कोई लेनदेन नहीं कर सकते, कोई आर्थिक गतिविधि संभव नहीं होती। घर की मिल्कियत के विवाद और दबंगों द्वारा अतिक्रमण का खतरा बना रहता है। स्वामित्व योजना के माध्यम से हमने इस चुनौती का हल निकाल लिया है।

उन्होंने कहा पहले की सरकारों ने इस समस्या का कोई ठोस हल नहीं निकाला। वर्ष 2014 में जब हमारी सरकार बनी तब हमने इस योजना को प्रारंभ किया। ड्रोन के माध्यम से जमीनों की मैपिंग कराई गई और गरीबों की संपत्ति के कागज तैयार किए गए। देश में लगभग 6 लाख गांव है, इनमें से आधे से अधिक गांवों का ड्रोन सर्वे पूरा हो चुका है। सवा दो करोड़ ग्रामीणों को प्रॉपर्टी कार्ड मिल गए हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। लगभग 100 लाख करोड़ से ज्यादा की आर्थिक गतिविधियों का रास्ता खुलेगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामित्व योजना राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के ग्राम स्वराज के सपनों को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। गरीबों को संपत्ति के अधिकार पत्र मिल जाने से ग्राम पंचायतें आर्थिक दृष्टि से सशक्त होंगी और ग्राम स्वराज जमीन पर उतरेगा। विभिन्न आपदाओं के बेहतर प्रबंधन और ग्रामीणों को समय पर क्लेम मिलने में भी आसानी होगी। उन्होंने कहा कि हमारा भारत गांव में बसता है। गांव का विकास देश का विकास है। स्वामित्व योजना और भू-आधार ग्राम विकास के आधार बनेंगे। देश में 23 करोड़ भू-आधार नंबर जारी किए जा चुके हैं। भू-अभिलेखों का डिजिटाइजेशन किया जा रहा है।

मोदी ने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में नारी शक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका है।

बैंक सखी, बीमा सखी, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी आदि योजनाएं नारी सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। देश में सवा करोड़ से ज्यादा लखपति दीदियां बन गई है। कई राज्यों में स्वामित्व योजना के अंतर्गत संपत्ति अधिकार पत्रों में पत्नियों के नाम भी शामिल हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना की रजिस्ट्री में भी महिलाओं के नाम शामिल किए गए हैं।

उपमुख्यमंत्री ने बदहाल गांव का दौरा किया, शोक संतप्त परिवारों को सहायता का आश्वासन दिया

राजौरी 18 जनवरी। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने बदहाल गांव का दौरा किया और तीन परिवारों के 16 लोगों की दुखद मौत से प्रभावित शोक संतप्त परिवारों से मुलाकात की।

उन्होंने हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हुए परिवारों को इस कठिन समय में जिला प्रशासन की ओर से पूर्ण सहयोग का आष्वासन दिया। गौरतलब है कि कैबिनेट मंत्री सकीना इत्तू और जावेद राणा ने पहले दो घटनाओं के तुरंत बाद गांव का दौरा किया था ताकि समय पर कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। इस बीच, जिला प्रशासन प्रभावित परिवारों और समुदाय को राशन और पानी सहित आवश्यक आपूर्ति सक्रिय रूप से प्रदान कर रहा है।

उपमुख्यमंत्री ने कहा कि पर्याप्त चिकित्सा दल मौके पर हैं और किसी भी तत्काल चिंता को दूर करने के लिए अथक प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस द्वारा गठित एक विशेष जांच दल इन दुर्भाग्यपूर्ण मौतों के पीछे के कारणों की जांच कर रहा है।

उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रहे हैं और यह पता लगाने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि ये मौतें प्राकृतिक कारणों से हुई हैं या किसी अन्य कारण से। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि घबराने की कोई जरूरत नहीं है, उन्होंने हर नागरिक के कल्याण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, हम अपने लोगों की भलाई सुनिश्चित करने के लिए दृढ़ हैं।

बदहाल गांव के दौरे के दौरान उपायुक्त राजौरी अभिषेक शर्मा, विधायक बदहाल जावेद इकबाल चौधरी, एडीडीसी राजौरी डॉ. राज कुमार थापा और सभी जिला अधिकारी उपमुख्यमंत्री के साथ थे।

परिवहन आयुक्त ने ई-रिक्शा का किराया 10 रुपये प्रति किलोमीटर किया तय

श्रीनगर 8 जनवरी। जम्मू-कश्मीर परिवहन आयुक्त विशेष पॉल महाजन ने शनिवार को कहा कि इलेक्ट्रिक रिक्शा का किराया प्रति यात्री 10 रुपये प्रति किलोमीटर तय किया गया है जो अधिकतम 6 किलोमीटर की दूरी तक होगा। साथ ही उन्होंने कहा कि अन्य सभी ऑटो-रिक्शा के लिए मीटर अनिवार्य कर दिया गया है।

आयुक्त ने श्रीनगर में पत्रकारों से बात करते हुए चेतावनी दी कि यात्रियों से अधिक पैसे लेने वाले या बिना उचित परमिट के वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। सड़क सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए आयुक्त ने जोर देकर कहा कि दुर्घटनाएं रोकने में चालकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा चालक की प्राथमिक जिम्मेदारी है। उन्होंने चालकों से तेज गति से वाहन चलाने और हेलमेट न पहनने जैसे उल्लंघनों से बचने का आग्रह किया।

ड्राइविंग लाइसेंस के मुद्दे पर उन्होंने जारी करने में देरी की बात स्वीकार की लेकिन आश्वासन दिया कि लाइसेंस प्रिंटिंग के लिए नया टेंडर लगभग पूरा हो चुका है और जल्द ही डाक से लाइसेंस वितरित किए जाएंगे।

इस बीच चालकों को अपने लाइसेंस तक डिजिटल पहुंच के लिए डिजिलॉकर ऐप का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। आयुक्त ने नागरिकों से निर्धारित मार्गों का अनुसरण करने का भी आग्रह किया और इस बात पर जोर देते हुए कि सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय किए गए हैं।

मुख्य सचिव ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप दिया

जम्मू 18 जनवरी । मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने जम्मू-कश्मीर में गणतंत्र दिवस 2025 मनाने की तैयारियों को अंतिम रूप देने के लिए शीर्ष नागरिक प्रशासन और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। मुख्य सचिव ने प्रत्येक संबंधित विभाग से जम्मू और श्रीनगर दोनों जगहों पर समारोहों के सुचारू संचालन के लिए की गई तैयारियों की स्थिति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने संबंधित संभागीय प्रशासनों से कहा कि वे सभी को इन समारोहों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें और कार्यक्रम स्थल तक पहुंचने के लिए परिवहन और अन्य सुविधाओं का प्रावधान करें। अटल डुल्लू ने सभी ऐतिहासिक स्थलों और सरकारी भवनों को रोशन करने की तैयारियों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने विभागाध्यक्षों को सलाह दी कि वे अपने कार्यालयों और संबंधित नगर निगमों के साथ-साथ अन्य सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को पहले की तरह रोशन करें।मुख्य सचिव ने स्कूली बच्चों के लिए उचित परिवहन और बैठने की व्यवस्था, उनके जलपान और इस कार्यक्रम से पहले की तैयारियों में सहायता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। मुख्य सचिव ने दोनों स्थानों पर वाहनों की पार्किंग के लिए किए गए प्रबंधों की भी समीक्षा की तथा यातायात अधिकारियों को सड़कों पर यातायात की सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी की सुरक्षा के लिए आवश्यक सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लिया तथा कार्यक्रम के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया गया, प्लेटफार्मों की संख्या बढ़ाकर हुई 7

जम्मू, 18 जनवरी । उत्तर रेलवे ने शनिवार को एक प्रेस बयान में कहा कि यात्री अनुभव, सुरक्षा, कनेक्टिविटी और परिचालन दक्षता बढ़ाने के लिए जम्मू तवी रेलवे स्टेशन का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

प्रेस नोट में कहा गया है कि भविष्य में जम्मू तवी रेलवे स्टेशन जम्मू और कश्मीर घाटी के लिए ट्रेन संचालन को संभालने के लिए बेहतर ढंग से सुसज्जित होगा।

इसमें कहा गया है कि पुनर्निर्मित जम्मू तवी यार्ड का चालू होना 6 मार्च 2025 को निर्धारित है।

उत्तर रेलवे (एनआर) के मुताबिक यार्ड रिमॉडलिंग का काम लगभग पूरा हो चुका है और नॉन-इंटरलॉकिंग का काम भी जल्द ही पूरा हो जाएगा।

एनआर के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने कहा कि यार्ड रीमॉडलिंग का काम एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। एक बार पूरा होने के बाद, स्टेशन पुनर्विकास में भी गति आएगी।

उपाध्याय के अनुसार परियोजना की अनुमानित लागत 450 करोड़ रुपये है और यह प्लेटफार्मों को तीन से सात तक विस्तारित करने और उन्हें अत्याधुनिक गिट्टी रहित ट्रैक तकनीक से लैस करने पर केंद्रित है।

उपाध्याय ने कहा कि आधुनिकीकरण प्लेटफार्मों पर सुचारू संचालन और अधिक स्वच्छता सुनिश्चित करेगा। प्रत्येक प्लेटफार्म पर धोने योग्य एप्रन होंगे जो स्वच्छ वातावरण में योगदान देंगे।

भारत एक महान राष्ट्र है और यह हम सभी का है :फारूक अब्दुल्ला

श्रीनगर 18 जनवरी । नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की 'भारत की आजादी' वाली टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि भारत एक महान राष्ट्र है और यह हम सभी का है और हमने बड़ी मेहनत से आजादी हासिल की है। हमें इस आजादी को बनाए रखने के लिए भाईचारा बनाना होगा। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि मोहन भागवत और सभी लोग एक ऐसा भारत बनाएंगे जिसमें हम सद्भाव और प्रगति के साथ रह सकें। हम सभी ऐसा भारत चाहते हैं।

बता दें कि सोमवार को मोहन भागवत ने कहा था कि भारत ने राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन सच्ची आजादी देखी। मध्य प्रदेश के इंदौर में एक कार्यक्रम में लोगों को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि भारत की सच्ची आजादी जिसने कई शताब्दियों तक उत्पीड़न का सामना किया, राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन स्थापित हुई। भारत को आजादी मिली थी लेकिन यह स्थापित नहीं हुई थी।

सरकार बजट सत्र में पेश कर सकती है नया आयकर विधेयक

नई दिल्ली, 18 जनवरी । सरकार संसद के आगामी बजट सत्र में एक नया आयकर विधेयक पेश कर सकती है। इसका उद्देश्य वर्तमान आयकर कानून को सरल बनाना, उसे समझने योग्य बनाना तथा पृष्ठों की संख्या में करीब 60 फीसदी की कमी करना है। वित् त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के बजट में इसकी घोषणा की थी।

आधिकारिक सूत्रों ने शनिवार को बताया कि नया आयकर कानून संसद के बजट सत्र में पेश किया जाएगा। यह एक नया कानून होगा, न कि मौजूदा अधिनियम में संशोधन। फिलहाल, कानून के मसौदे पर विधि मंत्रालय विचार कर रहा है, जिसे बजट सत्र के दूसरे हिस्से में संसद में पेश किए जाने की संभावना है।

आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा के लिए जुलाई बजट में वित्त मंत्री की घोषणा के अनुसरण में सीबीडीटी ने समीक्षा और अधिनियम को संक्षिप्त, स्पष्ट और समझने में आसान बनाने के लिए एक आंतरिक समिति गठित की थी, जिससे विवाद, मुकदमेबाजी कम होगी और करदाताओं को ज यादा कर निश्चितता मिलेगी।

संसद का अगामी बजट सत्र 31 जनवरी से 4 अप्रैल तक चलेगा। पहला भाग 31 जनवरी से 13 फरवरी तक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के संसद के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने के साथ शुरू होगा। इसके बाद वित् त वर्ष 2024-25 के लिए आर्थिक सर्वेक्षण पेश किया जाएगा। केंद्रीय बजट 01 फरवरी को पेश किया जाएगा। संसद का बजट सत्र 10 मार्च को पुनः आरंभ होगा, जो 4 अप्रैल तक चलेगा।

उल्लेखनीय है कि वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने जुलाई के केंद्रीय बजट में छह महीने के भीतर छह दशक पुराने आयकर अधिनियम, 1961 की व्यापक समीक्षा की घोषणा की थी

अगले पांच साल में भारत का वाहन उद्योग दुनिया में होगा नंबर वन : गडकरी

नई दिल्ली, 18 जनवरी। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को कहा कि भारत का ऑटोमोबाइल उद्योग अगले पांच साल में दुनिया में पहले स् थान पर होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग ने अब तक 4.5 करोड़ नौकरियां पैदा की हैं, जो देश में सबसे अधिक है।

नितिन गडकरी ने फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा कि भारतीय ऑटोमोबाइल उत्पादों की मांग वैश्विक स्तर पर बहुत ज यादा है। उन्होंने कहा, भारतीय वाहन उद्योग का आकार अब 22 लाख करोड़ रुपये का है। मुझे पूरा विश्वास है कि 5 साल के भीतर यह दुनिया में नंबर एक बन जाएगा।

गडकरी ने कहा कि वर्तमान में अमेरिकी वाहन उद्योग का आकार पहले नंबर पर है, जो 78 लाख करोड़ रुपये है। इसके बाद दूसरे नंबर पर चीन 47 लाख करोड़ रुपये और भारत 22 लाख करोड़ रुपये का स्थान तीसरे नंबर पर आता है। उन होंने कहा कि जब 2014 में परिवहन मंत्रालय का कार्यभार संभाला था, तब वाहन उद्योग का आकार 7.5 लाख करोड़ रुपये था, जो अब बढ़कर 22 लाख करोड़ रुपये हो चुका है।

बादामीबाग आर्मी कैंटोनमेंट में लगी आग, एक गैर-स्थानीय नागरिक की मौत

श्रीनगर, 18 जनवरी । शनिवार को बादामीबाग आर्मी कैंटोनमेंट में आग लगने की घटना में एक गैर-स्थानीय नागरिक की मौत हो गई।

अधिकारियों ने बताया कि कैंटोनमेंट में एक सिविल कैंटीन में आग लग गई जिससे कैंटीन को नुकसान पहुंचा। उन्होंने बताया कि इस घटना में हरियाणा का राजेश कुमार नामक एक सिविल कॉन्ट्रैक्टर झुलस गया। अधिकारियों ने बताया कि उसे पास के आर्मी के 92 बेस अस्पताल में ले जाया गया जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

इसरो ने एक और उपलब्धि , विकास तरल इंजन को फिर से शुरू करने का किया प्रदर्शन

चेन्नई, 18 जनवरी । भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अपने विकास तरल इंजन को फिर से शुरू करने का सफलतापूर्वक प्रदर्शन कर एक और उपलब्धि हासिल की है।

अंतरिक्ष एजेंसी ने एक बयान में कहा कि यह इंजन प्रक्षेपण वाहनों के तरल चरणों को शक्ति प्रदान करता है और चरणों की पुनर्प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में एक मील का पत्थर है। इससे भविष्य के प्रक्षेपण वाहनों को दोबारा उपयोग का मार्ग प्रशस्त होगा।

उसने इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स, महेंद्रगिरि में इसकी इंजन परीक्षण सुविधा में शुक्रवार को विकास तरल इंजन को फिर से शुरू करने का प्रदर्शन किया। विकास इंजन एक वर्कहॉर्स इंजन है जो इसरो के प्रक्षेपण वाहनों के तरल चरणों को शक्ति प्रदान करता है। यह परीक्षण भविष्य के लॉन्च वाहनों में पुन- उपयोग के अग्रणी चरणों की पुनर्प्राप्ति के लिए प्रौद्योगिकियों के विकास में एक मील का पत्थर है। बयान में कहा गया है कि अलग-अलग तरीकों से इंजन को फिर से शुरू करने की पुष्टि करने के लिए कई स्थितियों में परीक्षण किए जा रहे हैं। इस परीक्षण में इंजन को 60 सेकंड के लिए चालू किया गया जिसके बाद इसे 120 सेकेंड के लिए बंद कर दिया गया। इसके बाद 7 सेकंड की अवधि के लिए दोबारा चालू किया। परीक्षण के दौरान सभी इंजन पैरामीटर सामान्य और उम्मीद के मुताबिक थे।

जम्मू पुलिस के साइबर सेल ने ऑनलाइन धोखाधड़ी का मामला सुलझाया

जम्मू, 18 जनवरी । ऑनलाइन व ऑफलाइन धोखाधड़ी और साइबर अपराध के मामलों से निपटने के लिए समर्पित इकाई साइबर सेल डीपीओ जम्मू ने एक बार फिर अलग-अलग साइबर अपराध शिकायतों में धोखेबाजों से 6,90,460 रूपये की राशि सफलतापूर्वक बरामद की है, जो ऑनलाइन ट्रेडिंग और निवेश के बारे में अलग-अलग हथकंडे अपनाकर लोगों को धोखा देते थे और पीड़ितों से पैसे ऐंठते थे।

दो शिकायतों में शिकायतकर्ताओं ने टेलीग्राम पेज के माध्यम से ट्रेडिंग में निवेश किया था और अन्य शिकायतों में शिकायतकर्ताओं ने एक नकली गेमिंग ऐप (एविएटर) के माध्यम से पैसे गंवाए थे।

इस संबंध में शिकायतकर्ताओं ने धोखाधड़ी के आरोप में साइबर सेल जम्मू से संपर्क किया।

मुख्य सचिव ने एम्स जम्मू का दौरा किया

जम्मू 18 जनवरी। मुख्य सचिव अटल डुल्लू ने एम्स जम्मू के दौरे पर इस संस्थान के संकाय सदस्यों से बातचीत की और मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का आकलन किया तथा उनके सामने आने वाली समस्याओं के बारे में जानकारी ली।

इस दौरे पर उनके साथ जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह तथा सांबा के उपायुक्त राजेश शर्मा भी थे।

गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत क रने के बाद एम्स जम्मू के कार्यकारी निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रोफेसर शक्ति कुमार गुप्ता ने गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया तथा उन्हें एम्स जम्मू की प्रमुख सुविधाओं से अवगत कराया।

मुख्य सचिव ने गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने में एम्स जम्मू के प्रयासों की सराहना की और इस क्षेत्र के दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा चुनौतियों का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए एम्स, यूटी सरकार, आईआईटी और आईआईएम के बीच सहयोग के

महत्व पर जोर दिया।

अपने संबोधन में, अटल डुल्लू ने पहाड़ी और दूरदराज के क्षेत्रों में चिकित्सा बुनियादी ढांचे में सुधार पर ध्यान केंद्रित करने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डाला, जहां स्वास्थ्य सेवा की पहुंच सीमित है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सहयोगात्मक प्रयास और अभिनव समाधान ऐसे क्षेत्रों में चिकित्सा सेवाओं की गुणवत्ता और पहुंच को महत्व पूर्ण रूप से बढ़ा सकते हैं।

उन्होंने इस विशिष्ट स्वास्थ्य संस्थान से अपने मानव और तकनीकी संसाधनों का उपयोग करके उन क्षेत्रों तक पहुँचने के लिए समर्थन मांगा, जहाँ बेहतर चिकित्सा सुविधाओं तक पहुँच नहीं है। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि प्रशासन इस तरह के प्रयासों में उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करेगा।

डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह ने जम्मू क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और विशेष देखभाल को आगे बढ़ाने में एम्स जम्मू की महत्वपूर्ण भूमिका पर बात की। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार राज्य भर में व्यापक स्वास्थ्य सेवा समाधान प्रदान करने के अपने मिशन में संस्थान का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इस दौरे में संस्थागत तालमेल और तकनीकी प्रगति का लाभ उठाकर जम्मू और कश्मीर में स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत करने की रणनीतियों पर भी चर्चा हुई।

यह जुड़ाव यह सुनिश्चित करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है कि जम्मू और कश्मीर, खासकर वंचित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुँच मिले।

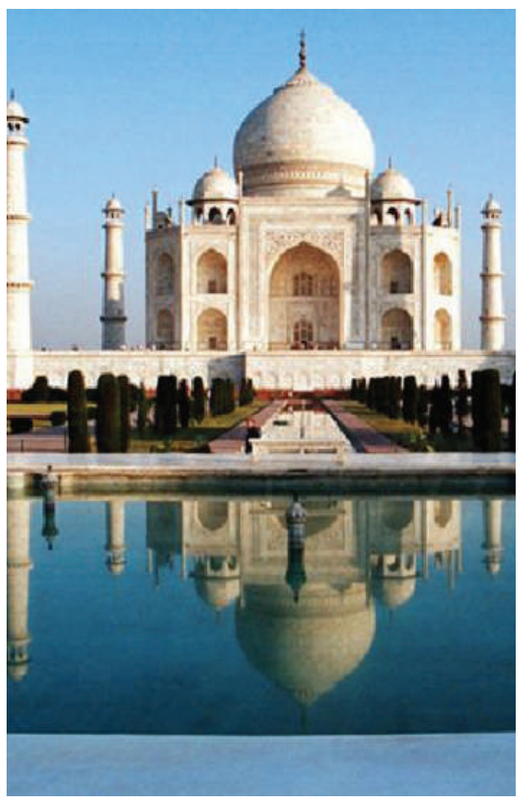

अगर आपने ताजमहल नहीं देखा तो अब देर न करिए

ताजमहल दुनिया के 7 अजूबों में से एक है। ताजमहल की खूबसूरती को देखने के लिए दुनियाभर से लोग आते हैं और अगर आप भारत में रहकर भी अब तक ताजमहल नहीं देख पाए हैं तो अब और देर न करिए। जितनी जल्दी हो सके जाएं और देखकर आएं, इस ऐतिहासिक इमारत की खूबसूरती ने दुनियाभर के लोगों को अपना दीवाना बनाकर रखा है। इससे पहले की आप ताजमहल घूमने का प्लान बनाएं, हम यहां आपको इससे जुड़ी कुछ जरूरी बातें बता देना चाहते हैं, जिससे की आपकी यह यात्रा बिना किसी परेशानी बिल्कुल आराम से बीते...

ताजमहल कैसे पहुंचें?

आगरा भारत का एक प्रमुख शहर है। इसलिए हवाई मार्ग हो या रेल मार्ग हो या फिर सड़क मार्ग। आगरा भारत वर्ष के सभी प्रमुख शहरों से सभी मार्ग द्वारा भलीभांति जुड़ा है।

हवाई मार्ग

अगर आप हवाई मार्ग द्वारा आगरा जा रहे है तो आगरा का पंडित दीनदयाल उपध्याय हवाई अड्डा ताज महल से 16 किमी की दूरी पर स्थित है। यहां से आप आसानी से टैक्सी या आटो द्वारा आसानी से ताजमहल पहुंच सकते है। महानगर होने के नाते यहा काफी ट्रैफिक रहता है। जिसके कारण आपको आगरा एयर पोर्ट से ताजमहल पहुंचने में लगभग 40 मिनट लग सकते हैं, अगर ट्रैफिक न हो तो यह मार्ग सिर्फ 20-25 मिनट का है।

रेल मार्ग

यदि आप रेल मार्ग द्वारा आगरा जा रहे हैं तो आगरा फोर्ट रेलवे स्टेशन से ताजमहल की दूरी लगभग 2.5 किमी है। रेलवे स्टेशन से ताजमहल के लिए ऑटो और रिक्शा वालों की काफी भीड़ लगी रहती है। अगर आपके पास भारी लगेज नही है तो आप आगरा के किले का बाहरी भाग के दर्शन करते हुए किले के सामने से होते हुए शिवाजी चौक से ताजमहल पहुंच सकते हैं। शिवाजी चौक से ताजमहल का सेप्रेट रास्ता गया है, जो पश्चिमी गेट पर जाता है। कार, टैक्सी या ऑटो से आने वाले यात्री भी इसी मार्ग से जाते हैं। इसी सेपरेट मार्ग पर कुछ दूरी पर ताजमहल कार पार्किंग है।

सड़क मार्ग

अगर आप कार द्वारा दिल्ली से आगरा जा रहे हैं तो नोयडा आगरा एक्सप्रेस वे से जा सकते हैं। यह सुविधाजनक एवं फास्टेट रूट है। इसके आलावा आप दिल्ली से मथुरा होते हुए पुराने हाइवे से भी आगरा पहुंच सकते हैं।

कार पार्किंग

ताजमहल कार पार्किंग से ताजमहल की दूरी लगभग 700-800 मीटर है। आप चाहे एयर पोर्ट से टैक्सी से जाएं या रेलवे स्टेशन से ऑटो से जाएं या फिर अपनी कार से जाएं पहुंचना आपको कार पार्किंग में ही है। कार पार्किंग पर पहुंचते ही आपको ऊंट गाड़ी और बैट्री गाड़ी वाले घेर लेंगे, क्योंकि कार पार्किंग से ताजमहल के बीच की इस दूरी में बैट्री गाड़ियां व ऊंट गाड़ियां चलती हैं, जो बीस से तीस रुपए प्रति सवारी लेते हैं। कार पार्किंग से आगे किसी भी तरह के प्राइवेट वाहनों के जाने की अनुमति नहीं होती है। आप कार पार्किंग से ताजमहल गेट तक पैदल भी जा सकते हैं। 700 मीटर की दूरी कोई ज्यादा नहीं होती है।

अमानती घर

मार्ग के रास्ते में स्थित अमानती घर में आप अपना सामान रख सकते हैं, क्योंकि ताजमहल के अंदर किसी भी प्रकार का अटैची, बेग (हैंड बेग को छोड़कर) किसी भी तरह का खाने-पीने का सामान खाना, बिस्कुट, चिप्स, पान, बीड़ी, सिगरेट (पानी की बोतल को छोड़कर) किसी भी तरह का हथियार चाकू व नशीले पदार्थ आदि अंदर ले जाना मना है। मोबाइल और कैमरा ले जा सकते हैं। बाकी आपके पास जो सामान है, उसे आप अमानती घर में सुरक्षित रख सकते हैं।

शूज कवर

यही टिकट खिड़की के पास ही आपको शूज कवर बेचने वाले भी मिल जाएंगे। उनसे आप बीस रुपए देकर शूज कवर खरीद लें, क्योंकि ताजमहल के संगमरमर के चबूतरे पर जूते-चप्पल लेकर जाना मना है। वही टिकट खिड़की के पास आपको गाइड और फोटोग्राफर घेर लेंगे, जो आपको कई तरह के प्रलोभन भी देंगे (जैसे - सॉटकट से अंदर ले जाना का) क्योंकि एंट्री गेट पर चैकिंग प्वाइंट पर काफी लंबी कतार होती है या तो आप उनसे सही एवं पहले ही मोल-भाव कर तय कर लें या फिर टिकट कांटर से पर्यटन विभाग द्वारा गाइड हायर कर सकते हैं। चैकिंग प्वाइंट पर महिला, पुरुष व विदेशियों की अलग-अलग लाइनें होती हैं। यहां ज्यादा समय नही लगता 20-25 मिनट में आप अंदर पहुंच सकते हैं।

अलग-अलग प्रवेश द्वार

ताजमहल में एंट्री करने के लिए तीन गेट्स हैं, जो पूर्व, पश्चिम और दक्षिण में मौदूद हैं। इन तीनों गेट्स में जिस गेट पर लोगों की भीड़ सबसे कम होती है वह है इसका पश्चिमी गेट। इस गेट से आप आसानी से ताजमहल के परिसर में एंट्री कर सकते हैं।

शुक्रवार को न जाएं ताजमहल

आमतौर पर ताजमहल रोजाना सुबह 6 से शाम 7 बजे तक खुला रहता है, लेकिन शुक्रवार को इसे नमाज के लिए बंद रखा जाता है। पूर्णमासी के दिन ताजमहल के गेट्स रात 8.30 बजे से 12.30 बजे तक खुले रहते हैं। चांद की रोशनी में ताजमहल बेहद खूबसूरत लगता है। यहां ध्यान रखने वाली बात यह है कि रमजान के पवित्र महीने में आप रात के वक्त ताजमहल का दीदार नहीं कर सकते।

आगरा घूमने आए हैं तो ताजमहल को लास्ट में देखें

यहां हम आपको एक ट्रिक बता रहे हैं, जिससे आप ताजमहल के टिकट पर थोड़ा डिस्काउंट प्राप्त कर सकते हैं। अगर आप आगरा में दो-तीन दिन के लिए हैं तो ताजमहल घूमने का प्लान अपनी यात्रा के आखिरी दिन रखिए। दरअसल अगर आगरा के किसी और टूरिस्ट डेस्टिनेशन जैसे आगरा फोर्ट से ताजमहल की टिकट खरीदते हैं तो आपको इस पर कुछ छूट मिल सकती है। यहां आपको इस बात का ध्यान रखना है कि जारी किए गए टिकट पर उसी दिन का स्टैंप हो जिस दिन आपको ताजमहल जाना है।

अलग लोगों के लिए अलग कीमत

अगर आप भारतीय हैं तो आपको ताजमहल देखने के लिए 50 रुपए की टिकट खरीदनी पड़ेगी। 15 साल से कम के बच्चों के लिए एंट्री फ्री है। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट का दाम 1100 रुपए है। आप इन टिकटों को एक दिन अडवांस में सुबह 10 से शाम 6 बजे के बीच आर्कैलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया के ऑफिस से ले सकते हैं।

क्या लेकर नहीं जा सकते ?

सुरक्षा कारणों से कुछ ऐसी चीजे हैं, जिनके साथ आप ताजमहल के अंदर नहीं जा सकते। ट्राईपॉड, मोबाइल फोन चार्जर, खाने-पीने की वस्तुएं व तंबाकू जैसी चीजें यहां बैन है। हालांकि यहां एक लॉकर रूम है, जहां आप अपने सामान को सुरक्षित तरीके से जमा कर सकते हैं और वापस लौटने पर यहां से अपने सामान को ले सकते हैं।

यह है बेस्ट सीजन

अगर मुमकिन हो तो ठंड के मौसम में ताजमहल घूमने का प्लान न बनाएं, क्योंकि कोहरे के कारण इसकी खूबसूरती खिल के बाहर नहीं आती। ताजमहल घूमने का बेस्ट सीजन होता है मार्च से जून। अगर आप ताजमहल घूमने का प्लान बना रहे हैं तो बस ऊपर बताई गई इन टिप्स का ध्यान रखें और अपनी ताज यात्रा को यादगार बनाएं।

ताजमहल के बारे में रोचक बातें, जो आपको नहीं होंगी पता

ताजमहल मुगल वास्तुकला का सबसे उत्कृष्ट नमूना है। मोहब्बत की इस निशानी को शाहजहां ने अपनी बेगम मुमताज के लिए बनाया था। दुनियाभर से करोड़ों की संख्या में पर्यटक ताजहमल देखने के लिए आगरा आते हैं। हर प्रेमी जोड़े की ख्वाहिश होती है कि वह ताजमहल जाकर अपनी प्रेमिका के साथ तस्वीर खिंचवाए। इश्क की इस निशानी को निहारे, संगमरमर की इमारत की खूबसूरती को अपनी स्मृतियों में कैद कर लें। आइए आपको ताजमहल के बारे में 10 रोचक बातें बताते हैं जो आपको सोचने पर मजबूर कर देंगी।

- ताजमहल के निर्माण में 22 साल लगे थे।
- 22,000 से ज्यादा मजदूरों ने ताजमहल के निर्माण में काम किया था।
- 1,000 हाथियों के जरिए ताजमहल के निर्माण सामग्री को लाया गया था।
- ताजमहल के निर्माण में उस वक्त 3.2 करोड़ रुपए का खर्च आया था।
- ताजमहल के निर्माण के लिए विभिन्न एशियाई देशों से बहुमूल्य पत्थरों को लाया गया था।
- 28 तरह के रत्नों को श्रीलंका से लेकर चीन और भारत के विभिन्न राज्यों से लाया गया था।
- संगमरमर के सफेद पत्थर को राजस्थान से लाया गया था।
- तिब्बत से नीला रत्न, श्रीलंका से पन्ना, पंजाब से जैस्पर और क्रिस्टल को चीन से मंगाया गया था।
- ताजमहल की वास्तु शैली में फारसी, तुर्क, भारतीय और इस्लामी वास्तुकला का मिश्रण है।
- ताजमहल का निर्माण 1632 ईश्वी में शुरू हुआ था और 1653 में गुम्बद बनकर तैयार हुआ।
- अगर आप भी मुहब्बत की इस सबसे विश्व प्रसिद्ध निशानी को देखना चाहते हैं तो ताजमहल जरूर जाएं।
- आप दिल्ली में रहते हैं तो सिर्फ ताज एक्सप्रेस हाईवे से सिर्फ साढ़े तीन घंटे में आगरा पहुंच सकते हैं।

बड़ी अद्भुत है ताजमहल के निर्माण की कहानी

यमुना नदी के किनारे सफेद पत्थरों से निर्मित अलौकिक सुंदरता की तस्वीर ताजमहल आज न केवल भारत में, बल्कि पूरे विश्व में अपनी पहचान बना चुका है। प्यार की इस निशानी को देखने के लिए दूर देशों से हजारों सैलानी यहां आते हैं। प्यार का प्रतीक माने जाने वाले ताजमहल की खूबसूरती जितनी चर्चा में रहती है, उतनी ही इसके बनने की कहानियां चर्चा में रहती हैं। ताजमहल को बनाने को लेकर अलग-अलग मिथ हैं। कहा जाता है कि मुमताज की याद में बनायी गई इस खूबसूरत इमारत जैसी कोई और इमारत न बने, इसलिए शाहजहां ने कारीगरों के हाथ कटवा दिए थे। ताजमहल को बनाने में करीब 20 हजार मजदूरों ने योगदान दिया था। और इसका काम करीब 22 साल तक चला।

हालांकि कारीगरों के हाथ कटवाने की एक और भी कहानी बताई जाती है। माना जाता है कि शाहजहां ने कारीगरों के हाथ नहीं कटवाए थे, बल्कि उनसे ताउम्र काम न करने का वादा लिया था, जिसके बदले में उन्हें जिंदगी भर वेतन दिया गया था। वहीं एक मिथक ये भी है कि शाहजहां ने ताजमहल ख्वाब में देखकर बनवाया था, लेकिन ताजमहल के नक्शे के हिसाब से इतिहासकारों की मानें तो इसके डिजाइन के लिए पूरी दुनिया के वास्तुशास्त्रों की मदद ली गई थी, लेकिन इसका सटीक डिजाइन किसने तैयार किया था, इसके बारे में कोई सबूत नहीं है। ताजमहल को लेकर ऐसे ही कई मिथक हैं जिनके बारे में कई तरह की कहानियां कही जाती हैं। बता दें कि ताजमहल शाहजहां की तीसरी बेगम मुमताज महल की मजार है। मुमताज के

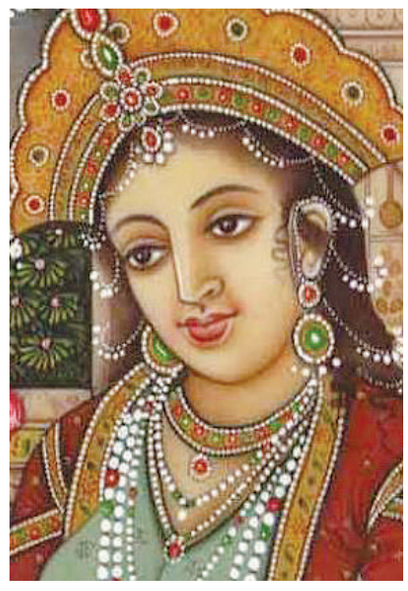

गुजर जाने के बाद उनकी याद में शाहजहां ने ताजमहल बनवाया था। कहा जाता है कि मुमताज महल ने मरते वक्त मकबरा बनाए जाने की ख्वाहिश जताई थी, जिसके बाद शाहजहां ने ताजमहन बनावाया। ताजमहल को सफेद संगमरमर से बनवाया गया है। इसके चार कोनों में चार मीनारे हैं। शाहजहां ने इस अदभुत चीज को बनवाने के लिए बगदाद और तुर्की से कारीगर बुलवाए थे। माना जाता है कि ताजमहल बनाने के लिए बगदाद से एक कारीगर बुलवाया गया, जो पत्थर पर घुमावदार अक्षरों को तराश सकता था।

इसी तरह बुखारा शहर से कारीगर को बुलवाया गया था, वह संगमरमर के पत्थर पर फूलों को तराशने में दक्ष था। वहीं गुंबदों का निर्माण करने के लिए तुर्की के इस्तम्बुल में रहने वाले दक्ष कारीगर को बुलाया गया और मिनारों का निर्माण करने के लिए समरकंद से दक्ष कारीगर को बुलवाया गया था और इस तरह अलग-अलग जगह से आए करीगरों ने ताजमहल बनाया था।

आगरा के अन्य दर्शनीय स्थल

आगरा में ताजमहल के अलावा अन्य दर्शनीय स्थल हैं, जो बरबस यहां आने वाले पर्यटकों को आकर्षित करते हैं। इनमें प्रमुख हैं-

आगरा का लाल किलाः जिस स्थान पर आगरा का किला स्थित है, बहुत समय पहले यहां बादलगढ़ का किला हुआ करता था। हालांकि समय के साथ-साथ वह किला नष्ट हो गया था। मुगल सम्राट अकबर ने 1563 ई. से 1573 ईस्वी तक लगभग 8 वर्षों में बादलगढ किले के ध्वंस अवशेषों पर इस किले का निर्माण करवाया था। मुगल सम्राट अकबर ने इस किले में अकबरी महल, जहांगीरी महल, प्राचीर तथा प्रवेश द्वार अकबर ने बनवाए थे, जबकि शीश महल, खास महल, दीवाने आम और दीवाने खास तक मोती मस्जिद का निर्माण अकबर के पोते सम्राट शाहजहां ने करवाया था। इस किले में दिल्ली दरवाजा, अमरसिंह दरवाजा, दरियाई दरवाजा तथा दर्शनी दरवाजा नामक चार दरवाजे हैं। पर्यटको के लिए प्रवेश द्वार के रूप में अमर सिंह दरवाजा ही खुला होता है। किले के अंदर तीन मस्जिदें भी हैं – मीना मस्जिद, शाही मस्जिद और नगीना मस्जिद जो दर्शनीय है।

रामबागः यह बाग अपनी हरियाली और सुंदरता से यहां आने वाले पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। बाबर द्वारा बनाए गए इस बाग के बारे में कहा जाता है कि यह भारत का पहला मुगल उद्यान था। इस बाग के सौंदर्य को पास बहती यमुना नदी और भी मनमोहक बना देती है।

प्यार की निशानी ताजमहल की ये 5 बातें आपको कर देंगी हैरान

ताजमहल, उसकी खूबसूरती और उससे जुड़ी खूबसूरत यादों के बारे में सभी बातें करते हैं। मगर इस धरोहर के बारे में जितना सुनों उतना कम ही लगता है, परंतु इसमें से कुछ हकीकत और कुछ फसाना भी हैं। हम यहां आपको ताजमहल से जुड़ी ऐसी 5 बातें बता रहे हैं, जो संभवतः आप नहीं जानते होंगे-

आगरा में नहीं बनना था ताजमहल

ताजमहल का निर्माण आगरा में नहीं होने वाला था, मुमताज महल जिसके लिए ताजमहल बनवाया गया था, उनकी मौत दरअसल आगरा में हुई ही नहीं थी, उनकी मौत बुरहानपुर में हुआ था, जो आज के समय में मध्य प्रदेश में है। शाहजहां ने ताज महल के लिए बुरहानपुर में ताप्ती नदी के ठीक किनारे एक जगह पसंद की थी, लेकिन बुरहानपुर में जरूरत के अनुसार सफेद मार्बल नहीं पहुंच सके, इसलिए बाद में ताजमहल आगरा में बनाने का फैसला किया गया। बुरहानपुर में ताप्ती नदी के किनारे आज भी वह जगह विरान पड़ी है।

क्या सच है कि काला ताजमहल भी होता ?:

ताजमहल के बारे में कहा जाता है कि शाहजहां यमुना के किनारे काले संगमरमर में ताजमहल की प्रतिकृति बनाना चाहते थे। शाहजहां को यह विचार जीन-बैप्टिस्ट टैवर्नियर नाम के एक यूरोपीय यात्री ने दिया था, जो 1665 में आगरा में था। दावा यह भी किया जाता है कि औरंगजेब के कारण शाहजहां की योजना पूरी नहीं हो सकी, क्योंकि औरंगजेब ने अपने पिता शाहजहां को कैद कर लिया था। यमुना नदी से लगे महताब बाग में कुछ काले मार्बल देखे भी गए थे, लेकिन बाद में जांच परख के बाद इतिहासकारों और आर्कलॉजिस्ट सोसाइटी ने इस बात का खुलासा किया कि दरअसल महताब बाग में मिले काले मार्बल गंदगी के कारण काले पड़ गए हैं। वह मूल रूप से सफेद ही थे, इसलिए यह बात अफवाह से कम नहीं कि शाहजहां काले ताजमहल भी बनवाना चाहता था।

क्या सचमुच कारीगरों के हाथ काटे गए थे?

ताजमहल के बारे में यह कहा जाता है कि उसने ताजमहल बनाने वाले सभी कारीगरों के हाथ काट दिए थे और कुछ को मार भी दिया था, लेकिन इतिहास में कहीं भी इस बात का साक्ष्य नहीं पाया गया।

ताजमहल को उजाड़ना चाहते थे अंग्रेज?

ताजमहल से जुड़ी कहानियों में एक नाम और आता है, भारत के गर्वनर जनरल लॉर्ड विलियम बेनटिंक का। कहा जाता है कि लॉर्ड ताजमहल को गिराना चाहता था और उसके मार्बल की नीलामी करना चाहता था। इस बात के भी कहीं सबूत नहीं पाए गए। हालांकि उसके बायोग्राफर जॉन रोसेली ने अपनी किताब में एक जगह लिखा है कि आगरा फोर्ट को बनाने के बाद बचे हुए मार्बल्स को लॉर्ड ने नीलाम कर दिया था।

ताजमहल में लगा है एक लैंप

ताजमहल में एक लैंप लगा हुआ है। कहा जाता है कि इसे बनाने में दो वर्ष का वक्त लगा था। इसे खास ताजमहल की नक्काशी को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया था। इसे मिश्र के कुछ कलाकार और टोड्रोस बदीर नाम के आर्टिस्ट ने मिलकर बनाया था।

ताजमहल के रहस्य

- आपको यह जानकर हैरानी होगी की ताजमहल का आधार (नीव) लकड़ी पर टिकी है। इस लकड़ी की खासियत यह है कि यह लकड़ी जितनी पानी में रहती है, उतनी ही ज्यादा मजबूत होती है। यमुना नदी का पानी आज भी इस लकड़ी को मजबूत करता है।
- ताजमहल की छत में एक छेद है, जिसमें से बरसात के समय आज भी पानी टपकता है। इसके बारे में एक दंतकथा प्रचलित है कि शाहजहां ने ताजमहल बनने के बाद सभी कारीगरों के हाथ कटवाने का ऐलान कर दिया था। ऐसा माना जाता है कि शाहजहां चाहते थे कि ऐसी खूबसूरत इमारत दोबारा न बनाई जा सके। शाहजहां के इस फैसले से कारीगर नाराज हो गए, जिसके फलस्वरूप कारीगरों ने जानबूझकर ताजमहल के गुंबद में एक छेद छोड़ दिया था। हालांकि इस कहानी का कोई ऐतिहासिक सत्य नहीं है। ताजमहल का इतिहास में बस यह एक प्रचलित कथा है।
- सन् 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर घोषित किया गया।
- ताजमहल का इतिहास का सबसे बड़ा पुरस्कार है कि ताजमहल दुनिया के सात अजूबो में शामिल है।
- ताजमहल में लगे फव्वारे किसी भी पाइप लाईन से नही जुड़े हैं। बल्कि हर फव्वारे के नीचे एक तांबे का टैंक बना हुआ है, जो सभी एक ही समय पर भरते हैं और दबाव बनने पर एक साथ सभी फव्वारे चल जाते हैं।
- ताजमहल वर्ल्ड में एक दिन में सबसे ज्यादा देखी जानी वाली इमारत है। ताजमहल को एक दिन में लगभग 12000 सैलानी देखते हैं।
- ताजमहल की कलाकृति में 28 तरह के कीमती पत्थरों को लगाया गया है।
- ताजमल की चारों मीनारें एक दूसरे की ओर झुकी हुई हैं।
- शाहजहां ने जब पहली बार ताजमहल का दीदार किया तो उसने कहा कि ये सिर्फ प्यार की कहानी बयां नहीं करेगा, बल्कि उन सबको दोष मुक्त भी करेगा, जो इस पाक जमीं पर अपने कदम रखेंगे और चांद सितारे इसकी गवाही देंगे।
- द्वितीय विश्व युद्ध 1971 भारत-पाक युद्ध के समय इस भव्य इमारत को सुरक्षा की दृष्टि से ताजमहल के चारों ओर बांस का सुरक्षा घेरा बनाकर उसे हरे रंग की चादर से ढक दिया गया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

जसरोटिया ने ग्रामीण भारत को सशक्त बनाने पर भाजपा के फोकस पर प्रकाश डाला

कठुआ, 18 जनवरी (हि.स.)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त ग्रामीण भारत के विजन पर जोर देते हुए विधायक राजीव जसरोटिया की पत्नी अरुणा जसरोटिया ने शनिवार को पंचायत किशनपुर कंडी में 4 लाख रूपये की लागत से गली और नाली के काम की आधारशिला रखी। स्थानीय नेताओं और निवासियों के साथ, उन्होंने ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार, बुनियादी सुविधाओं को सुनिश्चित करने और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए भाजपा सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया।

अरुणा ने स्वच्छ भारत मिशन, पीएम आवास योजना और जल जीवन मिशन जैसी प्रमुख पहलों के तहत उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने दावा किया कि इन योजनाओं से गांवों में स्वच्छता, आवास और स्वच्छ पेयजल तक पहुंच में सुधार हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि ई-संजीवनी के माध्यम से टेलीमेडिसिन ने ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा लाई है जबकि पीएम किसान सम्मान निधि ने किसानों को 3 लाख करोड़ रूपये की वित्तीय सहायता प्रदान की है।

इसी बीच स्थानीय नेताओं और निवासियों ने सरकार के प्रयासों की प्रशंसा की। मंडल प्रधान मुकेश शर्मा ने कहा ये परियोजनाएँ हमारे गाँव की प्रगति और ग्रामीण समुदायों के उत्थान के लिए सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण हैं। वहीं आगे डिजिटल परिवर्तन को रेखांकित करते हुए अरुणा ने कहा कि 94 प्रतिशत ग्रामीण परिवारों के पास अब मोबाइल फोन की पहुँच है। यूपीआई के माध्यम से डिजिटल ट्रांसेक्शन करना आसान ही गया है और कॉमन सर्विस सेंटर 1 लाख से बढ़कर 5 लाख से अधिक हो गए हैं जो कई ऑनलाइन सरकारी सेवाएँ प्रदान करते हैं। उन्होंने लखपति दीदी योजना का भी उल्लेख किया जिसका उद्देश्य महिलाओं को सालाना 1 लाख रूपये कमाने में सक्षम बनाकर उन्हें सशक्त बनाना है जिसका लक्ष्य तीन करोड़ लाभार्थियों तक विस्तार करना है।

रियासी में चलाया फ्लेवर एंड फेलोशिप कार्यक्रम

जम्मू, 18 जनवरी (हि.स.)। एकता और समावेशिता के एक हृदयस्पर्शी संकेत में भारतीय सेना ने रियासी जिले के बलमतकोट के सुदूर स्थान पर फ्लेवर एंड फेलोशिप कार्यक्रम आयोजित किया। इस पहल का उद्देश्य भारतीय सेना और गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के बीच संबंधों को मजबूत करना, आपसी सम्मान को बढ़ावा देना और सामाजिक-सांस्कृतिक सद्भाव को बढ़ावा देना है।

इस कार्यक्रम में स्थानीय समुदायों की ओर से उत्साहपूर्ण भागीदारी देखी गई जिसमें एक कप चाय पर संवादात्मक सत्र मुख्य आकर्षण के रूप में शामिल थे। भारतीय सेना के एक प्रतिनिधि ने क्षेत्र के विविध समुदायों के कल्याण और विकास के लिए सेना के समर्पण को दोहराते हुए विश्वास और सहयोग के निर्माण में इस तरह की भागीदारी के महत्व पर जोर दिया इस मंच ने समुदाय के सदस्यों को अपनी आकांक्षाओं और चिंताओं को साझा करने का अवसर दिया। गुज्जर और बक्करवाल समुदायों के नेताओं ने भारतीय सेना के प्रयासों के लिए आभार व्यक्त किया और इस पहल की सराहना करते हुए इसे जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इस तरह के आयोजन एकता को मजबूत करते हैं और सशस्त्र बलों और स्थानीय लोगों के बीच बंधन को मजबूत करते हैं।

उपायुक्त ने नागरिक समाज के सदस्यों को प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के लाभ बारे में जागरूक किया

उधमपुर 18 जनवरी (हि.स.)। उपायुक्त उधमपुर सलोनी राय ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रभावी कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए अधिकारियों और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ एक बैठक बुलाई।

बैठक में अतिरिक्त उपायुक्त प्रेम सिंह, मुख्य योजना अधिकारी मोहम्मद इकबाल, कार्यकारी अधिकारी नगर पालिका, राजिंदर डिगरा और प्रमुख नागरिक शामिल हुए।

शुरू में कार्यकारी अभियंता जेपीडीसीएल सुनील पंडोह ने योजना के उद्देश्यों और लाभों पर प्रकाश डालते हुए एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रस्तुति दी। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का उद्देश्य सब्सिडी के साथ छत पर सौर प्रणाली की स्थापना की सुविधा देकर परिवारों को वित्तीय राहत प्रदान करना है।

उपायुक्त ने नागरिक समाज के सदस्यों को योजना के बारे में जागरूक किया और जिले भर में इसके सफल कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकारी अभियंता, जेपीडीसीएल को आम जनता के लिए योजना के लाभों को अधिकतम करने के लिए हितधारकों को सक्रिय रूप से शामिल करने का निर्देश दिया।

भारत को वैश्विक आध्यात्मिक नेता बनने के लिए महाकुंभ मेले का लाभ उठाना चाहिए

जम्मू, 18 जनवरी (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रवक्ता ब्रिगेडियर अनिल गुप्ता के अनुसार विश्व गुरु या वैश्विक नेता बनने की अपनी खोज में भारत को अपनी सॉफ्ट पावर का उपयोग करना चाहिए और आध्यात्मिक कूटनीति को अपनाना चाहिए। महाकुंभ मेले की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए ब्रिगेडियर गुप्ता ने इस बात पर जोर दिया कि यह आयोजन जिसमें विभिन्न संस्कृतियों और मान्यताओं के लगभग 400 मिलियन लोग पवित्र स्नान के लिए एकत्रित होंगे भारत की प्राचीन संस्कृति और आध्यात्मिक विरासत को दुनिया के सामने प्रदर्शित करने का एक शानदार अवसर है।

इसे अंतरराष्ट्रीय मान्यता के योग्य एक दुर्लभ वैश्विक आयोजन बताते हुए ब्रिगेडियर गुप्ता ने भारत सरकार से क्षेत्रीय संघर्षों और आतंकवाद से जूझ रही दुनिया के बीच वैश्विक सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए महाकुंभ मेले का लाभ उठाने का आग्रह किया। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रभावशाली लोगों, राजनीतिक और आध्यात्मिक नेताओं और व्यापारिक दिग्गजों की मेजबानी करने जैसी पहल का प्रस्ताव रखा ताकि उन्हें भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान का एक व्यापक अनुभव प्रदान किया जा सके। ब्रिगेडियर गुप्ता ने कहा महाकुंभ भारत के विविधता में एकता, समावेशिता, सह-अस्तित्व, शांति और अहिंसा के पोषित मूल्यों का उदाहरण है। उन्होंने वैश्विक शांति को बढ़ावा देने में इस आयोजन की परिवर्तनकारी शक्ति को रेखांकित किया तथा ऐसे अभियानों का आह्वान किया जो वसुधैव कुटुम्बकम (विश्व एक परिवार है) के वैदिक सिद्धांत के अनुरूप हों।

बलदेव सिंह बलोरिया ने शहर की वार्ड नंबर 58 दशमेश नगर मोहल्ले का दौरा किया

जम्मू 18 जनवरी (हि.स.)। लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए जम्मू के पूर्व डिप्टी मेयर एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बलदेव सिंह बलोरिया ने शहर की वार्ड नंबर 58 दशमेश नगर मोहल्ले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के स्थानीय लोगों की शिकायतें सुनीं। बलोरिया ने बताया कि कुछ दिन पहले स्थानीय निवासियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की और उन्हें वार्ड का व्यापक दौरा करने को कहा ताकि निवासियों की समस्याओं को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में मुख्य समस्या गता फैक्ट्री से लेकर दशमेश नगर पार्क तक जाने वाली सड़क की खस्ताहाल की थी सड़क में गड़े होने के कारण लोगों को समस्या से दो चार होना पड़ रहा है।

बलोरिया ने सम्बंधित विभाग के अधिकारियों से फोन पर बात की और स्थानीय लोगों की समस्याओं से अवगत करवाया। बलोरिया ने कहा कि विभाग के उच्च अधिकारियों ने उन्हें आश्वासन दिया है कि जल्द ही खस्ताहाल सड़क का एस्टीमेट बनाकर सड़क को सुधारा जाएगा। क्षेत्र के लोगों ने बलोरिया के ध्यान में खराब पड़ी स्ट्रीट लाइट और सफाई व्यवस्था की समस्या को भी ध्यान में लाया। बलोरिया ने लोगों को आश्वासन दिया कि वार्ड में लंबित विकास कार्यों को पूरा करने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे।

नए संशोधित आपराधिक कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

श्रीनगर 18 जनवरी (हि.स.)। अवंतीपोरा पुलिस ने नेसा विज्ञान अकादमी अवंतीपोरा में नए संशोधित आपराधिक कानूनों पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को तीन अद्यतन आपराधिक कानूनों, भारतीय नया संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम के बारे में शिक्षित करना था। कार्यक्रम में कानूनों के व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाने के लिए इंटरैक्टिव चर्चाएँ शामिल थीं।

मंत्री ने जनजातीय कल्याण की प्रमुख पहलों की समीक्षा की

जम्मू 18 जनवरी। जनजातीय मामलों के मंत्री जावेद अहमद राणा ने जनजातीय समुदायों के लिए क्रियान्वित की जा रही विभिन्न कल्याणकारी पहलों की प्रगति की समीक्षा के लिए एक बैठक बुलाई। बैठक में लंबित प्रस्तावों में तेजी लाने, संसाधनों के उपयोग को अनुकूलतम बनाने और चल रही विकास परियोजनाओं का समय पर क्रियान्वयन सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।बैठक में जनजातीय मामलों के विभाग के सचिव हारुन मलिक, जनजातीय मामलों के निदेशक गुलाम रसूल, वित्त निदेशक इतखार चौहान, संयुक्त निदेशक योजना अब्दुल खालिक भट्टी, जनजातीय मामलों के उप सचिव डॉ. अब्दुल खबीर और विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

चर्चा के दौरान मंत्री ने अधिकारियों को धरती आबा योजना के तहत लंबित प्रस्तावों के अनुमोदन में तेजी लाने का निर्देश दिया, जो जनजातीय क्षेत्रों में टिकाऊ .षि और आर्थिक सशक्तीकरण पर केंद्रित है।

उपायुक्त ने जिला कैपेक्स योजना 2024-25 के तहत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की

पुंछ 18 जनवरी (हि.स.)। जिला विकास आयुक्त पुंछ विकास कुंडल ने हितधारक विभागों की एक बैठक में वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए जिला कैपेक्स बजट के तहत शुरू की गई परियोजनाओं की भौतिक और वित्तीय प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। बैठक का उद्देश्य विभिन्न विकासात्मक पहलों के प्रभावी कार्यान्वयन और निगरानी को सुनिश्चित करना था।

सत्र की शुरुआत मुख्य योजना अधिकारी मोहम्मद रफी द्वारा एक विस्तृत पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के साथ हुई जिसमें सड़क और भवन, शिक्षा, युवा सेवाएं, स्वास्थ्य, शहरी विकास और अन्य सहित कई क्षेत्रों में चल रही और पूरी हो चुकी परियोजनाओं की रूपरेखा दी गई।

बैठक में इस बात पर प्रकाश डाला गया कि इस वर्ष नए कार्यों के लिए स्वीकृत बजट 9903.45 लाख रुपये है, जिसमें से 8309.69 लाख रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं और 17 जनवरी 2025 तक 1549.81 लाख रुपये दर्ज किए गए।

उपायुक्त ने खंड विकास अधिकारियों को ग्राम सभा आयोजित करने का निर्देश दिया और उन परियोजनाओं के बारे में जानकारी ली जो अभी तक शुरू नहीं हुई हैं इन कार्यों को शीघ्र शुरू करने का आग्रह किया।

डॉ राजीव कुमार भगत ने बिश्नाह विधायक द्वारा 55 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ किया

बिश्नाह 18 जनवरी (हि.स.)। डॉ राजीव कुमार भगत ने पंचायत बाना चक चंबिया, पंचायत सालेहर और वार्ड नंबर 13 में 55 लाख रुपये की लागत से विकास कार्यों का शुभारंभ किया। इन कार्यों में पंचायतों में गली नाली, रिटेनिंग वॉल और सोलर लाइटें लगाना शामिल है।

इस अवसर पर बोलते हुए डॉ राजीव ने क्षेत्र में जीवन की गुणवत्ता में सुधार के लिए विकासात्मक चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। चिंताओं का जवाब देते हुए विधायक ने निवासियों को उनकी समस्याओं के समाधान के लिए अपनी अटूट प्रतिबद्धता का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा अगले पांच वर्षों के लिए आपके विधायक के रूप में मैं जाति, रंग या धर्म से परे समाज के हर वर्ग के विकास के लिए पूरी तरह से समर्पित हूं। मेरा मिशन मेरे निर्वाचन क्षेत्र के सभी कोनों में समग्र विकास सुनिश्चित करना है और आपका विश्वास मेरे दृढ़ संकल्प को बढ़ाता है।

उन्होंने मुझ पर तथा बिश्नाह विधानसभा क्षेत्र के लोगों पर विश्वास जताने और मुझे चुनने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, कीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा तथा पार्टी के समस्त राष्ट्रीय एवं राज्य नेतृत्व का आभार व्यक्त किया।

सतीश शर्मा ने जम्मू से प्रयागराज के लिए विशेष बस सेवा को हरी झंडी दिखाई

जम्मू 18 जनवरी। परिवहन मंत्री सतीश शर्मा ने एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए जम्मू से प्रयागराज के लिए एक विशेष बस सेवा को हरी झंडी दिखाई। यह पहल जम्मू-कश्मीर के लोगों की धार्मिक आस्था को सुविधाजनक बनाने और सम्मान देने के लिए परिवहन मंत्री के निर्देशों के बाद की गई है। निर्देशों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए, जेकेआरटीसी के एमडी राकेश कुमार सरंगल ने महाकुंभ मेला 2025 मनाने के लिए प्रयागराज के त्रिवेणी तक बस सेवा की तत्काल शुरुआत सुनिश्चित की बस सेवा के बारे में अधिक जानकारी देते हुए, मंत्री ने बताया कि विशेष बस सेवा हर सुबह 5 बजे जम्मू बस स्टैंड से शुरू होगी जो तीर्थयात्रियों को संगम में पवित्र स्नान के लिए प्रयागराज (त्रिवेणी) ले जाएगी और रात में रुकने के बाद यात्रियों को वापस भी ले जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि लोगों को यात्रा मेले का सहज अनुभव प्रदान करने के लिए, जेकेआरटीसी ने जेएंडके बैंक के सहयोग से यात्रियों के लिए ऑनलाइन भुगतान के लिए क्यूआर कोड प्रणाली शुरू की है। मंत्री ने जोर देकर कहा कि सरकार धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है और बुड्ढा अमरनाथ, शाहदरा शरीफ़ सुध महादेव, स्वर्ण मंदिर आदि सहित क्षेत्र के प्रमुख धार्मिक स्थलों के बीच संपर्क में सुधार के लिए कई महत्वपूर्ण पहल करने जा रही है।

पुरानी पेंशन योजना की तत्काल बहाली का आह्वान किया

जम्मू, 18 जनवरी (हि.स.)। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा (एनओपीआरयूएफ) ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) की तत्काल बहाली की वकालत करने के लिए जम्मू विश्वविद्यालय के ब्रिगेडियर राजिंदर सिंह ऑडिटोरियम में एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया। विभिन्न सरकारी विभागों के कर्मचारियों और प्रमुख ट्रेड यूनियन नेताओं ने इसमें भाग लिया। इस कार्यक्रम में सेवानिवृत्त लोगों के लिए वित्तीय सुरक्षा और सम्मान के लिए दृढ़ संकल्पित आवाज़ उठाई। सम्मेलन की अध्यक्षता एनओपीआरयूएफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी.पी. सिंह रावत ने की, जिसमें जेकेएडीसीएस (मंत्रिस्तरीय संघ) के अध्यक्ष और एनओपीआरयूएफ जेएंडके के मुख्य प्रवक्ता जिलानी नाइक, एनओपीआरयूएफ राजस्थान के अध्यक्ष साजन सिंह और एनओपीआरयूएफ तेलंगाना के अध्यक्ष रघुनंदन सहित कई गणमान्य लोग शामिल हुए।

अपने मुख्य भाषण में, रावत ने स्थिर और सम्मानजनक सेवानिवृत्ति सुनिश्चित करने में ओपीएस की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा ओपीएस ऐतिहासिक रूप से सेवानिवृत्ति के बाद वित्तीय सुरक्षा की रीढ़ रही है जबकि राष्ट्रीय पेंशन योजना (एनपीएस) सेवानिवृत्त लोगों को बाजार के उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है। ओपीएस को बहाल करना केवल वित्तीय आवश्यकता नहीं है बल्कि उन लोगों के लिए नैतिक दायित्व है जो अपना जीवन सार्वजनिक सेवा के लिए समर्पित करते हैं। एनओपीआरयूएफ जम्मू-कश्मीर के अध्यक्ष राजेश शर्मा ने आंदोलन को मजबूत करने के लिए जम्मू-कश्मीर में सामूहिक कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एनपीएस कर्मचारियों से सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह करते हुए उन्होंने कहा ओपीएस की बहाली व्यक्तिगत हितों से परे है और नीति निर्माताओं को कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देने के लिए मजबूर करने के लिए एकजुट मोर्चे की आवश्यकता है।

गुर्जर देश चैरिटेबल ट्रस्ट के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की

जम्मू, 18 जनवरी (हि.स.)। गुर्जर देश चैरिटेबल ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने संरक्षक-इन-चीफ हाजी अब्दुल हामिद चौधरी, अध्यक्ष अरशद अली चौधरी और महासचिव मोहम्मद सादिक आज़ाद के नेतृत्व में जम्मू और कश्मीर (यूटी) के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें 2024 के विधानसभा चुनावों में उनकी पार्टी की उल्लेखनीय जीत और मुख्यमंत्री के रूप में उनके पदभार ग्रहण करने पर बधाई दी। बैठक के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री को ट्रस्ट की चल रही परियोजनाओं, भविष्य की योजनाओं और गुज्जर-बकरवाल समुदाय के सामाजिक-आर्थिक, शैक्षिक और सांस्कृतिक उत्थान के उद्देश्य से की जाने वाली पहलों से अवगत कराया। उन्होंने जम्मू और कश्मीर में समुदाय के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला और उनके समाधान के लिए मुख्यमंत्री से समर्थन मांगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुज्जरों और बकरवाल सहित हाशिए पर पड़े समुदायों के उत्थान और विकास के लिए अपना पूरा सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया।

बांदीपोरा में भूमि विवाद को लेकर हुई झड़प, 7 लोग घायल

बांदीपोरा, 18 जनवरी (हि.स.)। बांदीपोरा जिले में दो समूहों के बीच हुई झड़प में सात लोग घायल हो गए हैं। यह झड़प बिनलीपोरा अलूसा इलाके में हुई और यह एक भूमि विवाद से उपजी थी जो बाद में मारपीट में बदल गई। घायल व्यक्तियों को जल्द ही नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका प्रारंभिक उपचार किया गया। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि झड़प के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है। झड़प के कारणों का पता लगाने और किसी भी कानूनी परिणाम को स्थापित करने के लिए जांच भी शुरू कर दी गई है। अधिकारी इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं। एक अधिकारी ने पुष्टि की कि झड़प के संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है।

सीएम शिक्षा और कौशल विकास के माध्यम से युवाओं को सशक्त बनाएं : भाजपा

जम्मू, 18 जनवरी (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर भाजपा के प्रवक्ता डॉ. अभिजीत जसरोटिया ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला से अपने मंत्रियों को विभिन्न कौशल विकास योजनाओं के माध्यम से जम्मू-कश्मीर के युवाओं के सशक्तिकरण को प्राथमिकता देने का निर्देश देने का आग्रह किया है। शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए डॉ. जसरोटिया ने जोर देकर कहा कि भाजपा क्षेत्र के भविष्य को बेहतर बनाने के लिए रचनात्मक सुझाव देने के लिए तैयार है।

डॉ. जसरोटिया ने क्यूएस वर्ल्ड रैंकिंग की एक रिपोर्ट पर प्रकाश डाला जिसमें दिखाया गया है कि एआई और ग्रीन स्किल्स सहित भविष्य की नौकरी कौशल के लिए भारत दुनिया भर में दूसरे स्थान पर है जो केवल अमेरिका से पीछे है। उन्होंने वैश्विक मांगों, विशेष रूप से डिजिटल परिवर्तन और एआई को पूरा करने के लिए उच्च शिक्षा सुधारों और कौशल विकास को संरेखित करने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारत की बढ़ती युवा आबादी वैश्विक नौकरी बाजारों के लिए अद्वितीय अवसर प्रदान करती है और सरकार को इन बदलते आर्थिक परिदृश्यों के लिए युवाओं को तैयार करना चाहिए।

मौजूदा सरकार की आलोचना करते हुए डॉ. जसरोटिया ने शिक्षा और स्वास्थ्य मंत्री की विफलता की ओर इशारा किया और राजौरी में हुई मौतों को ठीक से न संभाल पाने को खराब शासन का संकेतक बताया। उन्होंने सुझाव दिया कि जम्मू-कश्मीर में स्कूली पाठ्यक्रम और उच्च शिक्षा संस्थानों में एआई और हरित कौशल को शामिल किया जाना चाहिए। साथ ही शिक्षकों की भर्ती और एआई और संस्कृत जैसे विशेष विषयों में अधिक निवेश किया जाना चाहिए। डॉ. जसरोटिया ने वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए जम्मू-कश्मीर में एक मजबूत शिक्षा प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया

विधायक ने वितरित किए संपत्ति कार्ड

जम्मू, 18 जनवरी (हि.स.)। शनिवार को मढ़ के विधायक सुरिंदर कुमार ने मढ़ तहसील कार्यालय में स्वामित्व योजना के तहत संपत्ति कार्ड वितरित किए। इस पहल का उद्देश्य ग्रामीण निवासियों को संपत्ति अधिकार प्रदान करना है, जिससे भूमि स्वामित्व को कानूनी मान्यता और स्पष्टता मिले।

कार्यक्रम के दौरान सुरिंदर कुमार ने स्वामित्व योजना के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यह योजना ग्रामीण नागरिकों के जीवन को बदलने में अहम भूमिका निभा रही है। इस योजना से न केवल भूमि विवादों का समाधान होगा, बल्कि भूमि मालिकों को ऋण और सरकारी लाभ प्राप्त करने में भी सुविधा होगी। उन्होंने क्षेत्र में पारदर्शिता, सशक्तिकरण और प्रगति सुनिश्चित करने वाले ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता दोहराई। श्री कुमार ने योजना को सफलतापूर्वक लागू करने और इसे जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए राजस्व विभाग और स्थानीय प्रशासन के प्रयासों की सराहना की।

इस अवसर पर डीडीसी सदस्य बलबीर लाल, एसडीएम मढ़, तहसीलदार मढ़, राजस्व विभाग के कर्मचारी, पूर्व सरपंच और पंच भी उपस्थित थे और वितरण प्रक्रिया के साक्षी बने। विधायक ने लाभार्थियों से अपील की कि वे अपने संपत्ति कार्ड का जिम्मेदारीपूर्वक उपयोग करें और अपनी सामुदायिक प्रगति के लिए मिलकर कार्य करें।

उमर अब्दुल्ला की सरकार लोगों के दरवाजे पर शासन पहुंचा रही है : रतन लाल गुप्ता

जम्मू, 18 जनवरी (हि.स.)। उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली सरकार के सक्रिय दृष्टिकोण की सराहना करते हुए जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने कहा कि प्रशासन लोगों की शिकायतों को उनके दरवाजे पर ही दूर करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। जिला उधमपुर के वरिष्ठ पार्टी सहयोगियों के साथ बातचीत के दौरान बोलते हुए उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि एनसी सरकार ने लोगों तक सीधे पहुंच बनाकर शासन में एक नया मानदंड स्थापित किया है।

गुप्ता ने कहा कि जब से उमर अब्दुल्ला सरकार ने जम्मू और कश्मीर में कार्यभार संभाला है पार्टी कैडर सक्रिय रूप से क्षेत्र में लगे हुए हैं यह सुनिश्चित करते हुए कि लोगों की चिंताओं को कुशलतापूर्वक संबोधित किया जाए। यह वास्तव में एक लोकप्रिय सरकार है जो अपनी त्वरित प्रतिक्रिया और कुशल प्रशासन के माध्यम से जनता का विश्वास जीत रही है। रोजगार सृजन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने कहा कि रिक्त पदों के लिए भर्ती पहले ही शुरू हो चुकी है जिससे प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो रही है। उन्होंने कहा सरकार युवाओं को अवसर प्रदान करने और बेरोजगारी की खाई को पाटने के लिए दृढ़ संकल्पित है।

रतन लाल गुप्ता ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सुधार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा जम्मू-कश्मीर के हर कोने तक गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा उपचार पहुंचाने के लिए स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को मजबूत किया गया है। प्रशासन चिकित्सा सुविधाओं को बढ़ाने और बेहतर रोगी देखभाल सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहा है। वरिष्ठ एनसी नेता ने मुख्यमंत्री के गतिशील दृष्टिकोण की ओर भी इशारा करते हुए कहा कि उमर अब्दुल्ला और अन्य मंत्री जनता की शिकायतों को हल करने के लिए चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा यहां तक ??कि बर्फीले और दूरदराज के इलाकों में भी वरिष्ठ नौकरशाहों सहित प्रशासन जमीन पर है और निर्बाध सार्वजनिक सेवा सुनिश्चित कर रहा है।

संपादकीय

मुफ्त सुविधाओं का पाखंड उजागर

यह कैसी विडंबना है कि जो पार्टी दिन-रात मुफ्त सुविधाओं की संस्कृति का पुरजोर विरोध करती रही है, उसने अब आगामी दिल्ली चुनावों के लिए जारी अपने चुनावी घोषणापत्र में भी इसी तरह की सौगात देने का वादा किया है।

खबरों के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली विधानसभा चुनावों के लिए अपने घोषणापत्र में महिलाओं को 2,500 रुपये और गर्भवती महिलाओं को 21,000 रुपये की मासिक सहायता देने का वादा किया है। भगवा पार्टी के घोषणापत्र को केंद्रीय मंत्री और पार्टी अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने लॉन्च किया।

यह हास्यास्पद है कि पार्टी के नेता, जो विपक्षी दलों के लोगों को मुफ्त सुविधाएं देने के रुख के खिलाफ बोलते थे, अब इस पर बेशर्मी से काम करना शुरू कर दिया है, बिना यह सोचे कि इस यू-टर्न के बाद वे मतदाताओं का सामना कैसे करेंगे, वह भी सिर्फ दिल्ली में ही नहीं बल्कि पूरे देश में।

इस पार्टी के लिए इससे भी शर्मनाक बात यह है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ही सबसे पहले इस संस्कृति के खिलाफ बोलते हुए इसे मुफ्त की रेवड़ी कहा था और इस संस्कृति की कई खामियों को प्रसारित किया था, साथ ही दावा किया था कि यह देश के हितों के लिए भी हानिकारक साबित हो सकता है। अब उसी पार्टी ने सबसे बड़ी मुफ्त चीजों की घोषणा करके सबको पीछे छोड़ दिया है, जिससे चुनावी दिल्ली में उसके कार्यकर्ता हैरान हैं क्योंकि उन्हें मतदाताओं का सामना करना है और संभावना है कि यह कदम उल्टा पड़ सकता है क्योंकि यह क्षेत्र आप का गढ़ है। कथित तौर पर, भाजपा ने होली और दिवाली पर मुफ्त सिलेंडर के अलावा एलपीजी सिलेंडर पर 500 रुपये की सब्सिडी का भी वादा किया है। भाजपा के घोषणापत्र में राजनीति की विडंबना को उजागर किया गया है क्योंकि जो लोग पहले जनता को मुफ्त चीजें देने के विचार का विरोध करते थे, वे अब वोट पाने के लिए यही पेशकश कर रहे हैं। कभी मुफ्त चीजों का विरोध करने वालों के रुख में बदलाव राजनीतिक मजबूरी को दर्शाता है क्योंकि उन्हें लगा होगा कि इसके बिना दिल्ली में चुनाव जीतने की गुंजाइश बहुत कम होगी। दृष्टिकोण में यह बदलाव देश में राजनीतिक नेतृत्व की स्थिरता और ईमानदारी पर सवाल उठाता है। यह एक रणनीतिक, अवसरवादी कदम को दर्शाता है, जो लोकलुभावनवाद के खिलाफ पीएम मोदी के पिछले उपदेशों को कमजोर करता है और उनके पिछले बयानों की ईमानदारी पर संदेह पैदा करता है। इस तरह की हरकतें न केवल राजनीतिक विश्वसनीयता को कम करती हैं, बल्कि चुनावी लाभ की तलाश में नेताओं द्वारा किए गए वादों में पाखंड को भी उजागर करती हैं।

आकाश में नए द्वार खोलती भारत की अंतरिक्ष डॉकिंग

-डॉ. सत्यवान सौरभ

हाल ही में, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने अंतरिक्ष डॉकिंग का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया। इसरो द्वारा पीएसएलवी-सी60 मिशन ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पाडेक्स) को सफलतापूर्वक अंजाम दिया, जिसमें दो उपग्रहों के अंतरिक्ष में एक-दूसरे से मिलने और डॉक करने की क्षमता का प्रदर्शन किया गया। अंतरिक्ष डॉकिंग कक्षा में दो अंतरिक्ष यान को जोड़ने की प्रक्रिया है।

इसमें तेज गति से चलने वाले अंतरिक्ष यान को एक ही कक्षीय प्रक्षेप पथ पर लाना, उन्हें मैन्युअल रूप से या स्वायत्त रूप से एक-दूसरे के करीब लाना और अंत में उन्हें यांत्रिक रूप से एक साथ लॉक करना शामिल है। यह क्षमता जटिल अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण है, जिसमें अंतरिक्ष स्टेशनों को इकट्ठा करना, चालक दल का आदान-प्रदान और आपूर्ति पहुँचाना शामिल है।

संयुक्त राज्य अमेरिका में (1966) पहली डॉकिंग नासा के जेमिनी ङ्कढ्ढढ्ढ मिशन के दौरान हासिल की गई थी, जहाँ अंतरिक्ष यान एजेना लक्ष्य वाहन के साथ डॉक किया गया था। यूएसएसआर ने कोस्मोस 186 और कोस्मोस 188 के बीच पहली मानवरहित, स्वचालित डॉकिंग का प्रदर्शन किया। इस उपलब्धि ने 1967 में अंतरिक्ष दौड़ के दौरान उनकी इंजीनियरिंग क्षमता को रेखांकित किया। चीन के मानवरहित शेनझोउ 8 अंतरिक्ष यान ने 2011 में तियांगोंग 1 अंतरिक्ष प्रयोगशाला के साथ डॉक किया।

एक साल बाद, देश ने शेनझोउ 9 मिशन के साथ अपनी पहली मानवयुक्त डॉकिंग हासिल की। भारतीय डॉकिंग सिस्टम (बीडीएस) के बारे में 2010 में स्थापित अंतरराष्ट्रीय डॉकिंग सिस्टम मानक (आईडीएसएस) अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) के साथ अंतरिक्ष यान डॉकिंग को नियंत्रित करता है। भारत एक उभयलिंगी डॉकिंग प्रणाली का उपयोग करता है, जिसका अर्थ है कि चेज़र और टारगेट दोनों उपग्रहों पर समान प्रणालियाँ मौजूद हैं। आईडीएसएस के समान लेकिन आईडीएसएस डिज़ाइन में 24 मोटर्स के बजाय दो मोटर्स का उपयोग करता है। उन्नत सेंसर और प्रौद्योगिकी जिसमें सटीक माप के लिए अभिनव सेंसर शामिल हैं, जिनमें शामिल हैं- लेजर रेंज फाइंडर, रेंडेज़वस सेंसर और प्रॉक्सिमिटी और डॉकिंग सेंसर। ये सेंसर सटीक दृष्टिकोण और डॉकिंग प्रक्रियाओं को सुविधाजनक बनाते हैं।

इसमें सैटेलाइट नेविगेशन सिस्टम से प्रेरित एक नया प्रोसेसर है। साथ ही, अंतरिक्ष यान की सापेक्ष स्थिति और वेग निर्धारित करता है। यह भविष्य की स्वायत्त डॉकिंग प्रणालियों के अग्रदूत के रूप में कार्य करता है। साथ ही, उपग्रह-आधारित नेविगेशन डेटा पर निर्भर किए बिना डॉकिंग प्राप्त करने का लक्ष्य रखता है। डॉकिंग तकनीक कक्षा में बड़े अंतरिक्ष यान के निर्माण की अनुमति देती है, जो मंगल अन्वेषण जैसे गहरे अंतरिक्ष मिशनों के लिए आवश्यक है। चंद्र मिशनों के लिए समर्थन- डॉकिंग इसरो के चंद्रयान-4 चंद्र नमूना वापसी मिशन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जिससे अधिक उन्नत और जटिल अंतरिक्ष संचालन संभव हो पाता है। भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए इसरो की योजना कक्षीय पुन:पूर्ति और चालक दल के मिशनों का समर्थन करने के लिए डॉकिंग तकनीक पर निर्भर करती है। स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इसरो के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरग्रहीय मिशनों में महत्वाकांक्षी भविष्य के प्रयासों का मार्ग प्रशस्त करता है।

मिशन साबित करता है कि उच्च-स्तरीय अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों को न्यूनतम व्यय के साथ विकसित और प्रदर्शित किया जा सकता है। यह अंतरिक्ष यान के लिए डॉकिंग प्रौद्योगिकियों का विकास और प्रदर्शन करेगा और डॉक किए गए अंतरिक्ष यान के बीच बिजली हस्तांतरण को सक्षम करेगा। अंतरिक्ष यान के परिचालन जीवन को बढ़ाने के लिए डॉक की गई स्थितियों में नियंत्रण क्षमता को बढ़ाएगा। विमान लेजर रेंज फाइंडर और रेंडेज़वस सेंसर जैसे उन्नत सेंसर से लैस है। रिएक्शन व्हील, मैग्नेटोमीटर और थ्रस्टर्स के साथ मज़बूत रवैया और कक्षा नियंत्रण प्रणाली। मोटर चालित कैप्चर, रिट्रैक्शन और रिजिडाइजेशन क्षमताओं के साथ डॉकिंग मैकेनिज्म। स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी में भारत की क्षमताओं को बढ़ाने के लिए इसरो के दूरदर्शी दृष्टिकोण को दर्शाता है, जो अंतरिक्ष अन्वेषण और अंतरग्रहीय मिशनों में महत्वाकांक्षी भविष्य के प्रयासों का मार्ग प्रशस्त करता है। अंतरिक्ष में भारत की उपलब्धियों ने एक बड़ी छलांग लगाई है, जब पीएसएलवी-सी60 ने अंतरिक्ष डॉकिंग प्रयोग (स्पाडेक्स) को प्रक्षेपित किया, जिससे स्वायत्त अंतरिक्ष यान डॉकिंग के लिए भारत की उन्नत प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन हुआ।

स्पैडेक्स मिशन में दो छोटे अंतरिक्ष यान, एसडीएक्स01 और एसडीएक्स02 शामिल हैं, जो स्वचालित रूप से कक्षा में स्थापित होंगे, जिससे कक्षा में उपग्रह की सर्विसिंग, ईंधन भरने और भविष्य में अंतरिक्ष स्टेशन जैसी बड़े पैमाने की परियोजनाओं के लिए मार्ग प्रशस्त होगा। सार्वजनिक-निजी सहयोग द्वारा समर्थित यह ऐतिहासिक मिशन, अंतरिक्ष में भारत के बढ़ते नेतृत्व की पुष्टि करता है तथा वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में अधिक अंतरग्रहीय और वाणिज्यिक उपक्रमों के लिए उसे तैयार करता है। इसके अलावा, इस मिशन के लिए इस्तेमाल की गई अत्याधुनिक तकनीक अंतरिक्ष अन्वेषण में आत्मनिर्भरता हासिल करने की भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करती है। स्पैडेक्स परियोजना न केवल भारत के मौजूदा अंतरिक्ष अन्वेषण लक्ष्यों के लिए बल्कि समग्र रूप से अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था के लिए भी एक महत्त्वपूर्ण क़दम बन गई है। इस मिशन से मिले सबक वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में गूंजेंगे और भविष्य के सहयोग को प्रेरित करेंगे।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

असफलता से सीखने और बढ़ने का मिलता है मौका

-डॉ सत्यवान सौरभ

सफलता सार्वजनिक उत्सव होती है, जबकि असफलता व्यक्तिगत विपत्ति। सफलता में लोग साथ होते हैं, जबकि असफलता में लोग साथ छोड़ देते हैं। हालांकि, असफलता से सीखने और बढ़ने का मौका मिलता है। सफलता सार्वजनिक उत्सव है जबकि असफलता व्यक्तिगत शोक एकदम सत्य लिखा है। दो ऐसे शब्द जो हर व्यक्ति के जीवन में बहुत मायने रखते हैं। पहला शब्द सफलता जिसको हर कोई प्राप्त करना चाहता है जबकि दूसरा शब्द असफलता जिससे हर व्यक्ति दूर रहना चाहता है। सफलता जब प्राप्त होती है तो घर-परिवार सब खुश होता है लेकिन असफलता का सामना आपको अकेले करना पड़ता है। अगर आप सफल हो गए तो समाज में आपकी इज्जत होगी, लोगों का आपके साथ व्यवहार परिवर्तित हो जायेगा लेकिन असफल रहने पर आपको बेरोजगार, ठलुआ जैसी संज्ञा मिलेगी। यह भी मायने रखता है कि आपने सफलता प्राप्त करने के लिए कितना प्रयत्न किया? यदि आपने पूरे समर्पण भाव से मेहनत की है फिर भी आप अपने मनपसंद क्षेत्र में सफल नहीं हुए तो ये मान लीजिए कि आपने अपने सपने को पूरा करने के लिए जो ज्ञानार्जन किया है वह आपके भावी जीवन में बहुत काम आने वाला है। वही ज्ञान किसी अन्य क्षेत्र में आपके भविष्य निर्माण में सहायक हो सकता है।

परिणाम संचालित समाज में प्रयास अक्सर परिणामों के पीछे चला जाता है। परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती देता है। खेलों में प्रयास दृढ़ता, अनुशासन और निष्पक्षता को दर्शाता है, जो प्रदर्शन पर प्रक्रिया पर ज़ोर देता है। यह दृष्टिकोण मानसिक लचीलापन और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है जबकि डोपिंग और मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक प्रथाओं के दबाव को कम करता है। नैतिक मूल्यांकन को मापने योग्य परिणामों के साथ प्रयास के आंतरिक मूल्य को संतुलित करना चाहिए। मापे जाने वाले परिणामों के प्रति जुनून, समाज मात्रात्मक सफलता को प्राथमिकता देता है, अक्सर प्रयास के आंतरिक मूल्य और यात्रा में दृढ़ता को अनदेखा करता है। माता-पिता बच्चे के परीक्षा अंकों की प्रशंसा करते हैं लेकिन शायद ही कभी अध्ययन या अवधारणाओं को समझने में बिताए गए समय को स्वीकार करते हैं। परिणामों पर लगातार ध्यान केंद्रित करने से अनावश्यक दबाव बनता है, जिससे तनाव होता है और सुधार या सीखने के लिए आंतरिक प्रेरणा कम हो जाती है।

रिकॉर्ड तोड़ने के दबाव का सामना करने वाले एथलीट के कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय डोपिंग का सहारा लेने का खतरा रहता है। परिणामों पर जोर देने से क्रमिक शिक्षा और सुधार का महत्व कम हो जाता है, जिससे सफलता अस्थिर हो जाती है। ऋषभ पंत जैसे क्रिकेटर, जिनकी शुरुआत में अस्थिर प्रदर्शन के लिए आलोचना की गई थी, उन्होंने समय के साथ लगातार सुधार करके सम्मान प्राप्त किया। परिणाम-उन्मुख मानसिकता शॉर्टकट या अनैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देती है, जिससे निष्पक्षता और खेल भावना खत्म हो जाती है। बॉल-टैम्परिंग जैसे मामले ईमानदारी पर जीत को प्राथमिकता देने की मानसिकता को दर्शाते हैं। समाज विजेताओं का महिमामंडन करता है लेकिन प्रतिभागियों के प्रयासों की उपेक्षा करता है, जिससे खेलों की समावेशिता और एकीकृत भावना कमजोर होती है। कम प्रसिद्ध ओलंपियन जो सर्वश्रेष्ठ देते हैं लेकिन पदक जीतने में विफल रहते हैं, उन्हें स्वर्ण पदक विजेताओं की तुलना में कम मान्यता मिलती है।

निष्पक्षता और समावेशिता को बढ़ावा देना, प्रयास को महत्व देना सुनिश्चित करता है कि सभी प्रतिभागियों को मान्यता प्राप्त हो, एक समावेशी और सहायक वातावरण को बढ़ावा मिले। पैरालिंपिक खेल दृढ़ता और प्रयास को उजागर करते हैं, पदकों पर भागीदारी पर जोर देते हैं। प्रयास को प्राथमिकता देने से व्यक्तियों को दृढ़ता, विनम्रता और भावनात्मक शक्ति का निर्माण करने में मदद मिलती है, जो व्यक्तिगत विकास के लिए महत्वपूर्ण है। नीरज चोपड़ा की विनम्रता और प्रतियोगियों के प्रति सम्मान सिर्फ उनके भाला फेंक रिकॉर्ड से कहीं ज्यादा मनाया जाता है। प्रयास पर ध्यान केंद्रित करने से कौशल वृद्धि और निरंतरता को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में स्थायी उपलब्धियाँ मिलती हैं। विराट कोहली की अनुशासित प्रशिक्षण दिनचर्या स्थायी सफलता प्राप्त करने में प्रयास के महत्त्व को दर्शाती है। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक व्यवहार और नियमों के प्रति सम्मान को बढ़ावा मिलता है, जिससे खेलों में निष्पक्षता सुनिश्चित होती है।

उदाहरण के लिए सचिन तेंदुलकर का स्लेजिंग में शामिल होने से इनकार करना क्रिकेट में अल्पकालिक लाभ की तुलना में नैतिकता को उजागर करता है। प्रयास को स्वीकार करने से सहानुभूति, सहयोग और एकता जैसे मूल्य पैदा होते हैं, जो एक परिपक्व और नैतिक समाज में योगदान करते हैं। 2019 क्रिकेट विश्व कप सेमीफाइनल में भारत के

परिणाम संचालित समाज में प्रयास अक्सर परिणामों के पीछे चला जाता है। परिणामों पर प्रयास को प्राथमिकता देना योग्यता के सिद्धांत को चुनौती देता है। खेलों में प्रयास दृढ़ता, अनुशासन और निष्पक्षता को दर्शाता है, जो प्रदर्शन पर प्रक्रिया पर ज़ोर देता है। यह दृष्टिकोण मानसिक लचीलापन और व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है जबकि डोपिंग और मैच फिक्सिंग जैसी अनैतिक प्रथाओं के दबाव को कम करता है। नैतिक मूल्यांकन को मापने योग्य परिणामों के साथ प्रयास के आंतरिक मूल्य को संतुलित करना चाहिए।

प्रयासों का जश्न मनाने वाले प्रशंसकों ने परिणामों से ज्यादा प्रयास की सराहना करने की ओर एक बदलाव दिखाया। परिणामों से ज्यादा प्रयास को महत्त्व देने से नैतिक सिद्धांतों को बढ़ावा मिलता है, खेलों में निष्पक्षता और समावेशिता की संस्कृति का पोषण होता है। यह दीर्घकालिक चरित्र निर्माण को बढ़ावा देता है और अनैतिक शॉर्टकट को रोकता है। हालांकि, एक सूक्ष्म दृष्टिकोण महत्वपूर्ण है, जो यह सुनिश्चित करता है कि प्रयास कौशल विकास और प्रदर्शन लक्ष्यों के साथ संरेखित हों, ताकि प्रतिस्पर्धात्मक भावना को बनाए रखा जा सके और साथ ही खेल कौशल और अखंडता को बढ़ावा दिया जा सके।

कभी-कभी हम अपने जीवन को सफल बनाने के लिए कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाते हैं। अपना सबकुछ दांव पर लगाकर आगे बढ़ते हैं, पूरे जी जान से मेहनत करते हैं ताकि कुछ अच्छा हो लेकिन यह जरूरी नहीं कि आप सफल हो ही जाएँ। सफलता और असफलता दोनों के मौके समान रहते हैं। आप सफल हुए तो आपके अबतक के संघर्ष पर पूर्ण विराम लग जाएगा लेकिन दूसरी स्थिति बहुत विकट होती है जब आप अपनी मेहनत को डूबता हुआ देखते हैं। युवाओं के लिए यह स्थिति और भी ज्यादा खराब होती है क्योंकि वह ऐसी स्थिति का सामना जीवन में पहली बार कर रहे होते हैं। ऐसे समय में धैर्य और संयम के साथ आगे बढ़ना ही सर्वोत्तम उपाय है। ऐसे व्यक्ति को जीवन में सफल होने से कोई नहीं रोक सकता। ऐसे ही हिम्मती और धैर्यवान लोगों के लिए लिखा गया है-कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महाकुंभ में स्वच्छता के उच्च तकनीकी समाधान

डॉ. जितेंद्र सिंह

प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ क्षेत्र में महा-आयोजन की व्यापकता और विशालता दिख रही है। वहां उपस्थित विशाल मानव समूह की केवल कल्पना कीजिए जहां प्रत्येक व्यक्ति आस्था और भक्ति के सागर में हिलोरें ले रहा है। लेकिन विश्व की इस विस्मयकारी महाघटना में पर्दे के पीछे अथक परिश्रम करने वाले मूक नायक के तौर पर उन्नत अपशिष्ट प्रबंधन प्रौद्योगिकियां काम कर रही हैं। एक भव्य संगीत सिम्फनी के अनाम परिचालकों की तरह ये नवाचार सुनिश्चित करते हैं कि सफाई और स्वच्छता, संगीत के हर सुर-लहरी की तरह पूरी तरह लयबद्ध हो।

महाकुंभ में उच्च तकनीक वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट से लेकर प्राकृतिक शुद्धिकरण तालाबों तक, प्रत्येक उपाय पर्यावरण की शुद्धता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। परंपरा और प्रौद्योगिकी का यह सामंजस्यपूर्ण मिश्रण न केवल महाकुंभ के आध्यात्मिक सार को संरक्षित करता है, बल्कि दुनिया भर में भविष्य के बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले समारोहों के लिए मानक भी स्थापित करता है।

एक हलचल भरे शहर की कल्पना करें जो रातोंरात अस्तित्व में आ गया हो, जहां करोड़ों लोग एक भव्य आयोजन के लिए जुटे हों। 45 दिनों के इस विशाल धार्मिक आयोजन, जिसमें अनुमानित तौर पर 40 करोड़ आगंतुक पहुंचे हों, वहां हर दिन उत्पन्न कचरे का प्रबंधन हैरत में डालने वाला है। हालांकि इससे अधिकारी विचलित नहीं हुए और उन्होंने इस कठिन कार्य के लिए भारत के दो प्रमुख वैज्ञानिक संस्थानों, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन और भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र बार्क की मदद ली है।

महाकुंभ में उत्पन्न अपशिष्ट दिमाग को चकरा देने वाला है। वहां हर दिन लगभग 16 मिलियन लीटर मल विष्ठा, 240 मिलियन लीटर ग्रे-वाटर (शौचालय को छोड़ कर अपशिष्ट जल) और करोड़ों तीर्थयात्रियों द्वारा बड़े पैमाने पर उत्पन्न ठोस अपशिष्ट शामिल हैं। इसके निपटान प्रबंधन के लिए परिष्कृत समाधानों की आवश्यकता पड़ी और तभी उन्नत प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल काम आया। इनमें से एक हाइब्रिड ग्रेनुलर सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर (एचजीएसबीआर) है, जिसे इसरो और बार्क के सहयोग से विकसित किया गया है। ये उच्च तकनीक की वॉशिंग मशीन जैसा है जो कपड़े साफ करने की बजाय सीवेज का निपटान करता है। इस तकनीक का उपयोग तीन प्रीफैब्रिकेटेड मल विष्ठा ट्रीटमेंट प्लांट (एफएसटीपी) में किया जा रहा है, जो मानव अपशिष्ट को कुशलतापूर्वक संसाधित कर सुनिश्चित करता है कि वातावरण स्वच्छ और सुरक्षित रहे।

वहां एक अन्य तकनीक जीओ ट्यूब टेक्नोलॉजी अपनाई जा रही है जो कचरे के नियंत्रण और उपचार में सहायक है। यह सुनिश्चित करती है कि पर्यावरण में केवल स्वच्छ पानी ही छोड़ा जाए। यह एक विशाल चाय बैग की तरह है जो बड़ी मात्रा में तरल अपशिष्ट सोखकर उसे साफ करता है। महाकुंभ में स्वच्छता के लिए इस्तेमाल की जा रही एक अन्य तकनीक बायोरिमेडिएशन है। यह बड़े तालाबों के लाभकारी सूक्ष्मजीवों जैसा है जो प्रदूषकों को विखंडित कर पानी को शुद्ध करता है। इस प्राकृतिक और पर्यावरण अनुकूल विधि को लगभग 75 बड़े तालाबों में एकत्र किए गए ग्रेवाटर में इस्तेमाल की जाएगी ता?कि जल को प्रभावी और सुरक्षित रूप से उपचारित किया जाए।

उत्तर प्रदेश सरकार ने 7,000 करोड़ रुपये के कुल महाकुंभ बजट में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता दर्शायी है। वहां अपशिष्ट और जल प्रबंधन के लिए 1,600 करोड़ रुपए और खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बुनियादी ढांचे के लिए 316 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह वित्तीय और ढांचागत प्रतिबद्धता आयोजन के दौरान स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है।

स्वच्छता उपायों में इन प्रौद्योगिकियों के इस्तेमाल का उद्देश्य महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताओं को कम करना है। वे नदी के जल प्रदूषण को रोकते हैं, अपशिष्ट और सीवेज से संभावित स्वास्थ्य जोखिमों को कम करते हैं और बड़े पैमाने पर लोगों के एकत्रित होने के पारिस्थितिकी नुकसान में कमी लाते हैं। अपशिष्ट प्रबंधन परिचालन रणनीति में मैनुअल हैंडलिंग को कम से कम करना, उन्नत तकनीकों का उपयोग कर स्रोत-स्तरीय अपशिष्ट पृथक्करण पर जोर देना और व्यापक निपटान तंत्र को लागू करना शामिल है। इसके अतिरिक्त वहां अन्य आरंभिक उपायों में 1 लाख 45 हजार पोर्टेबल शौचालयों की स्थापना, निरंतर सफाई के लिए बड़ी संख्या में सफाई कर्मियों की तैनाती, पर्याप्त चिकित्सा सुविधा की व्यवस?था और एक व्यापक अपशिष्ट संग्रह और प्रबंधन बुनियादी ढांचे शामिल हैं।

ये उन्नत प्रौद्योगिकियां बड़े पैमाने पर धार्मिक समारोहों के प्रबंधन में व्यापक बदलाव दर्शाते हैं। वे पर्यावरणीय स्थायी अपशिष्ट प्रबंधन, अल्प स्वास्थ्य जोखिम, न्यूनतम पारिस्थितिक व्यवधान और कुशल संसाधन उपयोग के उपाय प्रदान करते हैं। यह महाकुंभ 2025 में बड़े पैमाने पर धार्मिक समागमों से जुड़ी जटिल प्रचालनतंत्र और पर्यावरणीय चुनौतियों के प्रबंधन में भारत की तकनीकी कौशल का दस्तावेज है। यह एक दीप्तिमान उदाहरण है कि प्रौद्योगिकी और परंपरा सबके लिए कैसे एक स्वच्छ, स्वस्थ भविष्य निर्मित कर सकते हैं।

(लेखक, केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्री हैं।)

उत्तर प्रदेश सरकार ने 7,000 करोड़ रुपये के कुल महाकुंभ बजट में अपशिष्ट प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता दर्शायी है। वहां अपशिष्ट और जल प्रबंधन के लिए 1,600 करोड़ रुपए और खुले में शौच मुक्त (ओडीएफ) बुनियादी ढांचे के लिए 316 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। यह वित्तीय और ढांचागत प्रतिबद्धता आयोजन के दौरान स्वच्छता और साफ-सफाई बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है।

शारजाह में दौड़ेगा सिरमौर का पैरा एथलीट वीरेंद्र सिंह

एजेंसी

नाहन। सिरमौर जिला के संगड़ाह मंडल के लगणू गांव निवासी वीरेंद्र सिंह का चयन शारजाह दुबई में होने वाली ओपन पैरा एथेलेटिक्स मीट के लिए हुआ है। यह प्रतियोगिता 30 जनवरी से 6 फरवरी तक आयोजित की जाएगी। वीरेंद्र सिंह आयुष विभाग में फार्मेसी अधिकारी के पद पर बोग धार में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। वीरेंद्र शारजाह में 1500 से 3000 मीटर दौड़ में भाग लेंगे। उनके चयन से क्षेत्र में प्रसन्नता की लहर दौड़ गयी है।

दर्द के साथ माचैक को मात देकर जोकोविच ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में

मेलबर्न। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पेट में दर्द के बावजूद 26वें वरीय चेक गणराज्य के टॉमस माचैक पर सीधे सेटों में जीत हासिल कर ऑस्ट्रेलियन ओपन के अंतिम 16 में जगह बना ली हैं। 10 बार के टूर्नामेंट चैंपियन जोकोविच ने दूसरे सेट की शुरुआत में ही पेट में तकलीफ के कारण चिकित्सा सहायता मांगी। जोकोविच ने मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए माचैक को 6-1, 6-4, 6-4 से हराया। मैच के बाद जोकोविच ने कहा, मुझे लगता है कि मैंने वाकई अच्छा खेला। मैं अपने खेल से बहुत खुश हूं। मैं परिणाम से थोड़ा हैरान था। मैंने (दूसरे सेट में) शारीरिक रूप से संघर्ष किया, लेकिन स्थिति को बदलने में कामयाब रहा।

खेल रत्न पुरस्कार मुझे और अधिक जीत के लिए प्रेरित करेगा: मनु भाकर

नयी दिल्ली। प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न से सम्मानित भारतीय पिस्टल निशानेबाज मनु भाकर ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से पुरस्कार प्राप्त करने के बाद कहा कि यह सम्मान उन्हें भविष्य में देश को गौरवान्वित करने और अधिक जीत हासिल करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा। मनु ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, भारत की राष्ट्रपति से प्रतिष्ठित मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्राप्त करके मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रही हूं। यह सम्मान मुझे और भी अधिक मेहनत करने तथा अपने देश को गौरवान्वित करने का प्रयास करने के लिए प्रेरित करेगा। मैं उन सभी का हृदय से आभार व्यक्त करती हूं जिन्होंने मेरी यात्रा के दौरान मेरा समर्थन, मार्गदर्शन तथा मेरा उत्साहवर्धन किया। उल्लेखनीय है कि 22 वर्षीय मनु ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीता। इसके कुछ ही दिनों बाद उन्होंने सरबजोत सिंह के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। इस जीत के साथ ही वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला एथलीट बन गई।

सऊद शकील और मोहम्मद रिजवान ने पाकिस्तान को संभाला

मुल्तान। सऊद शकील (नाबाद 56) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 51) की जूझारू अर्धशतकीय पारियों ने पहले टेस्ट मैच के पहले दिन कोहरे से बाधित मुकाबले मे लड़खड़ाती पाकिस्तान की पारी को संभाला। दिन का खेल समाप्त होने के समय पाकिस्तान ने 41.3 ओवर में चार विकेट पर 143 रन बना लिये है। इससे पहले आज कोहरे के कारण देर से शुरु हुए मैच में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान को वेस्टइंडीज के गेंदबाज जेडेन सील्स के कहर का समाना करना पड़ा। मैच में एक समय पाकिस्तान ने 13.3 ओवर में 46 के स्कोर पर अवने चार विकेट गवां दिये थे। मोहम्मद हुरैरा (छह), कप्तान शान मसूद (11), कामरान गुलाम (पांच) और बाबर आजम (पांच) रन बनाकर आउट हुये। खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने के समय पाकिस्तान ने चार विकेट पर 143 रन बना लिये थे और सऊद शकील (नाबाद 56) और मोहम्मद रिजवान (नाबाद 51) क्रीज पर मौजूद थे। वेस्टइंडीज के लिए जेडेन सील्स ने 10 ओवर में 21 रन देकर तीन विकेट लिये। गुडाकेश मोती को एक विकेट मिला।

राष्ट्रपति ने मप्र के दो पैरालम्पिक खिलाड़ी रुबीना और कपिल को अर्जुन अवॉर्ड 2024 से किया सम्मानित

एजेंसी

भोपाल। पेरिस पैरालंपिक में देश का नाम रोशन करने वाले मध्य प्रदेश के दो खिलाड़ियों जबलपुर की पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस और सीहोर के पैरा जूडो खिलाड़ी कपिल परमार को देश के प्रतिष्ठित खेल पुरस्कार अर्जुन अवॉर्ड 2024 से सम्मानित किया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने नई दिल्ली में पैरालंपिक खिलाड़ियों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश की पैरा शूटर रुबीना फ्रांसिस और जूडो खिलाड़ी कपिल परमार को देश के प्रतिष्ठित अर्जुन अवॉर्ड 2024 से सम्मानित होने पर हार्दिक बधाई दी है। उन्होंने कहा कि दोनों खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से प्रदेश और देशवासी गौरवान्वित हुए हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से प्रदेश के खिलाड़ियों को इसी तरह प्रदर्शन तथा प्रतिभा से नए कीर्तिमान स्थापित करने की प्रार्थना की है। रुबीना फ्रांसिस जबलपुर की निवासी हैं। वह मध्य प्रदेश की पहली खिलाड़ी हैं, जिन्होंने पैरालंपिक में पदक जीता है। उन्होंने ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में 10 मीटर एयर

पिस्टल एसएच 1 इवेंट में शानदार प्रदर्शन किया और ब्रॉन्ज मेडल जीता। गोल्ड ईरान के जवानमार्दी ने 236.8 पॉइंट के साथ और सिल्वर तुर्की की ओजगन ए ने 231.1 पॉइंट के साथ जीता। रुबीना ने 211.1 पॉइंट के साथ तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज मेडल पर कब्जा किया। यह उनका दूसरा ओलंपिक था, इससे पहले वे 2022 के टोक्यो पैरालंपिक में भी भाग ले चुकी हैं। रुबीना ने 2017 और 2018 में लगातार दो बार जूनियर रिकॉर्ड स्थापित किए और 2018 में फ्रांस में वर्ल्ड रिकॉर्ड की बराबरी की। अब तक उन्होंने 10 इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भाग लिया है और 3 गोल्ड, 2 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज सहित कुल 6 मेडल जीते हैं। इसके अलावा, राष्ट्रीय स्तर पर उन्होंने 13 गोल्ड, 3 सिल्वर और कुल 17 मेडल हासिल किए हैं। वहीं, सीहोर के रहने वाले कपिल परमार ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में जूडो के -60 किग्रा जे-1 वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीतकर इतिहास रचा था। पांच सितंबर 2024 को उन्होंने ब्राजील के एलील्टन डी ओलिवेरा को 10-0 से हराकर ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया था। जूडो में पैरालंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय पैरा खिलाड़ी बने।

कपिल दृष्टिबाधित हैं और करंट लगने के कारण उनकी आंखों की रोशनी चली गई थी। हालांकि, उन्होंने इसे अपनी कमजोरी नहीं बनने दिया और जे-1 श्रेणी में दृष्टिबाधित खिलाड़ियों को सामान्य दृष्टि वाले व्यक्तियों की अपेक्षा कम दिखाई देता है। पैरालंपिक से पहले, कपिल एशियन पैरा गेम्स में सिल्वर मेडल भी जीत चुके हैं।

चंद्र प्रकाश अग्रवाल मेमोरियल यूपी राज्य रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट 25 जनवरी से

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में टेनिस को प्रमोट करने और खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण रेंकिंग अंक पाने का मौका देने के लिए चंद्र प्रकाश अग्रवाल मेमोरियल यूपी राज्य रैंकिंग टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन 25 जनवरी से एक फरवरी तक होगा। उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के तत्वावधान में एसडीएस टेनिस अकादमी द्वारा आयोजित इस टूर्नामेंट के मैच अत्याधुनिक एसडीएस लामार्टिनियर टेनिस फैसिलिटी के टेनिस कोर्ट पर खेले जाएंगे। इस बारे में आयोजित प्रेस वार्ता में टूर्नामेंट संयोजक पवन सागर ने बताया कि ज्ञान डेयरी (ज्ञान दूध) द्वारा प्रायोजित आठ दिवसीय इस टूर्नामेंट में पुरुष व महिलाओं के एकल व युगल के मुकाबलों के अलावा आयु वर्ग में भी स्पर्धाएं होंगी। टूर्नामेंट में अंडर-10, अंडर-12, अंडर-14, अंडर-16 व अंडर-18 आयु वर्ग में बालक व बालिका एकल व युगल वर्ग के मुकाबले होंगे। उन्होंने कहा कि इस टूर्नामेंट में पूरे प्रदेश के 150 से अधिक उम्दा खिलाड़ी अपने खेल का जौहर दिखाने उतरेंगे। संयोजक पवन सागर ने बताया कि इस टूर्नामेंट में प्रदेश के शीर्ष रैंकिंग वाले खिलाड़ियों के भाग लेने की उम्मीद है, जिससे यह टूर्नामेंट उत्तर प्रदेश के टेनिस कैलेंडर का एक महत्वपूर्ण आयोजन बन जाएगा। यहां खेल प्रेमियों को रोमांचक मैच में खिलाड़ियों का बेहतरीन प्रदर्शन देखने का मौका मिलेगा। यहीं नहीं, इस टूर्नामेंट में खेलने वाले खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर महत्वपूर्ण रैंकिंग प्वाइंट भी मिलेंगे।उत्तर प्रदेश टेनिस एसोसिएशन के सचिव पुनीत अग्रवाल ने बताया कि यह टूर्नामेंट उत्तर प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से आने वाले प्रतिभाशाली टेनिस खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने और पेशेवर स्तर पर प्रतिस्पर्धा के लिए एक का मंच प्रदान करेगा। यह टूर्नामेंट न केवल खिलाड़ियों के बीच खेल भावना को बढ़ावा देगा, बल्कि नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को टेनिस के प्रति प्रेरित करने और जमीनी स्तर पर इस खेल को प्रोत्साहन देने का भी काम करेगा।

भारत की पुरुष और महिला टीम ने खो-खो विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में बनाई जगह

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत की पुरुष और महिला खो-खो टीमों ने खो-खो विश्व कप 2025 के सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रवेश कर लिया है। भारतीय टीमों ने अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में दमदार प्रदर्शन कर प्रतिद्वंद्वी टीमों को हराया।

पुरुष वर्ग: भारत ने श्रीलंका को हराकर सेमीफाइनल में बनाई जगह

भारतीय पुरुष टीम ने कप्तान प्रतीक वायकर, रामजी कश्यप, और आदित्य गणपुले की अगुआई में शानदार खेल दिखाते हुए श्रीलंका को 100-40 के बड़े अंतर से हराया।

टर्न 1: भारतीय टीम ने 58 अंक बनाकर दमदार शुरुआत की। टीम ने श्रीलंका को कोई अंक नहीं बनाने दिया, जिससे खेल पर शुरुआती नियंत्रण बना।

टर्न 2: श्रीलंका ने वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय डिफेंडर्स ने उन्हें रोके रखा। रामजी कश्यप और अनिकेत पोटे ने टीम की बढ़त को मजबूत बनाए रखा।

टर्न 3 और 4: भारतीय टीम ने आक्रामक खेल दिखाया। वी सुब्रमणि, शिवा रेड्डी, और प्रतीक वायकर के शानदार स्काई डाइव और पोल डाइव ने टीम को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

मैच पुरस्कार:

सर्वश्रेष्ठ अटैकर: वी सुब्रमणि (भारत)

सर्वश्रेष्ठ डिफेंडर: ससीनाडु (श्रीलंका)

सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी: रामजी कश्यप (भारत)

महिला वर्ग: बांग्लादेश को हराकर सेमीफाइनल में पहुंची भारतीय टीम

कप्तान प्रियंका इंगले के नेतृत्व में भारतीय महिला टीम ने बांग्लादेश को 109-16 के विशाल अंतर से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

टर्न 1 : भारत ने मैच की शुरुआत से ही दबदबा बनाया। प्रियंका इंगले और नसरीन शेख ने शानदार खेल दिखाया।

टर्न 2 : भारत ने 5 मिनट 36 सेकंड का ड्रीम रन बनाया, जिसमें अश्विनी शिंदे और रेशमा राठौड़ का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा।

टर्न 3 और 4 : रेशमा राठौड़ के शानदार स्काई डाइव और टीम के ठोस प्रदर्शन ने भारत को लगातार पांचवीं बार 100+ अंक बनाने में मदद की।

अन्य क्वार्टर फाइनल परिणाम

महिला वर्ग:

युगांडा ने न्यूजीलैंड को 71-26 से हराया।

दक्षिण अफ्रीका ने केन्या को 51-46 के करीबी मुकाबले में हराया।

उत्तराखंड राष्ट्रीय खेल: असम टीम की जर्सी लॉन्च समारोह 19 को

एजेंसी

गुवाहाटी। उत्तराखंड में होने वाले आगामी 38 वें राष्ट्रीय खेलों के असम टीम की जर्सी का अनावरण समारोह 19 जनवरी को गुवाहाटी के सरूसजाई खेल परिसर में होगा। असम ओलंपिक संघ के सचिव लक्ष्मीकांत कोंवर ने बताया कि असम सरकार के खेल और युवा कल्याण विभाग के सहयोग से असम ओलंपिक संघ द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें असम टीम को राष्ट्रीय खेलों के लिए औपचारिक विदाई दी जाएगी।

इस कार्यक्रम में वरिष्ठ केंद्रीय मंत्री और असम ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सर्बानंद सोनोवाल, संघ के दो वरिष्ठ उपाध्यक्ष और असम सरकार के कैबिनेट मंत्री पीयूष हजारिका, जयंतमल्ल बरुवा के साथ ही खेल मंत्री नंदिता गार्लोसा भी उपस्थित रहेंगी। इसके अलावा, उत्तराखंड राष्ट्रीय खेलों के असम टीम के मिशन प्रमुख अभिजीत भट्टाचार्य, ओलंपिक पदक विजेता और खेल रत्न से सम्मानित राज्य की एकमात्र खिलाड़ी लवलीना

बरगोहाई, ओलंपियन आर्चर जयंत तालुकदार और कॉमनवेल्थ गेम्स के स्वर्ण पदक विजेता नयनमणि सैकिया सहित कई अन्य खिलाड़ी और संगठन के प्रतिनिधि भी इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह भी बताया गया कि असम ओलंपिक संघ 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए 22 खेलों में लगभग 30 खिलाड़ियों का दल भेजेगा। असम सरकार के सहयोग से असम टीम की हवाई यात्रा का प्रबंध भी किया गया है। इससे पहले, पिछले राष्ट्रीय खेलों में असम ने 56 पदक जीतकर 12वां स्थान प्राप्त किया था। इस बार असम टीम में ओलंपियन, कॉमनवेल्थ और एशियन गेम्स में पदक जीतने वाले खिलाड़ी भी होंगे। इस बार 17 साल बाद असम की पुरुष फुटबॉल टीम ने राष्ट्रीय खेलों में भाग लेने के लिए योग्यता प्राप्त किया है। गौरतलब है कि 2007 में असम में आयोजित 33वें राष्ट्रीय खेलों में असम की पुरुष फुटबॉल टीम ने स्वर्ण पदक जीता था।

राष्ट्रीय खेल नोडल ने स्पोर्ट्स स्टेडियम में व्यवस्थाएं जांची

एजेंसी

उधमसिंह नगर। उत्तराखंड समाज कल्याण सचिव व उधम सिंह नगर के 38 वें राष्ट्रीय खेल के नोडल नीरज खैरवाल ने स्पोर्ट्स स्टेडियम व 46 वीं बटालियन पीएसी में ट्रैप शूटिंग प्रतियोगिता स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बहुउद्देशीय हॉल में बालीवाल व हैंडबाल, वैलोड्रोम में साइक्लिंग की सभी व्यवस्थाएं 25 जनवरी तक सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने स्टेडियम के अन्दर व बाहर वॉल पेंटिंग के कार्य भी 25 जनवरी तक पूर्ण करने को कहा।उन्होंने कहा कि सभी कार्यों को प्रतिदिन कार्ययोजना बना कर पूर्ण करे ।उन्होंने जिलाधिकारी को प्रतिदिन कार्य प्रगति रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। नोडल अधिकारी खैरवाल ने 46वीं बटालियन ट्रैप शूटिंग का निरीक्षण करते हुए कार्यों में गति लाकर पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने शूटिंग स्थल पर शौचालय व दर्शक दीर्घा भी बनाने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि शूटिंग स्थल की दीवारों पर भी खेल थीम पर पेंटिंग कराये। उन्होंने कहा जिन स्थलों पर राष्ट्रीय खेल आयोजित हो रहे हैं। वहां उचित पार्किंग व्यवस्था सुनिश्चित की जाए व सुरक्षा व्यवस्था भी पुख्ता रखी जाए। बाद में नोडल अधिकारी खैरवाल ने जिलाधिकारी कैंप कार्यालय में अधिकारियों व इवेंट मैनेजमेंट कंपनियों के मैनेजर के साथ बैठक कर खिलाड़ियों, कोच व तकनीकी स्टाफ के रहने व खाने की उचित व्यवस्था रखने के निर्देश दिए। साथ ही दैनिक मेन्यू प्रदर्शित करते हुए भोजन उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने कहा कि होटल के साथ ही उनके रूम की कैटेगरी तय की जाए व उसी के अनुसार खिलाडियों की वरीयता के क्रम मे आवंटन करें ताकि खिलाड़ियों को उचित व्यवस्था मिल सके। ईवेंट कंपनियां व अधिकारी आपसी समन्वय से कार्य करें तथा सभी आवश्यक जानकारियों को आपस में साझा करें ताकि किसी भी प्रकार कमी न रहने पाए। उन्होंने जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया को होटल व भोजन व्यवस्थाओं की जांच हेत टीम गठित करने के निर्देश दिए ताकि यह टीम नियमित रूप से भोजन व होटल व्यवस्थाओं की जांच कर रिपोर्ट दें। इस दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्र, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, निदेशक डेयरी व नोडल राष्ट्रीय खेल ऊधम सिंह नगर संजय कुमार, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, उपजिलाधिकारी मनीष बिष्ट, ओसी गौरव पांडे, उपनिदेशक खेल रसिका सिद्दीकी, जिला खेल अधिकारी जानकी कार्की, जिला युवा कल्याण अधिकारी बीएस रावत, ईवेंट मैनेजर मधुसूदन, सुशील, यश संपत आदि मौजूद थे।

मान ने खिलाड़ियों व उनके कोचों को दी बधाई

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने प्रदेश के तीन खिलाड़ियों राष्ट्रपति भवन में सर्वोच्च खेल पुरस्कारों से सम्मानित करने पर खिलाड़ियों और उनके कोचों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री मान ने कहा कि पंजाबियों के लिए यह बहुत गर्व की बात है कि तीन खिलाड़ियों को आज राष्ट्रपति भवन में सर्वोच्च खेल पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। भारतीय हॉकी टीम के कप्तान सरपंच हरमनप्रीत सिंह को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार के साथ-साथ सुखजीत सिंह काका और जर्मनप्रीत सिंह को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया। एक खेल प्रेमी के रूप में, मैं सभी खिलाड़ियों, उनके परिवारों और कोचों को पुरस्कारों के लिए शुभकामनाएं देता हूं और भविष्य में खिलाड़ियों से अच्छे प्रदर्शन की आशा करता हूं। हमारी सरकार पंजाब के खेलों में खोए गौरव को बहाल करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एबीवीपी एवं खेलो भारत के संयुक्त तत्वाधान में जेएनयू में 3 दिवसीय जेएनयू ओलम्पिक खेल प्रतियोगिताओं का होगा आयोजन

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् (एबीवीपी) जेएनयू इकाई एवं खेलो भारत, संयुक्त तत्वाधान में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में जेएनयू ओलिंपिक नाम से तीन दिवसीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन करने जा रही है। यह प्रतियोगिता 20 से 22 जनवरी तक चलेगी। एबीवीपी जेएनयू के कार्यकर्ता सभी छात्रों तक पहुंच कर उन्हें इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। तीन दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता का पंजीकरण आरम्भ हो चुका है और विश्वविद्यालय के अनेक छात्र छात्राओं के उत्साहपूर्ण पंजीकरण लगातार प्राप्त हो रहे हैं।

इस प्रतियोगिता में 24 विभिन्न प्रकार के खेलों का आयोजन किया जा रहा है। इसमें कई प्रकार के अन्तःकक्ष (इंडोर) खेल जैसे बैडमिंटन, टेबल टेनिस, चेस एवं कई प्रकार के बहिर्कक्ष खेल जैसे वॉलीबॉल, बास्केटबॉल आदि का आयोजन किया जा रहा है। एथलेटिक खेलों के साथ साथ खो-खो एवं कबड्डी जैसे पारम्परिक खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त रिले रेस एवं टग ऑफ़ वॉर जैसे सामूहिक खेलों का भी आयोजन किया जा रहा है। जेएनयू ओलिंपिक का मुख्य आकर्षण यह है कि इन प्रतियोगिताओं में दिव्यांग प्रतिभागियों के लिए भी प्रतिभाग हेतु विशेष आयोजन किया गया है। दिव्यांग प्रतिभागियों हेतु व्हीलचेयर रेस, शतरंज, मैराथन (विद एस्कॉर्ट) जैसे खेलों का आयोजन किया जा रहा है। विजेताओं को उपहार स्वरूप प्रमाणपत्र एवं मेडल प्रदान किये जायेंगे। इस अवसर पर एबीवीपी जेएनयू इकाई के अध्यक्ष राजेश्वरकान्त दूबे ने कहा, हमारे विश्वविद्यालय में प्रथम बार इस स्तर पर एक खेल प्रतियोगिता का आयोजन होने जा रहा है। छात्र अत्यंत उत्साहित हैं और बड़ी संख्या में पंजीकरण करवा रहे हैं। एबीवीपी जेएनयू इकाई की मंत्री शिखा स्वराज ने कहा, हमारे विश्वविद्यालय का नाम अकादमिक क्षेत्र में पहले से विख्यात है किन्तु खेल के क्षेत्र में छात्रों का प्रोत्साहन किया जाना भी बहुत आवश्यक, जिससे छात्र अपने स्वास्थ्य एवं इस सम्बन्ध में करियर के प्रति भी जागरूक होते हैं। प्रधानमंत्री के आह्वान को आगे ले जाते हुए हमें खेलों को हर विश्वविद्यालय तक ले जाना है। ऐसा संकल्प छात्र एवं सम्पूर्ण युवा वर्ग को लेने की आवश्यकता है। दिव्यांग छात्रों के लिए भी व्हील चेयर रेस, चेस , एवं मैराथन विद एस्कॉर्ट जैसी प्रतियोगिताएं का आयोजन भी इस ओलम्पिक में होगा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025: चोटिल ओसाका तीसरे दौर में बेनसिक के खिलाफ हुई रिटायर

एजेंसी

मेलबर्न। जापान की स्टार टेनिस खिलाड़ी नाओमी ओसाका ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 में महिला एकल के तीसरे दौर में स्विट्जरलैंड की बेलिंडा बेनसिक के खिलाफ अस्वस्थ होने के कारण रिटायर हो गईं। पूर्व विश्व नंबर 1 ने पहला सेट टाईब्रेक में 6-7 (3-7) से गंवा दिया और फिर असुविधा के कारण मैच से हट गईं। दो बार की ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन को पहले सेट में 6-5 के स्कोर पर ट्रेनर से अपने पेट के इलाज की आवश्यकता पड़ी, जिसे अंततः वह अपने स्विस प्रतिद्वंद्वी से टाईब्रेक में हार गईं। कुछ ही देर बाद उन्होंने बेनसिक से हाथ मिलाया और कोर्ट से बाहर चली गईं।

यह 2022 के बाद पहली बार था जब ओसाका किसी ग्रैंड स्लैम में तीसरे दौर में पहुंचीं थीं। वह पिछले कुछ समय से टेनिस से दूर थीं, उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक लिया और बाद में अपनी गर्भावस्था के दौरान टेनिस कोर्ट से दूर हो गईं।

उनकी बेटी शाई का जन्म जुलाई 2023 में हुआ था।ओसाका ने इस सीज़न की जोरदार शुरुआत की और 5 जनवरी को ऑकलैंड, न्यूजीलैंड में एक टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंची। हालाँकि, पेट की चोट के कारण खिताबी मुकाबले के दौरान उन्हें रिटायर होने के लिए मजबूर होना पड़ा।

राष्ट्रीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता में भाग लेंगे बीएनएसडी के आठ छात्र

एजेंसी

कानपुर। बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज के आठ छात्र-छात्राओं ने प्रदेशीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उनके इस उत्कर्ष प्रदर्शन से राष्ट्रीय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता का हिस्सा बनने का मौका मिला है। यह जानकारी विद्यालय के प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह ने दी। बेनाझाबर स्थित बीएनएसडी शिक्षा निकेतन इंटर कॉलेज विद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों को बेहतर शिक्षा के साथ-साथ मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत रखने के लिए खेलों के प्रति प्रेरित किया जाता है। इसी कड़ी में विद्यालय के आठ खिलाड़ियों ने अंडर 14 बालक वर्ग में मोनाक्ष, हार्दिक उत्तम, गौरांग और शौर्य एवं बालिका वर्ग में आद्या, आन्या, विधाँशी और रिसिका ने प्रदेशीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता जीतकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उनके इस बेहतर प्रदर्शन से उन्हें 68

वीं राष्ट्रीय विद्यालयीय शतरंज प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिल रहा है। महाराष्ट्र के नांदेड में होने वाली यह प्रतियोगिता 21 से 24 जनवरी तक आयोजित होगी। जिसे लेकर छात्रों के साथ-साथ विद्यालय के अध्यापकों तक अयोध्या से रवाना होंगे। विद्यालय के प्रबंधक आदित्य शंकर बाजपेयी, प्रधानाचार्य बृजमोहन कुमार सिंह, उपप्रधानाचार्य मंजूबाला श्रीवास्तव ने खिलाड़ियों (छात्र-छात्राओं) को विजयी होने का आशीर्वाद दिया।

सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में, पीवी सिंधु हारी

एजेंसी

नयी दिल्ली। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने दक्षिण कोरिया के जिन जोंग और कांग मिन ह्यूक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। वहीं भारत दिग्गज शटलर पीवी सिंधु को इंडिया ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के क्वार्टरफाइनल में ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग से हार का सामना करना पड़ा। आज यहां इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में खेले गये मुकाबले में दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु को विश्व की पांचवें नंबर की इंडोनेशिया की बैडमिंटन खिलाड़ी से 9-21, 21-19, 17-21 से हार मिली।

पहला गेम में बैडमिंटन विश्व रैंकिंग के 16वें नबंर पर काबिज पीवी सिंधु को बड़े अंतर से हार का सामना करना पड़ा। हालांकि दूसरे गेम में सिंधु ने वापसी करते हुए कांटे की टक्कर वाले गेम में 7-9 से पिछड़ने के बावजूद गेम पर पकड़ बनाए रखी। वापसी करते हुए सिंधु ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन किया और 14-10 की बढ़त हासिल की। हालांकि विपक्षी खिलाड़ी ने एक बार फिर भारतीय शटलर पर दबाव बनाया और दूसरे गेम में 14-14 से बराबरी कर ली।

इसके बाद सिंधु ने तीन अंक और हासिल किए लेकिन एक बार फिर ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग ने गेम में बराबरी कर ली। बहरहाल, गेम के अंत में सिंधु ने शानदार खेल दिखाते हुए गेम को 21-19 के स्कोर से जीत कर मैच में 1-1 की बराबरी कर ली। अंतिम और निर्णायक गेम में सिंधु ने अपनी लय बरकरार रखते हुए शानदार शुरुआत की। इस गेम में दोनों शटलरों ने अपना पूरा दम-खम लगा दिया और मुकाबला बराबरी पर चल रहा था। गेम 17-17 की बराबरी पर पहुंच चुका था और यहां से जीत किसी भी खेमे में अपनी दस्तक दे सकती थी।

आखिरी लम्हों में इंडोनेशिया की ग्रेगोरिया मारिस्का तुनजुंग ने लगातार चार अंक हासिल करते हुए गेम के साथ-साथ मैच को भी अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ही पीवी सिंधु का इस टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया।

वहीं, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने रिपब्लिक ऑफ कोरिया के जिन जोंग और कांग मिन ह्यूक को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।पहले गेम में भारतीय जोड़ी ने आक्रामक खेल का मुजाहिरा करते हुए 21-10 के बड़े अंतर से एकतरफा जीत हासिल की। इसके बाद दूसरे गेम में भी सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने अपने चित-परिचित अंदाज में शानदार प्रदर्शन किया और दूसरे गेम को भी जीत कर मैच को 21-10, 21-17 से अपने नाम कर लिया। पुरुष एकल वर्ग में भारतीय शटलर किरण जॉर्ज को जापान के वेंग होंग यांग से 13-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर पर

एजेंसी

नई दिल्ली। अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर झटका लगने वाली खबर है। विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार छठे हफ्ते गिरावट आई है। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 10 जनवरी को समाप्त हफ्ते में 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर रह गया है, जो पिछले 10 महीने का निचला स्तर है। इससे पिछले सप्ताह में यह 5.69 अरब डॉलर घटकर 634.58 अरब यूएस डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने जारी आंकड़ों में बताया कि 10 जनवरी को समाप्त हफ्ते में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 8.71 अरब डॉलर घटकर 625.87 अरब डॉलर रहा है। इस दौरान विदेशी मुद्रा भंडार का प्रमुख घटक विदेशी मुद्रा आस्तियां 9.47 अरब डॉलर घटकर 536.01 अरब डॉलर रह गईं। हालांकि, स्वर्ण भंडार का आरक्षित मूल्य 79.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 67.88 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई के मुताबिक विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) भी 3.3 करोड़ डॉलर घटकर 17.78 अरब डॉलर रहा। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 40 लाख डॉलर घटकर 4.19 अरब डॉलर रह गया। उल्लेखनीय है कि सितंबर के अंत में देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर 704.88 अरब अमेरिकी डॉलर के अबतक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। दरअसल, विदेशी मुद्रा भंडार में पिछले कुछ हफ्तों से गिरावट की वजह रुपये में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिए रिजर्व बैंक का विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ मूल्यांकन को माना जा रहा है।

वित्त मंत्री से मिले सीआईआई महानिदेशक, कई मुद्दों पर चर्चा

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच कई अहम मुद्दों पर बातचीत हुई। वित्त मंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि सीआईआई के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने नई दिल्ली स्थित नार्थ ब्लॉक में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात की। केंद्रीय बजट 2025-26 संसद में पेश होने से पहले सीआईआई महानिदेशक की यह मुलाकात अहम है। हालांकि, इसका विस्तृत ब्यौरा अभी नहीं मिला है। इस अवसर पर अन्य लोग भी मौजूद रहे।उल्लेखनीय है कि भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) सलाहकारी और परामर्श प्रक्रियाओं के जरिए उद्योग, सरकार और नागरिक समाज के साथ साझेदारी करके भारत के विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने और बनाए रखने के लिए काम करता है।

शेयर बाजार की तेजी का सिलसिला थमा, गिरावट के साथ बंद हुए सेंसेक्स और निफ्टी

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में लगातार तीन दिनों से जारी तेजी का सिलसिला आज थम गया। आज के कारोबार की मिली-जुली शुरुआत हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण शेयर बाजार में करीब 1 प्रतिशत की गिरावट आ गई। हालांकि दोपहर 11 बजे के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना कर बाजार को सहारा देने की कोशिश की, जिसकी वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की स्थिति में कुछ सुधार भी हुआ। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.55 प्रतिशत और निफ्टी 0.47 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुए। आज दिनभर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, आईटी, टेक और ऑटोमोबाइल सेक्टर के शेयरों में लगातार बिकवाली होती रही। दूसरी ओर पीएसई, रियल्टी और एनर्जी सेक्टर में लगातार खरीदारी होती रही। इसके साथ ही मेटल, फार्मास्यूटिकल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, एफएमसीजी और ऑयल एंड गैस इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में आज आमतौर पर मिला-जुला कारोबार होता नजर आया, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.04 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.01 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज शेयर बाजार में आई कमजोरी के बावजूद स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब 35 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 428.75 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। जबकि पिछले कारोबारी दिन यानी इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 428.40 लाख करोड़ रुपये था।

बीपीसीएल ने एसबीआई के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के साथ ऋण समझौते पर किये हस्ताक्षर

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन (बीपीसीएल) ने मध्य प्रदेश के बीना में अपनी रिफाइनरी के विस्तार और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स की स्थापना के वित्तपोषण के लिए भारतीय स्टेट बैंक के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम के साथ 31,802 करोड़ रुपये के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इस परियोजना की अनुमानित लागत 48,926 करोड़ रुपये है जिसका उद्देश्य 12 लाख टन प्रति वर्ष (एमएमटीपीए) एथिलीन क्रैकर इकाई वाला एक पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स स्थापित करना और रिफाइनरी की क्षमता को 7.8 एमएमटीपीए से बढ़ाकर 11 एमएमटीपीए करना है। इस विस्तार से बीपीसीएल को डाउनस्ट्रीम पेट्रोकेमिकल उत्पाद जैसे कि लीनियर लो डेंसिटी पॉलीइथिलीन (एलएलडीपीई), हाई डेंसिटी पॉलीइथिलीन (एचडीपीई), पॉलीप्रोपाइलीन (पीपी) और अन्य सुगंधित पदार्थ के उत्पादन में मदद मिलेगी जिससे भारत की आयात पर निर्भरता कम होगी।

पीयूष गोयल ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो को बताया दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटो शो

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने नई दिल्ली में भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो-2025 के उद्घाटन अवसर पर इसे दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा ऑटोमोटिव शो बताया है। उन?होंने कहा कि प्रोत्साहन, सम्मेलन और प्रदर्शनी (एमआईसीई) इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने में प्रधानमंत्री के विजन ने परिणाम दिखाना शुरू कर दिया है। गोयल ने कहा कि भारत मोबिलिटी दुनिया को भारत की कहानी दिखा रही है। नवाचार और स्थिरता अब देश में ऑटो उद्योग का फोकस है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 का उद्घाटन किया, जिसमें उन्होंने दिग्गज रतन

टाटा और ओसामु सुजुकी के योगदान को याद करते हुए कहा कि उनकी विरासत मोबिलिटी सेक्टर को प्रेरित करेगी। ये एक्सपो 22 जनवरी तक तीन प्रतिष्ठित स्थलों भारत मंडपम, नई दिल्ली, यशोभूमि, द्वारका और इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित किया जाएगा। भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो 2025 एक ऐतिहासिक आयोजन है, जिसका उद्देश्य संपूर्ण मोबिलिटी मूल्य श्रृंखला को एक छत के नीचे एकजुट करना है। उद्घाटन अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने कहा कि दिल्ली-एनसीआर में तीन स्थानों पर 2 लाख वर्ग मीटर का उपयोग भारत मोबिलिटी शो के लिए किया जा रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन मोबिलिटी सेक्टर का स्वरूप बदल रहे हैं, पहली बार ऑटो खरीदने वालों को ईवी खरीदने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत मोबिलिटी 2025 इंडिया स्टोरी को दुनिया के सामने पेश करता है, जो निवेश और हमारे निर्यात को बढ़ाने के लिए एक अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि इस एक्सपो ने मोबिलिटी इकोसिस्टम की वैल्यू चेन-ऑटोमोबाइल से लेकर ऑटो से जुड़े कंपोनेंट को एक ही छत के नीचे ला दिया है।

विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के जीर्णोद्धार को कैबिनेट की मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केन्द्र सरकार विशाखापत्तनम स्टील प्लांट का जीर्णोधार करने जा रही है। इसके लिए 11,440 करोड़ रुपये तय किए हैं। वर्तमान में कंपनी की 26 हजार करोड़ से अधिक की देनदारी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केन्द्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने इसे अपनी मंजूरी प्रदान कर दी है।

विशाखापत्तनम प्लांट को संचालित करने वाली राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटिड (आरआईएनएल) भारत सरकार के शत प्रतिशत स्वामित्व के साथ इस्पात मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है। इसकी तरल स्टील की स्थापित क्षमता 7.3 एमटीपीए है।

सरकार की खाद्य वस्तुओं की कीमतों पर है नजर : खाद्य मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार उपभोक्ताओं के लिए जरूरी खाद्य वस्तुओं की उपलब्धता और कीमतों पर कड़ी निगरानी रख रही है, ताकि उपभोक्ताओं को उनकी सामर्थ्य के अनुसार खाद्य वस्तुएं उपलब्ध हो सकें तथा मूल्य व्यवस्था स्थिर बनी रहे। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि उपभोक्ताओं और किसानों के हित में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए केंद्र सरकार समय रहते और पहले से ही निर्णय ले रही है। आवश्यक खाद्य वस्तुओं की समग्र उपलब्धता और सामर्थ्य सुनिश्चित करने के लिए घरेलू उत्पादन को प्रोत्साहित करने, आयात और निर्यात नीतियों जैसे उपाय किए जा रहे हैं।

मंत्रालय के मुताबिक सरकार उपभोक्ताओं और किसानों के हित में मूल्य स्थिरता बनाए रखने के लिए समय पर निर्णय ले रही है। अच्छी मानसूनी बारिश और अनुकूल मौसम के कारण फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में दालों और प्याज का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ने का अनुमान

है। वहीं, 2024-25 में तुअर उत्पादन 35.02 लाख टन होने का अनुमान है, जो पिछले फसल वर्ष के 34.17 लाख टन उत्पादन से 2.5 फीसदी अधिक है।

खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय के मुताबिक कृषि मंत्रालय ने तुअर की खरीद के लिए मंजूरी जारी कर दी है। वहीं, मंत्रालय को अधिक बुवाई के कारण खरीफ और देर खरीफ प्याज का उत्पादन अच्छा रहने का अनुमान है। इसी तरह रबी प्याज की बुवाई भी अच्छी चल रही है। गौरतलब है कि खाद्य मुद्रास्फीति अक्टूबर के 10.87 फीसदी के मुकाबले घटकर दिसंबर 2024 में 8.39 फीसदी हो गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में 6 पैसे की गिरावट, 86.61 के स्तर पर बंद हुआ रुपया

एजेंसी

नई दिल्ली। डॉलर इंडेक्स में आई तेजी, स्टॉक मार्केट में आई कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के कारण भारतीय मुद्रा में डॉलर की तुलना में 6 पैसे की गिरावट आ गई। भारतीय मुद्रा आज डॉलर के मुकाबले 86.61 रुपये के स्तर पर बंद हुई। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन गुरुवार को भारतीय रुपया 86.55 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। मुद्रा बाजार में आज भारतीय रुपया दो पैसे की कमजोरी के साथ 86.57 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर खुला। दिन के कारोबार में रुपया मजबूत होकर 86.55 के स्तर तक पहुंचा, वहीं डॉलर की मांग बढ़ जाने पर भारतीय मुद्रा 86.63 रुपये के स्तर तक टूट भी गई। अंत में भारतीय मुद्रा ने दिन के निचले स्तर से दो पैसे की रिकवरी करके 86.61 रुपये प्रति डॉलर के स्तर पर आज के कारोबार का अंत किया। मुद्रा बाजार के जानकारों का मानना है कि डॉलर इंडेक्स में आई तेजी और कच्चे तेल की कीमत में आए उछाल के कारण आज रुपये पर दबाव बढ़ गया। इसी तरह घरेलू शेयर बाजार में विदेशी निवेशकों ने बिकवाली का दबाव बनाकर अपना पैसा निकालने की कोशिश की, इसलिए डॉलर की मांग

तेज होने की वजह से रुपये पर दबाव बढ़ गया। हालांकि, दिन के दूसरे सत्र में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों के स्टॉक मार्केट में लिवाली करने की वजह से डॉलर की मांग में कमी आई, जिसके कारण रुपया भी निचले स्तर से दो पैसे की रिकवरी करने में सफल रहा। मार्केट एक्सपर्ट अंशुमान चौधरी का कहना है कि अमेरिकी ट्रेजरी यील्ड में आई गिरावट की वजह से आज डॉलर इंडेक्स 108.96 के स्तर से बढ़कर 109.25 के स्तर तक पहुंच गया। इस वजह से भारतीय मुद्रा समेत ज्यादातर देशों की मुद्राओं पर दबाव बढ़ गया। अंशुमान चौधरी का मानना है कि ग्लोबल मार्केट की कमजोरी और कच्चे तेल की कीमत में लगातार आ रही तेजी के कारण आने वाले दिनों में रुपये पर लगातार दबाव की स्थिति बनी रह सकती है। इसके साथ ही इंपोर्ट्स की ओर से भी डॉलर की मांग में तेजी आने की उम्मीद बनी हुई है। ऐसी स्थिति में अगर भारतीय रिजर्व बैंक रुपये को सपोर्ट करने के लिए मुद्रा बाजार में डॉलर का प्रवाह बढ़ा दे, तो रुपये की कीमत को काफी सहारा मिल सकता है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक ब्रुसेल्स का करेंगे दौरा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक ब्रुसेल्स के दौरे पर जाएंगे। पीयूष गोयल की यह यात्रा यूरोपीय संघ के साथ व्यापार और निवेश संबंधों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी बयान में बताया गया है कि केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल 18 से 20 जनवरी तक बेल्जियम के ब्रुसेल्स आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे यूरोपीय व्यापार एवं आर्थिक सुरक्षा आयोग के आयुक्त मारोस शेफकोविक के साथ उच्च स्तरीय वार्ता में भाग लेंगे। मंत्रालय के मुताबिक केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री की यह यात्रा इस बात को रेखांकित करती है कि भारत यूरोपीय संघ (ईयू) के साथ अपने व्यापार और निवेश संबंधों को कितना महत्व देता है, जो हमारे सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार वित?त वर्ष 2023-2024 में 180 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है। इसके साथ ही ईयू प्रत्यक्ष

विदेशी निवेश का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत है, जिसका कुल एफडीआई 117.34 अरब अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।

सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएगी: जयंत चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय कौशल विकास और उद्यमिता राज्य मंत्री जयंत चौधरी ने कहा कि सौर ऊर्जा से चलने वाली कौशल वैन वंचित समुदायों को सशक्त बनाएंगी। सोलर कम्युनिटी हब मोबाइल वैन प्रशिक्षण इकाइयों को हरी झंडी दिखाने के बाद उन्होंने संबोधन में यह बात कही।

जयंत चौधरी ने कहा कि यह परिवर्तनकारी पहल राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी), लर्निंग लिंक्स फाउंडेशन, डेल टेक्नोलॉजीज और स्थानीय हितधारकों के बीच एक सहयोगात्मक प्रयास है। चौधरी ने कहा, सौर ऊर्जा से चलने वाली ये मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां शिक्षा और अवसरों को सीधे वंचित समुदायों के दरवाजे तक पहुंचाकर उन्हें सशक्त बनाने के लिए अभिनव दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती हैं। चौधरी ने क्यूएस वर्ल्ड फ्यूचर स्किल्स इंडेक्स 2025 रैंकिंग में भारत को दूसरा स्थान

मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ग्रीन टेक्नोलॉजी जैसे परिवर्तनकारी क्षेत्रों में हमारे देश की नेतृत्व क्षमता को दर्शाती करती है। इस कार्यक्रम में कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के सचिव अतुल कुमार तिवारी तथा एनएसडीसी के सीईओ एवं एनएसडीसी इंटरनेशनल के एमडी वेद मणि तिवारी भी उपस्थित थे।उल्लेखनीय है कि सोलर कम्युनिटी हब सौर ऊर्जा से चलने वाली अत्याधुनिक मोबाइल प्रशिक्षण इकाइयां हैं, जिन्हें वंचित समुदायों को प्रभावशाली कौशल प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। यह कार्यक्रम सोलर कम्युनिटी हब की राष्ट्रव्यापी तैनाती की शुरुआत का प्रतीक है, जिसमें सिक्किम, आंध्र प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र के जिलों में संचालित होने वाली सात वैन शामिल हैं। वित्त वर्ष 2025 में इस कार्यक्रम का विस्तार सात नए जिलों तक किया जाएगा। इससे समुदाय के युवाओं, छात्रों, महिलाओं तथा बुजुर्गों सहित अतिरिक्त 58 लाख लोगों के लाभान्वित होने की उम्मीद है।

भारत सेमीकंडक्टर मिशन, सीजी पावर और सीजी सेमी ने वित्तीय सहायता समझौते पर हस्ताक्षर किए

एजेंसी

नई दिल्ली। एक मजबूत सेमीकंडक्टर विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने की भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण प्रगति को चिह्नित करते हुए भारत सेमीकंडक्टर मिशन, सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड और सीजी सेमी प्राइवेट लिमिटेड द्वारा एक वित्तीय सहायता समझौते (एफएसए) पर हस्ताक्षर किए गए। यह सीजी की ओएसएटी सुविधा के माध्यम से अपने सेमीकंडक्टर विनिर्माण को मजबूत करने के भारत के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र के विकास के लिए संशोधित कार्यक्रम के तहत अनुमोदित किया गया था। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने बताया कि सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड गुजरात के साणंद में अपनी

सेमीकंडक्टर ओएसएटी इकाई स्थापित कर रही है। यह रेनेसास इलेक्ट्रॉनिक्स अमेरिका इंक. और स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स (थाईलैंड) पब्लिक कंपनी लिमिटेड के साथ साझेदारी में है। इसमें कुल निवेश लगभग 7,600 करोड़ रुपये (परियोजना) है। इस परियोजना को भारत सेमीकंडक्टर मिशन से पात्र पूंजीगत व्यय के लिए समतुल्य आधार पर 50 प्रतिशत राजकोषीय सहायता का लाभ मिलेगा, जो वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में भारत की स्थिति को मजबूत करने के लिए भारत सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। सचिव एस कृष्णन ने रेखांकित किया कि भारत सरकार एफएसए पर हस्ताक्षर के साथ परियोजना के कार्यान्वयन के हर चरण में समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने घरेलू बौद्धिक संपदा और बाजार विकास के महत्व पर जोर देते हुए क्षेत्र की बारीकियों को गहराई से समझने और उनकी तेज प्रगति के लिए सीजी पावर की सराहना की। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सीजी पावर भविष्य में इलेक्ट्रॉनिक्स मूल्य श्रृंखला में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाएगा और 2030 तक इलेक्ट्रॉनिक्स में 500 बिलियन डॉलर के उत्पादन लक्ष्य तक पहुंचने के भारत के लक्ष्य में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

महाराष्ट्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस 19 जनवरी को दावोस जाएंगे

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस 19 जनवरी की सुबह मुम्बई से दावोस जाएंगे। दावोस में 20 से 24 जनवरी तक मुख्यमंत्री विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में लेंगे। यह जानकारी सूत्रों ने दी। जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री फडणवीस का दावोस दौरा कई बड़े कार्यक्रमों से भरा हुआ है। वह विश्व के कई नेताओं से मुलाकात करेंगे। इस दौरे में उनके साथ उद्योग मंत्री उदय सामंत, एमआईडीसी, एमएमआरडीए और सिडको के अधिकारी भी होंगे। इस दौरे में डेटा सेंटर, ऑटोमोबाइल, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), इलेक्ट्रॉनिक्स, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, कपड़ा उद्योग, दवा निर्माण और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में कई महत्वपूर्ण समझौतों (एमओयू) पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। इस दौरे का उद्देश्य

महाराष्ट्र को 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए निवेश आकर्षित करना तथा बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा करना है। इस बारे में प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा कि महाराष्ट्र में निवेश लाने और बुनियादी ढांचे का विकास करते समय उनकी सरकार ने हमेशा संतुलित और क्षेत्रीय विकास पर ध्यान केंद्रित किया है। दावोस दौरे का मुख्य उद्देश्य महाराष्ट्र के सभी क्षेत्रों और जिलों में निवेश लाना है, जिससे सभी के लिए समान विकास सुनिश्चित हो सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि महाराष्ट्र को वैश्विक निवेश का प्रमुख केंद्र बनाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम होगा।

डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस का आईपीओ 22 जनवरी को खुलेगा, प्राइस बैंड 279-294 रुपये प्रति शेयर

मुंबई/नई दिल्ली। जल एवं अवसंरचना समाधान कंपनी डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) निवेशकों के लिए 22 जनवरी, 2025 को खुलेगा। कंपनी ने इसके लिए मूल्य का दायरा (प्राइस बैंड) 279-294 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इसके शेयर बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई पर 29 जनवरी को लिस्ट होगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का आईपीओ 22 जनवरी को सब्सिक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 24 जनवरी, 2025 को बंद होगा। एंकर निवेशक इसमें 21 जनवरी को दांव लगा पाएंगे। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस ने कहा कि 10 रुपये अंकित मूल्य वाले इस इश्यू में निवेशक न्यूनतम 50 इक्विटी शेयरों और उसके बाद 50 इक्विटी शेयरों के गुणकों में बोली लगा सकते हैं। डेंटा वाटर एंड इंफ्रा सॉल्यूशंस लिमिटेड का यह आईपीओ पूरी तरह से 75 लाख इक्विटी शेयरों का एक नया निर्गम है, जिसमें बिक्री के लिए कोई प्रस्ताव नहीं है। इसकी कीमत मूल्य बैंड के ऊपरी छोर पर 220.5 करोड़ रुपये है। कंपनी नए निर्गम से 150 करोड़ रुपये की इनकम का उपयोग कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा।

देश की डिजिटल भुगतान क्रांति में सबसे आगे यूपीआई, दिसंबर में 16.73 बिलियन लेनदेन का रिकॉर्ड हिट

एजेंसी

नई दिल्ली। हाल के वर्षों में भारत ने डिजिटल लेन-देन में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है, जो कैशलेस समाज बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। भारत की डिजिटल भुगतान क्रांति में सबसे आगे यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफ़ेस (यूपीआई) है, जिसने दिसंबर 2024 में 16.73 बिलियन लेन-देन का रिकॉर्ड हिट बनाया है। इसके अलावा तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) और एनईटीसी फास्टैग वित्तीय लेन-देन को तेज़, अधिक सुलभ और सुरक्षित बनाने वाले प्रमुख खिलाड़ी के रूप में उभरे हैं। वित्त मंत्रालय के अनुसार नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के हालिया डेटा के अनुसार यूपीआई ने 16.73 बिलियन से अधिक लेन-देन संसाधित करके एक नया रिकॉर्ड बनाया है, जिसमें 23.25 लाख करोड़ रुपये का चौंका देने वाला लेनदेन मूल्य है। यह नवंबर में 21.55 लाख करोड़ रुपये से उल्लेखनीय उछाल है। 2024 में यूपीआई ने लगभग 172 बिलियन लेन-देन संसाधित किए, जो 2023 में 117.64 बिलियन से 46 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह वृद्धि वित्तीय समावेशन की ओर एक व्यापक सांस्कृतिक बदलाव को रेखांकित करती है, जिसमें यूपीआई एक केंद्रीय स्तंभ है। यूपीआई ने मोबाइल लेन-देन के क्षेत्र में अपना दबदबा कायम रखा है। आईएमपीएस लंबे समय से खातों के बीच तत्काल भुगतान के लिए एक विश्वसनीय सेवा रही है। 2010 में लॉन्च की गई तत्काल भुगतान सेवा (आईएमपीएस) एक वास्तविक समय, 24×7 इलेक्ट्रॉनिक फंड ट्रांसफर सेवा है, जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों में त्वरित लेनदेन की सुविधा प्रदान करती है। मोबाइल, एटीएम, एसएमएस और इंटरनेट सहित कई चैनलों के माध्यम से लेन-देन का समर्थन करने में इसकी बहुमुखी प्रतिभा ने इसे व्यवसायों और व्यक्तियों दोनों के लिए एक आवश्यक उपकरण बना दिया है। हाल के आंकड़ों से पता चलता है कि आईएमपीएस लेन-देन में उछाल आया है, दिसंबर 2024 में 441 मिलियन लेन-देन दर्ज किए गए, जबकि नवंबर 2024 में 407.92 मिलियन लेन-देन दर्ज किए गए थे। लेन-देन मूल्य में भी उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई, जो दिसंबर में 6.01 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो पिछले महीने 5.58 लाख करोड़ रुपये था। एक अन्य महत्वपूर्ण डिजिटल भुगतान विधि, जिसका महत्व बढ़ गया है, वह है एनईटीसी फास्टैग। नेशनल इलेक्ट्रॉनिक टोल कलेक्शन (एनईटीसी) फास्टैग राष्ट्रीय राजमार्गों पर टोल का भुगतान करने का एक सहज कैशलेस तरीका प्रदान करता है, जिससे वाहनों को टोल प्लाजा पर रुकने की आवश्यकता समाप्त हो जाती है। फास्टैग को बैंक खाते (चाहे वह बचत, चालू या प्रीपेड हो) से जोड़कर चालक चलते-फिरते अपने टोल का भुगतान कर सकते हैं, जिससे समय और ईंधन दोनों की बचत होती है। नवंबर में 358.84 मिलियन के मुकाबले दिसंबर में फास्टैग लेन-देन की मात्रा बढ़कर 381.98 मिलियन हो गई। नवंबर में 6,070 करोड़ रुपये के मुकाबले इसका मूल्य भी बढ़कर 6,642 करोड़ रुपये हो गया।

इमरान खान और बुशरा बीबी को अल-कादिर ट्रस्ट केस में 14 और सात साल जेल की सजा

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बहुचर्चित अल-कादिर ट्रस्ट केस में आखिरकार आज अदालत ने फैसला सुना दिया। इस केस में अपदस्थ प्रधानमंत्री और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी पर करीब 50 अरब रुपयों (लगभग 190 मिलियन पाउंड) की हेराफेरी करने का आरोप है। अदालत ने इमरान खान को 14 साल और बुशरा को सात साल जेल की सजा सुनाई। इमरान लंबे समय से रावलपिंडी सेंट्रल जेल (अदियाला जेल) में बंद हैं।

डॉन समाचार पत्र की खबर के अनुसार, इस्लामाबाद की भ्रष्टाचार विरधी अदालत के जज नासिर जावेद राणा ने अदियाला जेल में बनाए गए एक अस्थायी अदालत कक्ष में फैसले की घोषणा की। अदालत ने इमरान और बुशरा पर क्रमशः 10 लाख रुपये और 5 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया। फैसले के मद्देनजर अदियाला जेल के बाहर सुरक्षा का कड़ा इंतजाम किया गया। आम चुनाव के फौरन बाद 27 फरवरी, 2024 को इस मामले में दंपति को दोषी ठहराया गया था। आज फैसला आने से पहले अदियाला जेल के बाहर मीडिया से बातचीत में पीटीआई अध्यक्ष बैरिस्टर गौहर अली खान ने कहा, आप पिछले दो वर्षों में हुए अन्याय का अनुमान लगा सकते हैं। अगर निष्पक्ष फैसला हुआ तो इमरान और बुशरा बरी हो जाएंगे।

एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट मिशन फेल

टेक्सास। अमेरिकी अरबपति एलन मस्क की अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स का स्टारशिप रॉकेट मिशन फेल हो गया। स्पेसएक्स ने कहा कि गुरुवार को उड़ान भरने के बाद ही दिक्कतें पेश आने लगी थीं। इस वजह से मिशन का अगला चरण पूरा नहीं हो पाया। स्पेसएक्स ने इस विफलता पर बयान जारी किया है। कंपनी ने कहा कि स्पेसएक्स ने सुबह अपने स्टारशिप रॉकेट को लॉन्च किया। लॉन्चिंग के कुछ देर बाद अंतरिक्षयान का स्पेसएक्स से संपर्क टूट गया और तबाह होने के बाद अंतरिक्षयान का मलबा हवा में फैल गया। एलन मस्क ने इसका वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया और लिखा कि सफलता अनिश्चित है, लेकिन मनोरंजन की गारंटी है। यह स्टारशिप रॉकेट की सातवीं परीक्षण उड़ान थी। स्पेसएक्स के मिशन कंट्रोल के कम्युनिकेशन मैनेजर ने कहा कि स्टारशिप से संचार टूटने की वजह ऊपरी चरण में हुई तकनीकी खामी रही। कुछ मिनट बाद ही अंतरिक्षयान पूरी तरह से नष्ट हो गया और उसका मलबा आकाश में बिखर गया।

इजरायल ने गाजा में बंधकों को मुक्त कराने के लिए संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दी

यरूशलम। इजरायल सरकार ने एक लंबी कैबिनेट बैठक के बाद गाजा पट्टी में उसके बंधकों की रिहाई के उद्देश्य से संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी दे दी। प्रधानमंत्री कार्यालय की ओर से आज यह जानकारी दी गयी। कैबिनेट बैठक में 24 मंत्रियों ने पक्ष में और आठ ने विपक्ष में मतदान किया। यह समझौता रविवार से प्रभावी होने की उम्मीद है। गाजा में बंद तीन इजराइली महिलाओं और 95 फिलिस्तीनी कैदियों को समझौते के पहले चरण के तहत कल रिहा किया जाना है। इजरायल प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने बैठक में कहा कि उन्हें अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आश्वासन दिया है कि उनके पदभार ग्रहण करने के बाद इजरायल को रोकी गई हथियारों की आपूर्ति मिलेगी।

श्री नेतन्याहू ने कहा, यह महत्वपूर्ण है क्योंकि अगर हम समझौते के दूसरे चरण तक नहीं पहुंचते हैं, तो हमारे पास लड़ाई में वापस लौटने के लिए अतिरिक्त उपकरण होंगे। समझौते के उल्लंघन की स्थिति में श्री ट्रम्प इजराइल को युद्ध में वापस लौटने के लिए पूरा समर्थन दे रहे हैं। गौरतलब है कि इजरायल की प्रतिबंधित सुरक्षा कैबिनेट द्वारा गाजा में बंधकों के लिए संघर्ष विराम समझौते के पक्ष में मतदान करने के बाद पूर्ण कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। हालांकि दो दक्षिणपंथी मंत्रियों, इतामार बेन-ग्वीर और बेज़ेल स्मोट्रिच ने समझौते का विरोध किया और समझौते के पहले चरण के पूरा होने के बाद गाजा में लड़ाई फिर से शुरू करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की मांग की। संघर्ष विराम के बाद हमास 33 इजरायली बंधकों को रिहा करेगा।

श्रीलंका पुलिस के इतिहास में अबतक की सबसे बड़ी ड्रग मनी बरामद

कोलंबो। श्रीलंका में पुलिस नारकोटिक्स ब्यूरो (पीएनबी) ने कुरुनेगला क्षेत्र में 283 मिलियन रुपये से अधिक नकद जब्त किए, जो श्रीलंकाई पुलिस के इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी राशि है। डेली मिरर ने एक रिपोर्ट में कहा कि अनुमान है कि यह पैसा मादक पदार्थों की तस्करी से प्राप्त हुआ है, जिसे दो वाहनों के साथ एक घर में छिपाकर रखा गया था। कार्यवाहक पुलिस महानिरीक्षक प्रियंथा वीरसूर्या ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह पैसा जेल के अंदर से काम करने वाले एक मादक पदार्थ तस्कर का है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने इस बरामदगी के बारे में कुरुनेगला मजिस्ट्रेट अदालत को सूचित कर दिया है।

अमेरिकी में चीन की कंपनी को बड़ा झटका, सुप्रीम कोर्ट से टिकटॉक पर प्रतिबंध को हां

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने चीन के सोशल मीडिया ऐप टिकटॉक की विदाई का रास्ता साफ कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक पर प्रतिबंध लगाने वाले कानून को बरकरार रखा। रविवार को कानून लागू होने पर इसे ऐप स्टोर से हटा दिया जाएगा। संयुक्त राज्य अमेरिका में टिकटॉक लोकप्रिय ऐप है। अमेरिका में 170 मिलियन से अधिक लोग इसका का प्रयोग करते हैं। सीबीएस न्यूज चैनल के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने आमराय से यह फैसला सुनाया। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के बाइडेन प्रशासन के प्रतिबंध कानून के प्रावधानों को चुनौती देने वाली याचिका का निपटारा करते हुए कहा कि प्रावधान किसी भी तरह के अधिकारों का उल्लंघन नहीं करते। सुप्रीम कोर्ट ने टिकटॉक के खिलाफ निचली अदालत के फैसले को बरकरार रखा। व्हाइट हाउस ने सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद कहा कि

बाइडेन प्रशासन रविवार को प्रतिबंध लागू नहीं करेगा और इसे ट्रंप प्रशासन पर निर्णय लेने के लिए छोड़ देगा। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि वह टिकटॉक पर निर्णय लेने से पहले स्थिति की समीक्षा करेंगे। फैसले के बाद टिकटॉक ने कहा कि हाउस और न्याय विभाग यह स्पष्ट नहीं कर सके कि ऐप पर प्रतिबंध क्यों जरूरी है। वह भी तब, जब 170 मिलियन से अधिक अमेरिकी इसका प्रयोग करते हैं। दुर्भाग्य से टिकटॉक 19 जनवरी को अंधेरे में गुम हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, प्रतिबंध के चुनौतीपूर्ण प्रावधान महत्वपूर्ण सरकारी हित को आगे बढ़ाते हैं। इनका अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता से कोई लेना-देना नहीं है। अदालत ने कहा कि अब टिकटॉक या तो इसे बेच देगा या प्रतिबंध का सामना करेगा। चीन के इस ऐप के अमेरिकी उपयोगकर्ताओं के व्यक्तिगत डेटा तक पहुंच प्राप्त करने से रोकने के लिए ऐसा जरूरी है। कानून के अनुसार टिकटॉक को या तो अपनी मूल कंपनी बाइटडांस से अलग होना होगा या 19 जनवरी से अमेरिकी ऐप स्टोर और होस्टिंग सेवाओं से अलग होना होगा। उल्लेखनीय है कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अदालत से कानून के कार्यान्वयन को रोकने का आग्रह किया था। ट्रंप 20 जनवरी को दूसरे कार्यकाल के लिए शपथ लेंगे। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने पर ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि यह अपेक्षित था और सभी को इसका सम्मान करना चाहिए। सनद रहे सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में टिकटॉक को जीवन का अविभाज्य हिस्सा घोषित करने से भी इनकार कर दिया है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, बाइटडांस ने अमेरिका में इस लड़ाई को जनता के माध्यम से लड़ने की योजना बनाई है।

श्रीलंका ने अंडर वर्ल्ड सरगना पोडी लेस्सी को भारत से सौंपने का किया आग्रह

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका का अंडर वर्ल्ड सरगना अरुमहंडी जेनिथ मदुशंका सिल्वा उर्फ पोडी लेस्सी भारत में पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। श्रीलंका ने आधिकारिक रूप से भारत से उसे सौंपने का आग्रह किया है। लेस्सी को 16 जनवरी को मुंबई में गिरफ्तार किया गया। जेनिथ मदुशंका डी सिल्वा उर्फ पोडी लेस्सी कुख्यात ड्रग तस्कर है। वह श्रीलंका में संगठित अपराधियों के गिरोहों का नेतृत्व करता है। स्थानीय समाचार पत्र डेली न्यूज के अनुसार, श्रीलंका की कार्यवाहक आईजीपी प्रियंता वीरसूर्या ने भारत से आधिकारिक तौर पर पोडी लेस्सी को सौंपने का अनुरोध किया है। उन्होंने नई दिल्ली स्थित श्रीलंकाई उच्चायोग से इस संबंध में भारतीय अधिकारियों से समन्वय स्थापित करने को कहा है। श्रीलंका पुलिस के प्रवक्ता बुद्धिका मनतुंगा ने कहा कि पोडी लेस्सी को पिछले साल नौ दिसंबर को बालापिटिया मजिस्ट्रेट की अदालत से सशर्त जमानत मिलने पर जेल से रिहा किया गया था। अदालत ने उसकी विदेश यात्रा पर रोक लगा दी थी। पुलिस प्रवक्ता ने बताया

कि लेस्सी चकमा देकर देश से भाग गया। कुछ दिन बाद उसके भारत में होने की सूचना मिली। इसे इंटरपोल के साथ से साझा कर भारतीय अधिकारियों से सहायता मांगी गई थी।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति येओल की औपचारिक गिरफ्तारी पर अदालत का फैसला संभव

एजेंसी

सियोल। दक्षिण कोरिया में पिछले महीने मार्शल लॉ की अल्पकालिक घोषणा कर कानूनी और राजनीतिक संकट में फंसे राष्ट्रपति यून सुक येओल की औपचारिक गिरफ्तारी पर न्यायालय का फैसला रात तक आ सकता है। सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय में इस पर दोपहर दो बजे सुनवाई शुरू होनी है। दो कोरिया टाइम्स की खबर के अनुसार, उच्च-रैंकिंग अधिकारियों के लिए गठित देश के भ्रष्टाचार जांच कार्यालय (सीआईओ) ने सियोल पश्चिमी जिला न्यायालय से येओल के खिलाफ औपचारिक गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आग्रह (लिखित आवेदन) किया है। सीआईओ के आवेदन पर न्यायालय पहले समीक्षा करेगा। यदि येओल को औपचारिक गिरफ्तार करने का आदेश आता है तो कोरिया के संवैधानिक इतिहास में

ऐसा पहली बार होगा। और येओल औपचारिक रूप से गिरफ्तार होने वाले देश के पहले मौजूदा राष्ट्रपति बन जाएंगे। यदि सीआईओ के आग्रह को अस्वीकार कर दिया जाता है तो उम्मीद है कि येओल की राष्ट्रपति आवास पर वापसी हो जाएगी। येओल की कानूनी टीम ने कहा कि वह अदालत की सुनवाई में शामिल होगी।

इस समय येओल सीआईओ की हिरासत में हैं। सीआईओ पुलिस और सेना के साथ एक संयुक्त जांच दल का नेतृत्व कर रहा है। येओल ने तीन दिसंबर को थोड़े समय के लिए मार्शल लॉ लागू करके देश को चौंका दिया था। इसके बाद से दक्षिण कोरिया में राजनीतिक उथल-पुथल मची हुई है। 14 दिसंबर को नेशनल असेंबली उनके खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इसके बाद राष्ट्रपति की शक्तियां निलंबित की जा चुकी हैं।

व्हाइट हाउस पर हमले के प्रयास में भारतीय युवक को आठ साल की कैद

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका की अदालत ने व्हाइट हाउस पर हमले की योजना बनाने के आरोपित भारतीय युवक को आठ साल कैद की सजा सुनाई है। युवक पर आरोप है कि उसने डेढ़ साल पहले भाड़े के ट्रक से व्हाइट हाउस पर हमले की योजना बनाई थी। साथ ही अमेरिका की सरकार को उखाड़ फेंककर नाजी विचारधारा से प्रेरित शासन लाने का प्रयास भी किया था। दोष सिद्ध युवक के पास अमेरिका की स्थाई नागरिकता है और वह ग्रीन कार्ड धारक भी है। मूलरूप से कर्नाटक के चंदनगर निवासी साईं वर्शित कंडुला पिछले चार साल से अमेरिका में रह रहा है। आरोप है कि 22 मई 2023 को उसने वाशिंगटन में एक ट्रक किराए पर लिया। इसके बाद रात 9.30 बजे उसने व्हाइट हाउस और राष्ट्रपति पार्क की सुरक्षा में लगे बैरियर से ट्रक को टक्कर मार दी। पहली बार टक्कर मारने के बाद उसने ट्रक को पीछे लिया और दोबारा

टक्कर मारने की कोशिश की लेकिन दूसरी कोशिश में ट्रक खराब हो गया। इसके बाद युवक चालक सीट से उतर कर ट्रक के पीछे आया। उसने एक नाजी फ्लैग निकाला और उसे लहराना शुरू कर दिया। तभी अमेरिका सीक्रेट सर्विस के अफसरों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। न्यूयार्क टाइम्स के मुताबिक सुनवाई के बाद अदालत ने माना कि साईं वर्शित कंडुला ने हमला अमेरिका की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार को उखाड़ फेंकने की साजिश तो रची ही, वहीं नाजी विचारधारा से प्रेरित तानाशाही शासन लाने का प्रयास भी किया था।

चीन ने दुनिया से अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को अंतरिक्ष में पहुंचाया

एजेंसी

बीजिंग। दुनिया से अलग-थलग पड़े पाकिस्तान को चीन ने अंतरिक्ष तक पहुंचा दिया। चीन ने पाकिस्तान के पीआरएससी-ई1 उपग्रह के साथ दो और उपग्रह लॉन्च किए। इनका सफल प्रक्षेपण जिउक्वान उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से किया गया।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के अनुसार पाकिस्तान के उपग्रह पीआरएससी-ईओ1 को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 बजकर सात मिनट पर चीन के मालवाहक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट से प्रक्षेपित किया गया। चीन का यह मालवाहक लॉन्ग मार्च-2डी वाहक रॉकेट अपने साथ दो और उपग्रह तियानलू-1 और लांतान-1 को भी ले गया है। चीन का यह प्रक्षेपण लॉन्ग मार्च वाहक रॉकेट सीरीज से जुड़ा 556वां उड़ान मिशन है। पाकिस्तान का यह सैटेलाइट धरती की निगरानी करेगा। साथ ही पाकिस्तान की स्पेस एजेंसी सुपार्को के लिए काम करेगा। हाल के वर्षों में चीन ने पाकिस्तान के कई उपग्रह लॉन्च किए हैं। इनमें पीआएससी-1 भी है। यह पाकिस्तान का पहला ऑप्टिकल रिमोट सेंसिंग उपग्रह है। दूसरा पीएकेटीईएस 1ए है। यह रिमोट सेंसिंग उपग्रह है। इसे 2018 में लॉन्च किया गया था। इसका निर्माण सुपार्को ने किया था। यह उपग्रह अभी भी काम कर रहा है। चीन ने पाकिस्तान के पहले चंद्र मिशन में भी मदद की है। उसने अपने मून मिशन चांग ए-6 के अंतर्गत पाकिस्तान के आईसीयूबीई-क्यू को चंद्रमा की सतह की तस्वीरें लेने और चुंबकीय क्षेत्र के डेटा को इकट्ठा करने के लिए भेजा था। आईसीयूबीई-क्यू एक तरह का नैनोसैटेलाइट है। इसके अलावा चीन 30 मई, 2024 को पाकिस्तान के संचार उपग्रह पीएकेएसएटी-एमएम 1 को भी लॉन्च कर चुका है।

नेपाल सरकार की तरफ से दो बड़ी हाइड्रोपावर परियोजना चीन की कंपनी को देने की तैयारी

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के दो बड़े हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट को चीन की कंपनी को सौंपने के लिए उसकी प्रक्रिया को ही रद्द कर दिया गया है। नेपाली कंपनियों द्वारा इन दो परियोजना को बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंचने के बाद रोक दी गई। ऊर्जा मंत्रालय की तरफ से सूचना जारी करते हुए 1902 मेगावाट के मुगु कर्णाली हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट और 454 मेगावाट की किमाथांका अरूण हाईड्रोपावर प्रोजेक्ट की प्रक्रिया को रद्द कर दिया है। इन दोनों हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का टेंडर आवंटित करने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी थी लेकिन सरकार ने अचानक आज इसकी प्रक्रिया रद्द कर दी।ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने बताया कि इन दोनों ही हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट के लिए आवंटित टेंडर को रद्द कर फिर से इसकी प्रक्रिया शुरू

की गयी है ताकि नए निवेशकों को इससे जोड़ा जा सके। मंत्री ने बताया कि नेपाली कंपनियों की तरफ से जो रकम और राजश्व सहित कुछ और सुविधाएं सरकार को मिलनी चाहिए थी वो पर्याप्त नहीं थी। उन्होंने संकेत दिया कि इन दोनों परियोजनाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए प्रतिस्पर्द्धा को खोल दिया जाएगा ताकि नेपाल सरकार को आर्थिक फायदा होने के साथ मुफ्त में अधिक यूनिट बिजली मिले और कुछ वर्षों बाद ये सरकार के अधीन आ जाए। दोनों ही परियोजनाओं का टेंडर सत्तापक्ष के ही सांसदों की कंपनी को आवंटित किया गया था। ये सभी नेपाली कांग्रेस के सांसद थे लेकिन प्रधानमंत्री के हस्तक्षेप के बाद इसे रद्द किया गया है। इनमें कांग्रेसी सांसद विनोद चौधरी की कंपनी सीजी एनर्जी को 902 मेगावाट वाली मुगु कर्णाली और कांग्रेस के ही सांसद सुनील शर्मा तथा इसी पार्टी के केन्द्रीय कोषाध्यक्ष उमेश श्रेष्ठ की संयुक्त कंपनी को किमाथांका अरुण हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट बनाने के लिए टेंडर मिला था। कांग्रेसी सांसद सुनील शर्मा ने प्रधानमंत्री केपी ओली पर सीधा आरोप लगाते हुए कहा कि चीन की कंपनी को यह परियोजना देने के लिए प्रक्रिया को रद्द किया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार के इस फैसले के खिलाफ वो अदालत जाएंगे। हाल ही में प्रधानमंत्री ओली की चीन यात्रा के समय चीन और नेपाल के बीच हाइड्रोपावर में निवेश पर सहमति बनी थी और चीनी पक्ष इन दोनों ही परियोजनाओं में निवेश में दिलचस्पी दिखाई।

ओली सरकार के खिलाफ एकजुट हुआ विपक्ष, प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग

एजेंसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को सत्ता से हटने के लिए विपक्षी दलों ने नया गठबंधन बनाया है। इस गठबंधन ने ओली को इतिहास का सर्वाधिक असफल प्रधानमंत्री करार देते हुए उनसे इस्तीफे की मांग की है। पूर्व प्रधानमंत्री प्रचंड की अध्यक्षता में हुई बैठक में विपक्षी मोर्चा के गठबंधन ने ओली सरकार पर आरोपों की झड़ी लगाते हुए इतिहास का सबसे असफल प्रधानमंत्री बताया है।

विपक्षी दलों के गठबंधन की बैठक में पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड' के नेतृत्व वाले प्रमुख प्रतिपक्षी दल माओवादी, रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी, राजेंद्र लिंगडेन के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी, माधव कुमार के नेतृत्व वाली एकीकृत समाजवादी पार्टी, उपेन्द्र यादव के नेतृत्व वाली जनता समाजवादी पार्टी सहित तीन अन्य छोटी पार्टियां शामिल रहीं।

बैठक के बाद पत्रकार सम्मेलन करते हुए प्रचंड ने कहा कि ओली सरकार हर मुद्दे और हर मोर्चे पर विफल रही है। उन्होंने कहा कि जबसे केपी ओली ने सत्ता संभाली है तब से देश आर्थिक मुद्दे से लेकर विदेश नीति के मामले में असफल रहा है। उन्होंने ओली पर नेपाल की संतुलित विदेश नीति को खत्म करने और अति निकट पड़ोसी देश भारत के साथ नेपाल के संबंध बिगाड़ने का आरोप लगाया। प्रचंड ने कहा कि ओली की व्यक्तिगत कुंठा की वजह से अंतराष्ट्रीय स्तर पर देश की छवि धूमिल हुई है। प्रचंड ने पत्रकार सम्मेलन में कहा कि उनके कार्यकाल में बड़े भ्रष्टाचार संबंधी खोली गई फाइलों को ओली सरकार ने बंद कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस सरकार को प्रधानमंत्री और मंत्री नहीं, बल्कि बिचौलिए चला रहे हैं। देश में भ्रष्टाचार चरम पर रहने और कुछ स्वार्थ समूह के लिए सरकार काम कर रही है। हाल ही में लाए गए अध्यादेश का विरोध करते हुए विपक्षी मोर्चा ने इसे ओली की लोकतांत्रिक व्यवस्था के विरुद्ध का कदम बताया है। उन्होंने जल्द से जल्द संसद का अधिवेशन बुलाने की मांग की है। साथ ही यह भी कहा है कि यदि सरकार संसद का नियमित अधिवेशन नहीं बुलाती है तो विपक्षी मोर्चा विशेष अधिवेशन की मांग करेगा।

बांग्लादेश के रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में लगी आग, बच्चे की मौत, 100 घर राख

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में कॉक्स बाजार के टेकनाफ के मोचनी रोहिंग्या शिविर में भीषण आग लग गई। इस दौरान एक बच्चे की मौत हो गई और 100 से अधिक कच्चे-पक्के घर राख हो गए। चटगांव से 150 किलोमीटर दूर दक्षिण में स्थित कॉक्स बाजार में लगभग 10 लाख रोहिंग्या शरणार्थी रहते हैं। इसे दुनिया की सबसे बड़ी रोहिंग्या शरणार्थी बस्ती कहा जाता है।

ढाका ट्रिब्यून की खबर के अनुसार 16वीं सशस्त्र पुलिस बटालियन (एपीबीएन) के अतिरिक्त उप महानिरीक्षक एमडी कौसर सिकदर ने रोहिंग्या शरणार्थी शिविर में आग लगने से बच्चे की मौत की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि बच्चे की पहचान नहीं हो सकी है। कुछ लोग झुलसे भी हैं पर उनकी सही संख्या की जानकारी अभी नहीं मिल आई है। कौसर ने कहा कि आग हनीला यूनियन में रोहिंग्या

शिविर के ब्लॉक पी-3 के भीतर एक घर पर लगी और तेजी से फैल गई। रोहिंग्या शिविर में रहने वालों ने एपीबीएन कर्मियों के साथ आग बुझाने में सहयोग किया। सूचना मिलते ही टेकनाफ फायर सर्विस स्टेशन से दो गाड़ियां पहुंची। कुछ देरबाद आग बुझा दी गई। टेकनाफ अग्निशमन सेवा संचालन दल के प्रमुख मुकुल कुमार नाथ ने कहा कि आग की लपटों ने कम से कम 100 घरों को चपेट में ले लिया। देखते-देखते ही प्रभावित क्षेत्र मलबे के ढेर में बदल गया। आग बुझने के बाद मलबे के ढेर से एक बच्चे का शव बरामद किया गया।

उत्तरी यमन में हूती सैन्य स्थल पर हमले

सना। अमेरिका की सेना ने सुबह यमन के अमरान प्रांत में राजधानी सना के उत्तरी क्षेत्र में हूती सैन्य स्थल पर पांच हमले किये। हूती की ओर से संचालित अल-मसीरा टीवी ने बताया कि उत्तरी अमरान के हर्फ़ सुफयान जिले में स्थित चौकी पर हमला किया गया। निवासियों ने सोशल मीडिया पर लिखा कि उन्होंने हूती सैन्य चौकी से तड़के में कई जोरदार विस्फोट

सुने। अमेरिकी सेंट्रल कमान ने अभी तक हमलों पर कोई टिप्पणी नहीं की है। गौरतलब है कि जनवरी 2024 से ही हूती सैन्य स्थल, अन्य उत्तरी प्रांतों और राजधानी सना में अन्य सैन्य चौकियों के साथ, अमेरिकी हवाई हमलों का लगातार निशाना बन रहा है। ताज़ा हमले समूह के नेता अब्दुल मलिक अल-हूती की ओर से टेलीविज़न पर दिए गए भाषण के कुछ घंटों बाद हुए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर इज़रायली सेना ने घोषित गाजा युद्धविराम समझौते के कार्यान्वयन से पहले गाजा पट्टी पर छापे मारना जारी रखा तो उनका समूह इज़रायल पर लंबी दूरी के रॉकेट हमले जारी रखेगा।

ट्रम्प ने गिब्सन, स्टेलोन और वोइट को हॉलीवुड राजदूत नियुक्त किया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीन हॉलीवुड सितारों जॉन वोइट, मेल गिब्सन और सिल्वेस्टर स्टेलोन को विशेष राजदूत नियुक्त किया है।

श्री ट्रम्प ने सोशल प्लेटफार्म ट्रुथ पर अपने पोस्ट में लिखा, मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत हर्ष हो रहा है कि जॉन वोइट, मेल गिब्सन और सिल्वेस्टर स्टेलोन एक बेहतरीन लेकिन बहुत ही संकटग्रस्त जगह कैलिफोर्निया में हॉलीवुड के विशेष राजदूत होंगे। ये हॉलीवुड को वापस लाने तथा पहले से कहीं अधिक बड़ा, बेहतर और मजबूत बनाने के उद्देश्य से मेरे लिए विशेष दूत के रूप में काम करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार तीनों सेलिब्रिटी हाल ही में श्री ट्रम्प और उनके चुनाव अभियान से जुड़े रहे हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी भूमिकाएं क्या होंगी। गिब्सन ने एक बयान में कहा , मुझे यह खबर आप सभी के समान ही मिला और मैं भी उतना ही आश्चर्यचकित हूं। फिर भी मैंने इस कॉल पर ध्यान दिया। एक नागरिक के रूप में मेरा कर्तव्य है कि मैं जितना हो सके उतना मदद और अंतर्दृष्टि प्रदान करूं।

रिपोर्ट के अनुसार तीनों सेलिब्रिटी हाल ही में श्री ट्रम्प और उनके चुनाव अभियान से जुड़े रहे हैं, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि उनकी भूमिकाएं क्या होंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक कि रॉकी फ्रैंचाइज़ी में मुख्य किरदार निभाने वाले स्टेलोन ने चुनाव के बाद के विजय भाषण के लिए मार-ए-लागो में श्री ट्रम्प का परिचय कराया। उन्होंने नवनिर्वाचित राष्ट्रपति की तुलना अमेरिका के पहले नेता से की और उन्हें 'दूसरा जॉर्ज वाशिंगटन' कहा। वहीं मिडनाइट काउबॉय और पर्ल हार्बर में अभिनय करने वाले वोइट लंबे समय से श्री ट्रम्प के समर्थक हैं और उन्होंने उन्हें अब्राहम लिंकन के बाद सबसे महान राष्ट्रपति कहा है।

यह भी गौरतलब है कि हॉलीवुड मनोरंजन उद्योग का केंद्र लॉस एंजिल्स इन दिनों जंगली आग की चपेट में है और यहां हजारों की संख्या में इमारतें नष्ट हो गयी है और अनेक ववसाय प्रभावित हुए हैं।

गेहूं में लगने वाले कीट और रोग के उपाय

आज हम बात करते हैं गेहूं में लगने वाले प्रमुख रोगों के बारे में। थोड़ी सी सावधानी से किसान भाई कैसे गेहूं की फसल की ज्यादा पैदावार ले सकते हैं। पिछले एक माह से गेहूं उत्पादक राज्यों के किसान मौसम के कई रंग देख चुके हैं। पहले गेहूं के अनुकूल ठंडी राते, दिन में धूप का निकलना और अब बारिश से देशभर में गेहूं की अनुकूल फसल होने का संदेश मिलता है। आइये जानते है गेहूं के रोग और उपाय, गेहूं में लगने वाले कीट, गेहूं की फसल में कौन सा फफूंदी रोग पाया जाता है-

⏩ गेहूं में लगने वाले प्रमुख रोग

1. धारीदार रतुआ या पीला रतुआ
2. पर्ण रतुआ /भूरा रतुआ
3. करनाल बंट खुला कंडुआ या लूज स्मट
4. पर्ण झुलसा या लीफ ब्लाईट
5. चूर्णिल आसिता या पौदरी मिल्ड्यू ,
6. ध्वज कंड या फ्लैग समट
7. पहाड़ी बंट या हिल बंट
8. तना रतुआ या काला रतुआ
9. पाद विगलन या फुट रांट

1. गेहूं का पीला रतुआ रोग एवं उपचार (धारीदार रतुआ)

देश के कई राज्यों में बारिश से नमी वाले तराई क्षेत्रों में गेहूं की फसल पीला रतुआ बीमारी होने की संभावना बढ़ जाती है, ऐसे में समय रहते किसानों को इस रोग का प्रबंधन करना चाहिए। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार जनवरी और फरवरी में गेहूं की फसल में लगने वाले पीला रतुआ रोग आने की संभावना रहती है। निम्न तापमान और उच्च आर्दता पीला रतुआ के स्पोर अंकुरण के लिए सही होता है। हाथ से छूने पर धारियों से फफूंद के बीजाणू पीले रंग की तरह हाथ में लगते हैं। गेहूं

में पीला रोग की चपेट में आने से कोई पैदावार नहीं होती है।

⏩ गेहूं का पीला रतुआ रोग के लक्षण

पत्तों का पीलापन होना ही पीला रतुआ नहीं कहलाता, बल्कि पाउडरनुमा पीला पदार्थ हाथ पर लगना इसका लक्षण है। पत्तियों की ऊपरी सतह पर पीले रंग की धारी दिखाई देती है, जो धीरे-धीरे पूरी पत्तियों को पीला कर देती है। पीला पाउडर जमीन पर गिरा देखा जा सकता है। पहली अवस्था में यह रोग खेत में 10-15 पौधों पर एक गोल दायरे में शुरु होकर बाद में पूरे खेत में फैल जाता है। तापमान बढने पर पीली धारियां पत्तियों की निचली सतह पर काले रंग में बदल जाती है।

⏩ गेहूं का पीला रतुआ रोग का जैविक उपचार

किसान भाई पीला रतुआ रोग से बचाव के लिए यह जैविक उपचार अपना सकते हैं। एक किलोग्राम तम्बाकू की पत्तियों का पाउडर 20 किलो लकड़ी की राख के साथ मिलाकर बीज बुवाई या पौध रोपण से पहले खेत में छिड़काव करें।

गोमूत्र व नीम का तेल मिलाकर अच्छी तरह से मिश्रण तैयार कर लें और 500 मि.ली. मिश्रण को प्रति पम्प के हिसाब से फसल में तर-बतर छिड़काव करें।

गोमूत्र 10 लीटर व नीम की पत्ती दो किलो व लहसुन 250 ग्राम का काढ़ा बनाकर 80-90 लीटर पानी के साथ प्रति एकड़ छिड़काव करें।

⏩ गेहूं का पीला रतुआ रोग का रसायनिक उपचार

रोग के लक्षण दिखाई देते ही 200 मि.ली. प्रोपीकोनेजोल 25 ई.सी. या पायराक्लोट्रोबिन प्रति लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़काव करें। रोग के प्रकोप और फैलाव को देखते हुए दूसरा छिड़काव 10-15 दिन के अंतराल में करें।

2. गेहूं का पर्ण रतुआ / भूरा रतुआ रोग

यह पक्सीनिया रिकोंडिटा ट्रिटिसाई नामक कवक से होता है तथा संपूर्ण भारत में पाया जाता है। इस रोग की शुरुआत उत्तर भारत की हिमालय तथा दक्षिण भारत की निलगिरी पहाडियों से शुरू होता है एवं वहां पर जीवित रहता है तथा वहां से हवा द्वारा मैदानी क्षेत्रों में फैलकर गेहूं की फसल को संक्रमित करता है।

⏩ गेहूं का पर्ण रतुआ के लक्षण

इस रोग कि पहचान यह है कि प्रारम्भ में इस रोग के लक्षण नारंगी रंग के सुई की नोक के बिंदुओं के आकार के बिना क्रम के पत्तियों की उपरी सतह पर उभरते हैं जो बाद में और घने होकर पूरी पत्ती और पर्ण वृंतों पर फैल जाते हैं। रोगी पत्तियां जल्दी सुख जाती है जिससे प्रकाश संश्लेषण में भी कमी होती है और दाना हल्का बनता है। गर्मी बढने पर इन धब्बों का रंग, पत्तियों की निचली सतह पर काला हो जाता है तथा इसके बाद यह रोग आगे नहीं फैलता है। इस रोग से गेहूं की उपज में 30 प्रतिशत तक की हानि हो सकती है।

⏩ गेहूं का पर्ण रतुआ रोग का उपचार

धब्बे दिखाई देने पर 0.1 प्रतिशत प्रोपीकोनेजोल (टिल्ट 25 ईसी) का एक या दो बार पत्तियों पर छिड़काव करें।

3. गेहूं का करनाल बंट रोग

भारत में यह रोग अपेक्षाकृत ठंडे प्रदेशों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश तथा उत्तराखंड के मैदानी इलाके पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश तथा उत्तरी राजस्थान में अधिक होता है। अधिक तापमान तथा उष्ण जलवायु वाले राज्यों जैसे कर्नाटक, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, गुजरात तथा मध्यप्रदेश में नहीं पाया जाता। इस रोग का कारक एक कवक टिलेसिया इंडिका है। यह रोगजनक मृदा में रहता है तथा संक्रमित बीज इस रोग को नये क्षेत्रों में फैलाते हैं।

⏩ गेहूं का करनाल बंट रोग के लक्षण

इस रोग से दानों के अंदर काला चूर्ण बन जाता है तथा अंकुरण क्षमता कम हो जाती है।

⏩ गेहूं का करनाल बंट रोग के उपाय

इस रोग कि रोकथाम के लिए बीज को थाइरम 2.5 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित कर बोयें। उन्नत प्रतिरोधी किस्मों का उपयोग करें। रोकथाम हेतु खड़ी फसल में प्रोपिकोनोजोल 25 ई.सी. 0.1 प्रतिशत घोल का छिड़काव डफ अवस्था में करें।

4. खुला कंडुआ या लूज स्मट रोग

यह रोग आंतरिक रूप से संक्रमित बीज से पैदा होता है। इसका रोग जनक एक कवक अस्टीलैगो सेजेटम प्रजाति ट्रिटिसाई बीज के भ्रूण भाग में छिपा रहता है तथा संक्रमित बीज ऊपर से देखते में बिल्कुल स्वस्थ बीजों की तरह ही दिखाई देता है। इस रोग से प्रति वर्ष उत्तर भारत में गेहूं कि उपज में 1-2 प्रतिशत की हानि होती है।

⏩ गेहूं में कंडुआ रोग के लक्षण

इस रोग के लक्षण बाली आने पर ही दिखाई देते हैं। रोगी पौधों की बालियों में दानों की जगह रोग जनक के रोगकंड काले पाउडर के रूप में पाये जाते हैं जो कि हवा से उड़कर अन्य स्वस्थ बालियों में बन रहे बीजों को भी संक्रमित कर देते हैं। इस प्रकार रोग आगे आने वाली फसल में पहुंच जाता है। प्रायः किसान भाई इस तरह से संक्रमित बीज से अनजान रहते हैं तथा बीजोपचार से चुक जाते हैं तथा बाद में उसकी फसल में इस रोग की कोई रोकथाम संभव नहीं होती है।

⏩ गेहूं में कंडुआ रोग के उपाय

इस रोग कि रोकथाम के लिए रोग ग्रस्त पौधों को उखाड़कर जला दें। बीजों को कार्बोक्सिन 75 डब्लू.पी. 1.5 ग्राम या कर्बेन्डाजिम 50 डब्लू.पी. 1.0 ग्राम या टेब्यूकोनाजोल 2.0 ग्राम प्रति कि.ग्रा. बीज की दर से बीजोपचार कर बुवाई करें।

5. गेहूँ का पर्ण झुलसा रोग या लीफ ब्लाइट रोग

यह रोग मुख्यत बाईपोलेरिस सोरोकिनियाना नामक कवक से पैदा होता है। यह रोग सम्पूर्ण भारत में पाया जाता है लेकिन इस रोग का प्रकोप नम तथा गर्म जलवायु वाले उत्तर पूर्वी क्षेत्र में अधिक होता है।

⏩ गेहूँ का पर्ण झुलसा रोग के लक्षण

इस रोग के लक्षण पौधे के सभी भागों में पाये जाते हैं तथा पत्तियों पर प्रमुख होते हैं। प्रारम्भ में रोग के लक्षण भूरे रंगे के नाव के आकार के छोटे धब्बों के रूप में उभरते हैं। जो कि बड़े होकर पत्तियों के सम्पूर्ण भाग या कुछ भाग को झुलसा देते हैं तथा ऊतक मर जाते हैं और हरा रंग नष्ट हो जाता है। इससे प्रकाश संशलेषण बुरी तरह प्रभावित होता है। इस प्रकार के बीज में अंकुरण क्षमता बहुत कम होती है। इस रोग से रोग ग्रसित फसल में 50 प्रतिशत तक उपज की हानि हो सकती है।

⏩ गेहूँ का पर्ण झुलसा रोग के उपाय

इस रोग से बचाने के लिए जनवरी के प्रथम सप्ताह से 15 दिन के अंतराल पर सवा किलो मैंकोजेब प्रति हैक्टेयर का 6,000 लीटर पानी में घोल बनाकर 3-4 बार छिड़काव करें। इसके अलावा 2.5 ग्राम / किलो. बीज की दर से

कार्बोक्सिन के साथ बीजोपचार करें। खेत में जमाव न रहने दें।

6. चूर्णिल आसिता या पौदरी मिल्ड्यू रोग

यह रोग ठंडे प्रदेशों में पाया जाता है तथा ब्लुमेरिया ग्रैमेनिस ट्रिटिसाई नामक कवक से होता है। यह रोगजनक ग्रीष्म काल में उत्तर के पहाड़ों पर जीवित रहता है तथा बाद में फसल अवधि में उत्तरी मैदानी क्षेत्रों में फैल कर गेहूं की फसल को संक्रमित करता है।

⏩ लक्षण

इस रोग से पत्तियों की उपरी स्थ पर गेहूं के आटे के रंग के सफेद धब्बे पड़ जाते हैं जो कि उपयुक्त परिस्थितियां होने पर बालियों तक पहुंच जाते हैं। तापमान बढने पर इन सफेद भूरे धब्बों में आलपिन की नोंक के आकार के गहरे भूरे क्लिस्टोथिसिया बन जाते हैं तथा इस रोग का फैलाव रुक जाता है। आजकल यह रोग उत्तरी पहाड़ी तथा उत्तरी पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों में काफी फैलने लगा है तथा इन क्षेत्रों में उगने वाली प्रजातियों में इस रोग की प्रतिरोधी शक्ति कम है। यह रोग मेड पर उगने वाली तथा पेड़ों की छाया वाली फसल में अधिक लगता है। इस रोग के कारण दाना हल्का बनता है।

⏩ उपाय

रोग के संक्रमन से डेन बनने की अवस्था तक 0.1 प्रतिशत प्रोपिकोनेजोल का पत्तियों पर छिड़काव करें। छायादार खेत में गेहूं की बुआई न करें। उत्तर पर्वतीय क्षेत्रों में एचएस 542, वीएल 829, वीएल 907, वीएल 907, एचएस 507, एचएस 490, इत्यादी किस्मों का प्रयोग करें।

7. ध्वज कांड या फ्लैग स्मट

यह रोग उत्तरी भागों में जहां पर जमीन बलुई होती है, ज्यादा फैलता है। पंजाब तथा हरियाणा में इस प्रकार की जमीनों में यह रोग 10 प्रतिशत तक पाया जाता है। यह रोग एक कवक यूरोसिस्टिस एग्रोपाइरी से होता है तथा रोगजनक संक्रमित खेत में ही होता है।

⏩ लक्षण

इस रोग के कारण संक्रमित पौधों की पत्तियां अधिक लम्बी, मुड़ी हुई तथा प्रारंभ में चंडी जैसे रंग की दिखाई देती है जोकि बाद में कवक बीजाणुओं के बनने से कली होकर टूट जाती है। ऐसे पौधों में बालियां नहीं बनती है।

⏩ उपाय

2. 5 ग्राम / कि.ग्रा. बीज की दर से कार्बोक्सिन (वीटावैक्स 75 डब्ल्यू) या कर्बेडिजिम (बाविस्टीन 50 डब्ल्यूपी) से अथवा 1. 25 ग्राम / कि.ग्रा. बीज की दर से टेब्यूकोनेजोल 2 डीएस (रैकिस्ल) के साथ बीजोपचार करें। पहले साल जिन सुग्राही किस्मों में यह ध्वज कंद देखा गया हो, उनकी बुआई न करें। अन्य फसलें , जो इस कवक की अतिथेय नहीं हैं, के साथ फसल आवर्तन (क्राप रोटेशन) करें।

8. गेहूँ में पहाड़ी बंट या हिल बंट रोग

यह बीमारी प्रमुख रूप से उत्तरी पहाड़ी क्षेत्रों में पाई जाती है तथा टिलेसिया फोइटिडा एवं टिलेसिया कैरीज नामक कवकों के कारण होती है।

⏩ लक्षण

इस रोग में रोगी बालियों में दानों की जगह कवक की कलि रंग की संरचनाए बन जाती है जो कि थ्रेशिंग के समय टूटकर कवक बीजाणुओं को स्वस्थ बीजों पर फैला देती है।

⏩ उपाय

25 प्रतिशत कार्बोक्सिन (वीटावैक्स 75 डब्ल्यूपी) साथ बीजोपचार करें। रोग रोधी किस्मों का प्रयोग करें बुआई के लिए संक्रमित खेत से बीज न लें।

9. गेहूं में तना रतुआ या काला रतुआ रोग

इस रोग का रोग जनक पक्सीनिया ग्रैमिनिस ट्रिटिसाई नामक कवक है। यह रोग प्रारम्भ में निलगिरी तथा पलनी पहाडियों से आता है तथा इसका प्रकोप दक्षिण तथा मध्य क्षेत्रों में अधिक होता है। उत्तरी क्षेत्र में यह रोग फसल पकने के समय पहुंचता है। इसलिए इसका प्रभाव नगण्य होता है।

⏩ लक्षण और उपाय

यह रोग अक्सर 20 डिग्री सेंटीग्रेड से अधिक तापमान पर फैलता है। इस रोग के लक्षण तने तथा पत्तियों पर चाकलेट रंग जैसा काला हो जाता है। दक्षिण तथा मध्य क्षेत्रों की नवीनतम प्रजातियां इस रोग के लिए प्रतिरोधी होती है। इस दिशा में देश एवं विदेश में अनुसंधान जोरों से चल रहा है तथा देश में ज्यादा चिंता का विषय नहीं है।

यह रोग अधिक तापमान वाले प्रदेशों जैसे मध्य प्रदेश, गुजरात तथा कर्नाटक में पाया जाता है तथा सोयाबीन-गेहूं फसल चक्र में अधिक होता है। यह रोग स्क्लरोसियम रोलफसाई नामक कवक से होता है जो कि संक्रमित भूमि में पाया जाता है। इस रोग से रोगी पोधों की जड़ से ऊपर कालर वाले भाग पर सफेद कपास के आकार की कवक पैदा होती है तथा तने का भूमि से ऊपर का भाग सड़ जाता है तथा रोगी पौधा मर जाता है।

कैसे लें चने की भरपूर उपज

चना देश की सबसे महत्वपूर्ण दलहनी फसल है। चने को दालों का राजा भी कहा जाता है। पोषक मान की दृष्टि से चने के 100 ग्राम दाने में औसतन 11 ग्राम पानी, 21.1 ग्राम प्रोटीन, 4.5 ग्राम वसा, 61.65 ग्राम कार्बोहाइड्रेट, 149 मि.ग्रा. कैल्शियम, 7.2 मि.ग्रा. लोहा, 0.14 मि.ग्रा. राइबोफ्लेविन तथा 2.3 मि.ग्रा. नियासिन पाया जाता है। इसकी हरी पत्तियां साग और हरा तथा सूखा दाना सब्जी व दाल बनाने में प्रयुक्त होती हैं। चने की दाल से अलग किया हुआ छिलका और भूसा पशु चाव से खाते हैं। दलहनी फसल होने के कारण यह जड़ों में वायुमंडलीय नाइट्रोजन स्थिर करती है, जिससे खेत की उर्वराशक्ति बढ़ती है। देश में चने की खेती मुख्य रूप से उत्तरप्रदेश, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान तथा बिहार में की जाती है। सबसे अधिक चने का क्षेत्रफल एवं उत्पादन वाला राज्य मध्य प्रदेश है।

चना एक शुष्क एवं ठंडी जलवायु की फसल है। इसे रबी मौसम में उगाया जाता है। इसकी खेती के लिए मध्यम वर्षा (60-90 सें.मी. वार्षिक) और सर्दी वाले क्षेत्र सर्वाधिक उपयुक्त हैं। फसल में फूल आने के बाद वर्षा का होना हानिकारक होता है। वर्षा के कारण फूल में परागकण एक दूसरे से चिपक जाते हैं, जिससे बीज नहीं बनते हैं। इसकी खेती के लिए 24 से-30 डिग्री सेल्सियस तापमान उपयुक्त माना जाता है।

⏩ भूमि की तैयारी

चने की खेती दोमट भूमि से मटियार भूमि में सफलतापूर्वक की जा सकती है। चने की खेती हल्की से भारी भूमि में भी की जाती है, किन्तु अधिक जलधारण एवं उचित जलनिकास वाली भूमि सर्वोत्तम रहती है। मृदा का पी-एच मान 6-7.5 उपयुक्त रहता है। असिंचित अवस्था में मानसून शुरू होने के पूर्व गहरी जुताई करने से रबी के लिए भी नमी संरक्षण होता है। एक जुताई मिट्?टी पलटने वाले हल तथा 2 जुताई देसी हल से की जाती है, पिफर पाटा चलाकर खेत को समतल कर लिया जाता है।

⏩ प्रमुख किस्में

समय पर बुआई के लिए-जी.एनजी. 1581 (गणगौर), जी.एन.जी. 1958 (मरुधर), जी.एन.जी. 663, जी.एन.जी. 469, आर.एस.जी. 888, आर.एस.जी. 963, आरएस.जी. 973, आर.एस.जी. 986, देरी से बुआई के लिए-जी.एन.जी. 1488, आर.एसजी. 974, आर.एस.जी. 902, आर.एस.जी. 945 प्रमुख हैं।

काबुली चना

• एल 550 - यह 140 दिनों में पकने वाली किस्म है। इसकी उपज 10 से 13 क्विंटल/हेक्टेयर है। इसके 100 दानों का वजन 24 ग्राम है।

• सी-104 यह किस्म 130-135 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। यह औसतन 10 से13 क्विंटल/हेक्टेयर उपज देती है। इसके 100 दानों का वजन 25-30 ग्राम होता है।

अन्य किस्में जी.एन.जी. 1669 (त्रिवेणी), जी.एन.जी. 1499, जी.एन.जी. 1992।

⏩ चने की बुआई का समय

10 अक्टूबर से 5 नवम्बर

बीज की मात्रा

मोटे दानों वाला चना 80-100 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर, सामान्य दानों वाला चना 70-80 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर काबुली चना (मोटा दाना) 100-120 कि.ग्रा./हेक्टेयर।

⏩ बीजोपचार

1. बीज को पहले रासायनिक फफूंदीनाशक से उपचारित करने के बाद जैविक कल्चर से छाया में उपचारित कर तुरंत बुआई करें, जिससे जैविक बैक्टीरिया जीवित रह सकें।

2. फसल को उकठा रोग से बचाने के लिए बीज को बुआई के पूर्व फफूंदीनाशक वीटावैक्स पॉवर, कैप्टॉन, थीरम या प्रोवेक्स में से कोई एक 3 ग्राम दवा प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। इसके पश्चात एक किलो बीज में राइजोबियम कल्चर तथा ट्राइकोडर्मा विरडी 5-5 ग्राम मिलाकर उपचारित करें।

3. बीज की अधिक मात्रा को उपचारित करने के लिए, सीड ड्रेसिंग ड्रम का उपयोग करें, जिससे बीज एक समान उपचारित हो सके।

⏩ उर्वरक

अच्छी पैदावार के लिए 20-25 टन सड़ी गोबर की खाद खेत की तैयारी के समय खेत में मिलाएं। उर्वरकों का प्रयोग मिट्टी परीक्षण के आधार पर करें। नाइट्रोजन 20 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर (100 कि.ग्रा. डाई अमोनियम फॉस्पेफट),फॉस्फोरस 50 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर, जिंक सल्फेट 25 कि.ग्रा. प्रति हेक्टेयर।

⏩ देशी किस्में

• जे.जी. 315- यह किस्म 125 दिनों में पककर तैयार हो जाती है। औसत उपज 12 से 15 क्विंटल/हेक्टेयर है। इसके 100 दानों का वजन 15 ग्राम है एवं बीज का रंग बादामी है तथा देर से बोने के लिए उपयुक्त किस्म है।

• विजय: सर्वाधिक उपज देने वाली 90-105 दिनों में तैयार होने वाली यह किस्म है। यह सिंचित व असिंचित क्षेत्रों के लिए उपयुक्त है। इस किस्म में अधिक शाखायें व मध्यम ऊंचाई वाले पौधे होते हैं। उपज क्षमता 24-45 क्विंटल/हेक्टेयर है।

• जी.एन.जी.-2171 (मीरा) राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली जैसे उत्तरी- पश्चिमी मैदानी सिंचित क्षेत्रों के लिए अधिसूचित किस्म। दाना मध्यम आकार व सुनहरे रंग का, जड़ गलन, विल्ट व झुलसा रोग के प्रति सहनशील। लगभग 150 दिनों में पककर तैयार होती है और उपज 24 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

• जी.एन.जी-2144 (तीज) राजस्थान के उत्तर-पश्चिमी मैदानी क्षेत्रों के लिए अधिसूचित यह किस्म दोहरे फूल व 20 से 25 प्रतिशत दोहरी फली वाली है। देरी से बुआई योग्य इस किस्म की दिसंबर के पहले सप्ताह में भी बुआई कर सकते हैं। बुआई के 130 से 135 दिनों में तैयार होने के साथ ही इसकी औसत उपज 23 क्विंटल प्रति हेक्टेयर है।

⏩ बुआई की विधि

चने की बुआई कतारों में करें। 7 से 10 सें.मी. गहराई पर बीज डालें। कतार से कतार की दूरी 30 सें.मी. (देसी चने के लिए) तथा 45 सें.मी. (काबुली चने के लिए)।

⏩ खरपतवार नियंत्रण

फ्लूक्लोरेलिन 200 ग्राम (सक्रिय तत्व) का बुआई से पहले या पेंडीमेथालीन 350 ग्राम (सक्रिय तत्व) का अंकुरण से पहले 300-350 लीटर पानी में घोल बनाकर एक एकड़ में छिड़काव करें। पहली निराई-गुड़ाई बुआई के 30-35 दिनों बाद तथा दूसरी 55-60 दिनों बाद आवश्यकतानुसार करें।

सिंचाई

आमतौर पर चने की खेती असिंचित अवस्था में की जाती है। चने की फसल के लिए कम जल की आवश्यकता होती है। चने में जल उपलब्धता के आधार पर पहली सिंचाई फूल आने के पूर्व अर्थात बोने के 45 दिनों बाद एवं दूसरी सिंचाई दाना भरने की अवस्था पर अर्थात बोने के 75 दिनों बाद करनी चाहिए।

⏩ अन्य समस्याएं

• सूत्राकृमि सूत्राकृमि के प्रकोप से पौधा अविकसित रह जाता है। जड़ें छोटी रह जाती हैं और उत्पादन प्रभावित होता है।

• नियंत्रण के लिए गर्मियों में गहरी जुताई करें, प्रतिरोधी किस्म का चयन करें। गैर-दलहनी फसलों जैसे मक्का, धान या मूंगफली को फसलचक्र में शामिल करें। रासायनिक नियंत्रण प्रकोप के आधार पर 10-15 कि.ग्रा. कार्बोफ्यूरॉन प्रति एकड़ का प्रयोग करें।

⏩ उपज

चने की शुद्ध फसल से प्रति हेक्टेयर लगभग 20-25 क्विंटल दाना एवं इतना ही भूसा प्राप्त होता है। काबुली चने की पैदावार देसी चने से तुलना में थोड़ी कम होती है।

⏩ पौध संरक्षण

माहूं व चेंपा माहूं व चेंपा, पौधे का रस चूसकर इसे कमजोर करते हैं। इनके नियंत्रण के लिए 5 ग्राम थायोमेथाक्जम 25 डब्ल्यूजी जैसे एकतारा, अनंत या 5 ग्राम इमिडाक्लोप्रिड 70 डब्ल्यू.जी. एडमायर या एडफायर का प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

⏩ कटुआ सूंडी

इस कीट की रोकथाम के लिए 200 मि.ली. फेनवालरेट (20 ई.सी.) या 125 मि.ली. साइपरमैथ्रीन (25 ई.सी.) को 250 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर की दर से आवश्यकतानुसार छिड़काव करें।

⏩ फलीछेदक

• उकठा रोग निरोधक किस्मों का प्रयोग करना चाहिए।

• प्रभावित क्षेत्रों में फसलचक्र अपनाना लाभकर होता है।

• प्रभावित पौधे को उखाड़कर नष्ट करना अथवा गड्ढे में दबा देना चाहिए

• बीज को कार्बेन्डाजिम 2.5 ग्राम या ट्राइकोडर्मा विरडी से 4 ग्राम/कि.ग्रा. बीज की दर से उपचारित कर बोना चाहिए।

⏩ पौधों का पीलापन व मुरझान

पीलापन तथा मुरझान की समस्या के नियत्रांण के लिए 45 ग्राम कॉपर आक्सीक्लारोइड या 30 ग्राम कार्बेन्डेजिम प्रति 15 लीटर पानी में मिलाकर जमीन में दें अथवा 100 ग्राम थायोफैनेट मिथाइल, 70 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. प्रति एकड़ 200 लीटर पानी में छिड़कें।

⏩ अल्टरनेरिया झुलसा रोग

फूल व फली बनते समय अल्टरनेरिया झुलसा रोग हो सकता है। इससे पत्तियों पर छोटे, गोल-बैंगनी धब्बे बनते हैं। यह नमी अधिक होने से पूरी पत्ती पर फैल जाता है। नियंत्रण केलिए 3 ग्राम मैन्कोजेब, 75 प्रतिशत डब्ल्यू.पी. या 2 ग्राम मेटालैक्सिल 8 प्रतिशत मैन्कोजेब, 64 प्रतिशत (संचार या रिडोमिल) प्रति लीटर पानी में छिड़कें।

⏩ फसल कटाई से जुड़ी जानकारी

• परिपक्व अवस्था: जब पौधे के अधिकतर भाग और फलियां लाल भूरी हो कर पक जाएं तो कटाई करें। खलिहान की सफाई करें और फसल को धूप में कुछ दिनों तक सुखायें तथा गहाई करें। भंडारण के लिए दानों में 12-14 प्रतिशत से अधिक नमी नहीं होनी चाहिए

• भंडारण: चने के भंडारण हेतु भंडार गृह की सफाई करें तथा दीवारों एवं फर्श की दरारों को मिट्टी या सीमेंट से भर दें। चूने की पुताई करें तथा 15 दिनों के अंतराल पर 2-3 बार 10 मि.ली. मेलाथियान 50 प्रतिशत ई.सी. प्रति लीटर पानी के घोल का 3 लीटर/100 वर्ग मीटर की दर से दीवार तथा फर्श पर छिड़काव करें।

• अनाज भंडारण के लिए बोरियों को मेलाथियान 10 मि.ली./लीटर पानी के घोल में डुबोकर सुखाएं।

(Compiled by : C M Sharma)